

वार्षिक रिपोर्ट Annual Report 2018-2019



भारतीय जन संचार संस्थान
Indian Institute of Mass Communication

IIMC Campuses



भारतीय जन संचार संस्थान

(सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत स्थापित एक स्वायत्त संस्थान)

INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION

(an autonomous body under the Ministry of Information & Broadcasting)



वार्षिक रिपोर्ट 2018-19

ANNUAL REPORT 2018-19

आईआईएमसी कार्यकारी परिषद
(01.04.2018 - 31.03.2019)

अध्यक्ष

श्री अमित खरे, आईएएस
सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय

सदस्य सचिव

श्री के जी सुरेश
महानिदेशक, भारतीय जन संचार संस्थान

सदस्य

प्रो विजय धारूरकर
कुलपति,
त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय, अगरतला

प्रो मकखन लाल
दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज, रिसर्च एंड मैनेजमेंट
नई दिल्ली

श्री राकेश खर
संपादक, नेटवर्क 18
नई दिल्ली

सुश्री स्मिता प्रकाश
मुख्य संपादक, एएनआई मीडिया
नई दिल्ली

श्री हितेश शंकर
संपादक, पांचजन्य
नई दिल्ली,

श्री एम डी नालपत
प्रबंध संपादक
संडे गार्डियन, नई दिल्ली

डा रिकू पेगू
सहायक प्रोफेसर
आईआईएमसी दिल्ली

श्री अली आर रिजवी, आईएएस
अपर सचिव और एफए
सूचना और प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली

श्री विक्रम सहाय, आईआरएस
संयुक्त सचिव (प्रचार एवं विज्ञापन)
सूचना और प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली

श्री रवीश कुमार, आईएफएस
संयुक्त सचिव (एक्स.पी)
विदेश मंत्रालय

सुश्री ईशिता रॉय, आईएएस
संयुक्त सचिव (हायर एजुकेशन)
मानव संसाधन मंत्रालय, नई दिल्ली

प्रो मृणाल चटर्जी
क्षेत्रीय निदेशक
आईआईएमसी ढेंकनाल

डा अनुभूति यादव
सह प्रोफेसर
आईआईएमसी, दिल्ली

भारतीय जन संचार संस्थान

एक अवलोकन



भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी), 17 अगस्त 1965 को अस्तित्व में आया। यह सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक सोसाइटी के रूप में पंजीकृत है। संस्थान की स्थापना सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा जन संचार के क्षेत्र में शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के मूलभूत उद्देश्यों की पूर्ति हेतु हुई थी।

आईआईएमसी की संकल्पना 1960 के दशक में शुरू हुई, जब भारत सरकार ने देश के विकास के लिए संचार का प्रभावी उपयोग करने के लिए एक मंच की स्थापना करने हेतु यूनेस्को से संपर्क किया। इस योजना में विकासशील दुनिया के इस हिस्से में जन संचार प्रशिक्षण मंच स्थापित करना भी शामिल था। अमेरिकी विद्वान विल्बर श्राम जिन्हें "संचार अध्ययन के जनक" के रूप में जाना जाता है, के नेतृत्व में संचार विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा ब्लूप्रिंट तैयार किया गया, जिससे 1965 में भारतीय जन संचार संस्थान का जन्म हुआ।



शुरुआती वर्षों में, संस्थान ने मुख्य रूप से केंद्र सरकार के सूचना सेवा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए और लघु स्तर पर शोध अध्ययन किये। 1969 में विकासशील देशों के लिए एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया गया जो गुटनिरपेक्ष राष्ट्रों में मध्यम स्तर पर काम करने वाले पत्रकारों के लिए था। विभिन्न संगठनों में काम कर रहे संचार पेशेवरों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संस्थान द्वारा बाद में कई विशिष्ट लघु पाठ्यक्रम शुरू किए गए।

पिछले तीन दशकों में, जनसंचार माध्यमों ने क्रांति की है और इनकी पहुंच और प्रभाव कई गुना बढ़ गए हैं। भारतीय जन संचार संस्थान ने भी कई बदलाव देखे और यह आज स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का सफल संचालन करता है।

शासी संरचना

IIMC को 50 सदस्य सोसायटी द्वारा प्रशासित किया जाता है, जिसका गठन द्विवार्षिक होता है। सोसाइटी के सदस्यों को केंद्र सरकार द्वारा नामित किया जाता है जिसमें सामाजिक सेवा संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, सार्वजनिक जीवन के प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल होते हैं।

सोसाइटी के मामलों का प्रशासन कार्यकारी परिषद में निहित है, जिसमें 15 सदस्य शामिल हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, मानव संसाधन मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधियों के अलावा, कार्यकारी परिषद के सदस्यों में शैक्षिक संस्थानों के प्रतिनिधि, सार्वजनिक जीवन के प्रतिष्ठित व्यक्ति और भारतीय जन संचार संस्थान के संकाय सदस्य शामिल हैं। सोसाइटी के अध्यक्ष को केंद्र सरकार द्वारा सोसाइटी के सदस्यों में से नामित किया जाता है। वह कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष भी हैं।

वित्त

संस्थान को सूचना और प्रसारण मंत्रालय से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है, जो जन संचार में प्रशिक्षण, शिक्षण और अनुसंधान, भारतीय संचार सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण के तहत अपने प्रदर्शन और उपलब्धियों के लिए वार्षिक कार्य योजना का विस्तार करने वाले एक ज्ञापन पर आधारित है। आंतरिक राजस्व सृजन पीजी डिप्लोमा कोर्स की फीस, आईआईएस और लघु पाठ्यक्रम प्रशिक्षण शुल्क, हॉस्टल किराया आदि से होता है।

शैक्षणिक और प्रशिक्षण गतिविधियाँ

वर्तमान में भारतीय जन संचार संस्थान, प्रिंट जर्नलिज्म, रेडियो और टीवी जर्नलिज्म और विज्ञापन एवं जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करता है। संस्थान विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से एशियाई, अफ्रीकी, लैटिन अमेरिकी और पूर्वी यूरोपीय देशों के मध्यम स्तर के कामकाजी पत्रकारों के लिए विकास पत्रकारिता में डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी आयोजित करता है।

संस्थान एक सप्ताह से चार सप्ताह तक के कई विशेष अल्पकालिक पाठ्यक्रम आयोजित करता है जो विशेष रूप से रक्षा अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के लिए होते हैं। साथ ही केंद्र और राज्य सरकारों और सार्वजनिक उपक्रमों में विभिन्न मीडिया, प्रचार और परिचालन संगठनों में काम करने वाले संचार पेशेवरों की बढ़ती प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए और भी अल्पकालिक पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

भारतीय सूचना सेवा प्रशिक्षण केंद्र

संस्थान भारतीय सूचना सेवा समूह क और ख के लिए प्रशिक्षण

अकादमी के रूप में कार्य करता है। यह संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में उत्तीर्ण हुए भारतीय सूचना सेवा समूह क अधिकारियों के लिए 9 माह का इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स और समूह ख अधिकारी जिनके पास पहले से ही जनसंचार में शैक्षणिक योग्यता और कुछ कार्य अनुभव हैं के लिए 6 महीने के फाउंडेशन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। इसके अलावा, संस्थान मीडिया और संचार के समकालीन विषयों पर भारतीय सूचना सेवा अधिकारियों के लिए लघु अवधि का सेवा प्रशिक्षण का आयोजन करता है।

क्षेत्रीय विस्तार

संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की बढ़ती लोकप्रियता तथा क्षेत्रीय जरूरतों की पूर्ति के लिए संस्थान ने 1993 में ढेंकनाल (ओडिशा) में एक शाखा खोली। विस्तार का अगला चरण वर्ष 2011-12 और 2012-13 में हुआ। 2011 में भारतीय जन संचार संस्थान के दो नये क्षेत्रीय परिसर मिज़ोरम के आइज़ोल तथा महाराष्ट्र के अमरावती में खोले गए। 2012 के दौरान संस्थान के दो और क्षेत्रीय परिसर जम्मू (जम्मू और कश्मीर) तथा कोट्टयम (केरल) में खोले गए।

संचार शोध

भारतीय जन संचार संस्थान एशिया का पहला संस्थान है, जिसके पास विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के लिए अनुसंधान/विश्लेषण और प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन आयोजित करने वाला एक समर्पित संचार शोध संचार विभाग है। यह पर होने वाले शोध मुख्य रूप से सरकारी अभियानों, प्रभाव विश्लेषण, प्रतिक्रिया आदि पर केंद्रित होते हैं, जो सरकारी अभियानों को रणनीतिक बनाने और लोगों तक उनकी प्रभावी और व्यापक पहुंच के लिए संचार कार्यक्रमों के लिए गुणवत्ता इनपुट प्रदान करते हैं।

1965 से लेकर आज तक विभिन्न विषयों जैसे सार्वजनिक स्वास्थ्य के मुद्दों, ग्रामीण विकास, उपभोक्ता संरक्षण आदि के लिए मंत्रालयों और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों आदि के लिए 200 से अधिक शोध और मूल्यांकन अध्ययन हुए हैं।

सामुदायिक रेडियो विकास

संस्थान में एक समर्पित सामुदायिक रेडियो सशक्तिकरण और

संसाधन केंद्र है जो रेडियो में कार्य करने वाले पेशेवरों को सामग्री, तकनीक और संसाधन आदि प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से पिछले दो वर्ष से कार्य कर रहा है। संस्थान में 2005 में स्थापित एक सामुदायिक रेडियो- 'अपना रेडियो' है, जो छात्र समुदाय और स्थानीय आबादी के साथ-साथ व्यावहारिक संपर्क प्रदान करके संचार के इस अत्यधिक प्रभावी माध्यम के विकास और प्रसार को बढ़ावा देता है। अकादमिक और स्थानीय रुचि के कार्यक्रम 'अपना रेडियो' पर प्रसारित होते हैं।

संकाय विकास

मीडिया शिक्षा, अनुसंधान, विस्तार और प्रशिक्षण के लिए वैश्विक मानकों को निर्धारित करने के लिए संस्थान के दृष्टिकोण के अनुरूप राष्ट्रीय मीडिया संकाय विकास केंद्र स्थापित किया गया है। केंद्र विभिन्न संस्थानों के जनसंचार शिक्षकों को पुनश्चर्या पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

प्रकाशन

भारतीय जन संचार संस्थान दो प्रतिष्ठित पीयर रिव्यूड त्रैमासिक पत्रिकाओं कम्प्युनिकेटर (अंग्रेजी) संचार माध्यम (हिंदी) प्रकाशित करता है। संस्थान का प्रकाशन विभाग पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में पाठ्य पुस्तकें और मोनोग्राफ भी प्रकाशित करता है।

मीडिया पुस्तकालय

भारतीय जन संचार संस्थान, दिल्ली में मीडिया और जनसंचार प्रकाशनों का देश में सबसे बड़ा पुस्तकालय है। इसमें बड़े पैमाने पर संचार और संबद्ध विषयों जैसे प्रिंट मीडिया, प्रसारण, विज्ञापन, पारंपरिक मीडिया, संचार अनुसंधान, जनसंपर्क, रेडियो और टेलीविजन, फिल्म, सूचना प्रौद्योगिकी आदि के विभिन्न पहलुओं पर 45,000 से अधिक पुस्तकों और पत्रिकाओं का संग्रह है। इस सुविधा का उपयोग छात्रों, विकास पत्रकारिता के विद्वानों, अधिकारी प्रशिक्षुओं और शिक्षकों द्वारा किया जाता है।

संचार चुनौतियां

संचार पिछले एक दशक में बड़े पैमाने पर एक बदलाव से गुजरा है जिसने निर्णय लेने की प्रक्रिया को बहुत प्रभावित किया है। यह तेजी से महत्व और प्रमुखता हासिल कर चुका है और विभिन्न शैक्षणिक विषयों का अनुसरण करने वाले छात्रों के लिए एक प्रमुख

आकर्षण बन चुका है। विश्व में व्यापक रूप से मीडिया के विस्तार में सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसने छात्रों, शिक्षकों और मीडियाकर्मियों के लिए भी बड़ी चुनौतियां पेश की हैं।

तदनुसार, संस्थान अकादमिक और उद्योग विशेषज्ञों की मदद से अपने पाठ्यक्रम को लगातार संशोधित करता रहा है, ताकि समकालीन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके। यह संस्थान द्वारा बाजार और समाज की जरूरतों के लिए प्रासंगिक पाठ्यक्रमों की प्रभावशीलता को सक्षम बनाता है। संस्थान की समृद्ध पाठ्यक्रम सामग्री और उद्योग उन्मुख दृष्टिकोण ने इसे प्रमुख समाचार पत्रों और पत्रिकाओं द्वारा प्रकाशित विभिन्न सर्वेक्षणों में देश के शीर्ष मीडिया और संचार संस्थान के रूप में लगातार स्थान दिया है।

भारतीय जन संचार संस्थान का योगदान

संस्थान देश में प्रशिक्षित संचार पेशेवरों को तैयार करने में सबसे आगे रहा है। 8,000 से अधिक छात्रों ने आज तक संस्थान से पीजी डिप्लोमा प्राप्त किए हैं और कई संस्थान के पूर्व छात्रों ने मीडिया और सार्वजनिक संचार क्षेत्र में खुद की अलग पहचान बनाई है और वे नेतृत्व पदों पर कार्य कर रहे हैं। संस्थान ने विकासशील देशों के 1500 से अधिक विदेशी नागरिकों को भी प्रशिक्षित किया है। विकास पत्रकारिता पाठ्यक्रम के कुछ पूर्व विद्वान आज एशिया और अफ्रीका में अपने-अपने देशों में शीर्ष पदों पर हैं। संस्थान ने 500 से अधिक समूहों और ख के भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया है।

भारतीय जन संचार संस्थान- डीमड विश्वविद्यालय के रूप में

संचार प्रौद्योगिकी पर विशेष जोर देने के साथ देश में "संचार विश्वविद्यालय" स्थापित करने की दृष्टि से, IIMC ने डी-नोवो श्रेणी के तहत डीमड विश्वविद्यालय के लिए' के लिए आवेदन किया था। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 15 नवंबर 2019 को पत्र के माध्यम से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा गठित एक समिति की सिफारिश पर डी नोवो श्रेणी के तहत डीमड विश्वविद्यालय बनने के लिए आईआईएमसी को लेटर ऑफ इंटेन्ट जारी किया है।

लेटर ऑफ इंटेन्ट की शर्तों के तहत, संस्थान को नवंबर 2021 तक निम्नलिखित शर्तों को पूरा करना है। i) 5 नए विभागों की स्थापना

करें और पहचाने गए आला / उभरते क्षेत्रों में 5 नए मास्टर्स डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करें। ii) यूजीसी के अनुसार प्रत्येक विभाग के लिए निर्धारित योग्यता के साथ पर्याप्त संख्या में फैकल्टी की भर्ती करें (डीम्ड यूनिवर्सिटीज इंस्टीट्यूशन) विनियम 2016 (अब 2019)। iii) रजिस्ट्रार, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक और संस्थान के ऐसे अन्य अधिकारियों को नियुक्त करना। iv) यूजीसी विनियमों के अनुसार अपने मेमोरेण्डम ऑफ एसोसिएशन और कानूनों में

संशोधन करें। v) यूजीसी की आवश्यकताओं के अनुसार प्रबंधन बोर्ड, अकादमिक परिषद, वित्त समिति, योजना और निगरानी बोर्ड आदि की स्थापना।

संस्थान में इन नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने का प्रस्ताव है। i) न्यू मीडिया संचार, ii) स्वास्थ्य संचार, iii) मीडिया और संचार गवर्नेंस, iv) समुदाय मीडिया, v) लोक और पारंपरिक मीडिया। इन पाठ्यक्रमों को अगले तीन वर्षों की अवधि में पेश किया जाना है।



स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

अपनी स्थापना के बाद से, भारतीय जन संचार संस्थान ने अपने शिक्षण और प्रशिक्षण गतिविधियों की सामग्री और वितरण तंत्र को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अपने निरंतर, अथक प्रयासों से मीडिया और संचार शिक्षा के क्षेत्र में अपने लिए एक विशेष जगह बनाई है।

वर्तमान में, संस्थान निम्नलिखित स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन करता है जो छात्रों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं।

पाठ्यक्रम का नाम	प्रवेश	केन्द्र
अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	62 62 15 15 15 15	आईआईएमसी नई दिल्ली आईआईएमसी ढेंकनाल आईआईएमसी आईजोल आईआईएमसी जम्मू आईआईएमसी अमरावती आईआईएमसी कोट्टयम
हिन्दी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	62	आईआईएमसी नई दिल्ली
रेडियो और टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (द्विभाषी- अंग्रेजी और हिंदी)	46	आईआईएमसी नई दिल्ली
विज्ञापन एवं जन संपर्क पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (द्विभाषी- अंग्रेजी और हिंदी)	70	आईआईएमसी नई दिल्ली
उर्दू पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	15	आईआईएमसी नई दिल्ली
उड़िया पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	23	आईआईएमसी ढेंकनाल
मराठी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	15	आईआईएमसी अमरावती
मलयालम पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	15	आईआईएमसी कोट्टयम

संस्थान के पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी प्रवेश वर्णनात्मक लिखित परीक्षा के माध्यम से होता है जिसके बाद समूह चर्चा और साक्षात्कार होते हैं।

कुल 6491 उम्मीदवारों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाओं के लिए आवेदन किया था। उपरोक्त पाठ्यक्रमों के लिए अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षाएं 26 -27 मई 2018 को देश के 20 शहरों - नई दिल्ली, अहमदाबाद, आइजोल, अमरावती, बैंगलोर, भोपाल,

चेन्नई, देहरादून, ढेंकनाल, गुवाहाटी, हैदराबाद, जम्मू, कोलकाता, कोडुयम, लखनऊ, मुंबई, पटना, रायपुर और रांची में आयोजित की गई थीं। साक्षात्कार / समूह चर्चाएँ दिल्ली और भाषा पत्रकारिता पाठ्यक्रमों के लिए क्षेत्रीय परिसरों में 29 जून -2 जुलाई 2018 के दौरान आयोजित की गईं। सभी पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का अंतिम परिणाम 16 जुलाई 2018 को घोषित किया गया था और शैक्षणिक सत्र 30 जुलाई 2018 को शुरू हुआ था।

संस्थान द्वारा संचालित किए जाने वाले पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में कक्षा शिक्षण के साथ-साथ प्रायोगिक शिक्षण का मिश्रण होता है जिसमें अभ्यास, प्रयोगशाला पत्रिकाएं, परियोजनाएं, फील्ड विजिट आदि के माध्यम से व्यावहारिक अभिविन्यास होता है। इसका उद्देश्य छात्रों को उनके भविष्य में सफलता के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना है। एक परिप्रेक्ष्य प्रदान करने के उद्देश्य के अलावा इन पाठ्यक्रमों का समाज में मीडिया पेशेवरों की भूमिका को परिभाषित करना भी है।

पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या की निरंतर समीक्षा की जाती है और बदलती परिस्थितियों में भी पाठ्यक्रमों की प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए उनमें विकासशील क्षेत्र में उभरती प्रवृत्तियों और प्रौद्योगिकियों को शामिल करके संशोधित किया जाता है। पाठ्यक्रमों को डिजाइन करते समय उद्योग की विविध आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखा जाता है, ताकि छात्रों को क्षेत्र की वास्तविकताओं के साथ-साथ नैतिक विचारों से भी अवगत कराया जा सके।

संस्थान अपने छात्रों को इंटरशिप हासिल करने में सहायता करता है जो उन्हें अखबारों, टीवी चैनलों और मीडिया कंपनियों के साथ-साथ विज्ञापन और जनसंपर्क एजेंसियों में अपने पाठ्यक्रमों को पूरा करने के बाद कैपस प्लेसमेंट के माध्यम से रोजगार दिलाने में मदद करते हैं।

अंग्रेजी पत्रकारिता

अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम 1969 में युवा छात्रों को पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं और तकनीकों पर प्रशिक्षित करने और उन्हें पेशेवर पत्रकार बनाने के लिए शुरू किया गया था। यह नौ महीने का पाठ्यक्रम गहन, कठिन और व्यावहारिक उन्मुख है, जो छात्रों में कौशल और दृष्टिकोण विकसित करने पर केंद्रित है। यह पाठ्यक्रम नई दिल्ली, ढेंकनाल, आइजोल, जम्मू,

अमरावती और कोडुयम में संचालित किया जाता है।

नई दिल्ली परिसर में अंग्रेजी पत्रकारिता

वर्ष 2018-19 में, 62 छात्रों को प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, विकास और डिजिटल मीडिया में सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। मीडिया के अलावा, उन्हें विज्ञापन, जन संपर्क, सार्वजनिक स्वास्थ्य संचार, मीडिया कानून और वृत्तचित्र निर्माण के क्षेत्र में भी जानकारी दी गई। उन्हें मीडिया लेखन, संपादन, डिजाइनिंग और लेआउट, समाचार पत्र और पत्रिका प्रोडक्शन, टेलीविजन और रेडियो प्रोडक्शन और उद्योग में उपयोग किए जाने वाले नवीनतम सॉफ्टवेयर और तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया।

लैब जर्नल



समूहों में छात्रों द्वारा विभिन्न विषयों पर उनके पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में लैब जर्नल्स तैयार किए गए। 2018-19 बैच के अंग्रेजी पत्रकारिता के छात्रों ने प्रयोगशाला पत्रिकाओं "द कस्टोडियन" (रक्षा मामलों पर), "कैटलिस्ट" (विज्ञान), "उन्नती" (विकास के मुद्दों पर), 'ग्लोबल पोस्ट' (अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर) और उमंग (बाल अधिकारों और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर) का प्रकाशन किया। छात्रों ने द्विवार्षिक समाचार पत्र 'ईजे क्रॉनिकल' भी प्रकाशित किया। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सुरभि दहिया 2018-19 के दौरान अंग्रेजी पत्रकारिता की पाठ्यक्रम निदेशक थीं।

कार्यशालाएं

2018-19 के दौरान अंग्रेजी पत्रकारिता विभाग ने विशेष रूप से मोबाइल पत्रकारिता, डेटा पत्रकारिता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एआर/ वीआर, विजुअल संचार, डॉक्यूमेंट्री निर्माण, फोटो जर्नलिज्म, डिजिटल स्टोरीटेलिंग, पब्लिक हेल्थ कम्युनिकेशन, सोशल मीडिया लेखन, रिपोर्टिंग आदि जैसी उभरती हुई तकनीकों पर विशेष कार्यशालाएं आयोजित कीं।

अंग्रेजी पत्रकारिता विभाग द्वारा ग्रुप कैप्टन एम.जे. ऑगस्टीन,

स्क्वाड्रन लीडर (सेवानिवृत्त) वर्षा कुकरेती और अनुभवी पत्रकार रोहित गांधी के मार्गदर्शन में "ड्रोन जर्नलिज्म" पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा आईपीसी की धारा 377 की समाप्ति पर अंग्रेजी पत्रकारिता के छात्रों ने "सतरंगी" नाम से एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया।



पुरस्कार विजेता अमेरिकी पत्रकार सुश्री लिंगा रोथ जो वर्तमान में विल्सन सेंटर (वाशिंगटन डी.सी.) में उपाध्यक्ष हैं, ने ईजे के छात्रों को व्याख्यान दिया। अटलांटिक काउंसिल के यूरेशिया केंद्र की एसोसिएट डायरेक्टर सुश्री गीशा गोंजालेज ने अंग्रेजी और रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता के छात्रों के साथ "मीडिया साक्षरता और डिजिटल डिसेम्फॉर्मेशन" विषय पर बातचीत की। न्यूयॉर्क के एक प्रसिद्ध पत्रकार चीके फ्रेंकी डोजिन ने "विश्व को कवर करने के लिए चुनौतियाँ, मुद्दे और विचार" विषय पर एक व्याख्यान दिया। बोस्निया के सेल्मा हादियाज़लोविच जो कि क्योर फाउंडेशन के प्रमुख हैं, ने मानवाधिकार मुद्दों पर अंग्रेजी पत्रकारिता के छात्रों के साथ एक परस्पर संवादात्मक सत्र आयोजित किया।

इसी तरह, "टाइम्स नाउ" में आंतरिक सुरक्षा के संपादक श्री निकुंज गर्ग ने छात्रों के साथ बातचीत की और इस बात पर चर्चा की कि भारतीय सुरक्षा एजेंसियाँ कैसे कार्य करती हैं। सिने इंक के निदेशक और पूर्व बीबीसी पत्रकार प्रो परवेज आलम ने सोशल मीडिया साइटों और इंस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर पर भी सार्वजनिक स्वास्थ्य पर स्टोरी करने के तरीके के बारे में जानकारी दी।

अंग्रेजी पत्रकारिता विभाग द्वारा वर्ष के दौरान आयोजित अन्य कार्यशालाओं में कार्टूनिंग और कैरिकेचर मेकिंग, कॉमिक जर्नलिज्म, मीटू मूवमेंट और मोबाइल जर्नलिज्म शामिल हैं।

नई दिल्ली में अक्षय पात्रा फाउंडेशन द्वारा आयोजित 3 बिलियन भोजन कार्यक्रम में अंग्रेजी पत्रकारिता विभाग के 12 छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित थे।

विभाग ने अन्य समूह गतिविधियों पर भी जोर दिया, जैसे वेबसाइट बनाना, रेडियो और टीवी बुलेटिन का निर्माण करना, डिजिटल स्टोरी बनाना आदि। छात्रों को अपना रेडियो 96.9, आईआईएमसी के सामुदायिक रेडियो स्टेशन में काम करने का अवसर मिला।

(क्षेत्रीय परिसरों की गतिविधियों का विवरण उनके परिसरों के साथ सूचीबद्ध है)

हिंदी पत्रकारिता

हिंदी अखबारों पत्रिकाओं, टीवी और रेडियो के लिए कुशल और व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित मीडिया पेशेवरों की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए 1987 में हिंदी पत्रकारिता पीजी डिप्लोमा की शुरू की गई थी। भारत में नए मीडिया के विकास और विस्तार के साथ, इस पाठ्यक्रम ने अपने पाठ्यक्रम में डिजिटल प्लेटफॉर्मों को शामिल किया है। पाठ्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य समाचार एकत्रीकरण और इसके उत्पादन और प्रसार की प्रक्रियाओं में आवश्यक सैद्धांतिक ज्ञान और पेशेवर कौशल प्रदान करना है। वर्तमान में, हिंदी पत्रकारिता पाठ्यक्रम नई दिल्ली परिसर से संचालित किया जा रहा है। इस वर्ष के दौरान पाठ्यक्रम में 61 छात्र थे। 2018-19 के दौरान डॉ हेमंत जोशी, प्रोफेसर हिंदी पत्रकारिता के पाठ्यक्रम निदेशक थे।

अन्य पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की तरह, हिंदी पत्रकारिता भी बहु-विषयक पाठ्यक्रम सामग्री पर केंद्रित है। छात्रों को उनके मुख्य



विषयों को विस्तार से पढ़ाया जाता है, उन्हें अन्य संबद्ध क्षेत्रों जैसे विज्ञापन और जन संपर्क, साइबर पत्रकारिता, समाचार पत्र प्रबंधन आदि के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाता है।

मीडिया में व्यावसायीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति को आंशिक रूप से कम करने के लिए, संस्थान के उद्देश्यों के अनुसार विकास संचार में प्रशिक्षण प्रदान करने के ठोस प्रयास किए जाते हैं।

छात्रों ने संस्थान के सामुदायिक रेडियो स्टेशन में दिलचस्पी लेते हुए समूहों में इसके लिए कई कार्यक्रम तैयार किए। फरवरी 2018 में आयोजित सूरजकुंड शिल्प मेले पर छात्रों द्वारा तैयार की गई एक रेडियो रिपोर्ट इसका मुख्य आकर्षण रही।

हिंदी अखबारों के लिए लैब जर्नलों का निर्माण करने के लिए एक विशेष कंप्यूटर लैब को 2013 में नवीनतम एकीकृत समाचार संपादन प्रणाली का अधिग्रहण करके स्थापित किया गया था जो वर्तमान में समाचार संगठनों द्वारा उपयोग किया जाता है। छात्रों को रिपोर्टिंग और संपादन में प्रशिक्षण दिया गया।

छात्रों ने एडोब इनडिजाइन प्रकाशन सॉफ्टवेयर का उपयोग करके "न्यूज़ रैप" पर अपनी प्रयोगशाला पत्रिकाओं का निर्माण किया। छात्रों ने व्यक्तिगत और समूहों के 16 प्रयोगशाला पत्रिकाओं का प्रकाशन किया।

विभाग पेपरलेस प्रशिक्षण की ओर भी बढ़ रहा है और छात्रों और शिक्षकों द्वारा साझा किए गए नेटवर्क पर अपने असाइनमेंट जमा करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया जाता है।

डॉ. हेमंत जोशी, प्रोफेसर, 2018-19 के दौरान हिंदी पत्रकारिता के पाठ्यक्रम निदेशक थे।

उर्दू पत्रकारिता

नई दिल्ली परिसर में केवल दो साल पहले शुरू किये गये उर्दू पत्रकारिता के पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम का उद्देश्य उन छात्रों को प्रशिक्षित करना है जो भारत में उर्दू भाषा की पत्रकारिता को समृद्ध बनाने में योगदान दे सकते हैं।

इस वर्ष प्रशिक्षण के लिए एक नया आयाम अपनाया गया जिसमें हिंदी और उर्दू पत्रकारिता पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षुओं ने सुबह के सत्रों में संयुक्त कक्षाओं में भाग लिया और दोपहर की पाली में अपनी-अपनी भाषा में काम किया क्योंकि उर्दू छात्रों की संख्या केवल छह थी। उर्दू पत्रकारिता के छात्रों ने अन्य पाठ्यक्रमों में अपने

समकालीनों की तरह, रिपोर्टिंग, समाचार उत्पादन आदि में भी व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

डॉ. हेमंत जोशी, प्रोफेसर 2018-19 के दौरान उर्दू पत्रकारिता के पाठ्यक्रम निदेशक थे।

रेडियो और टीवी पत्रकारिता



वर्ष 1997 में श्रव्य-दृश्य माध्यम से रचनात्मक संचार में क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से रेडियो और टीवी पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा शुरू किया गया था। प्रसारण क्षेत्र को निजी टीवी चैनलों के उद्भव और उनके बड़े पैमाने पर विस्तार को देखते हुए नई जिम्मेदारियों को संभालने के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति की आवश्यकता थी। तदनुसार, रेडियो और टीवी पत्रकारिता (आरटीवी) में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम को जनसंचार में आधार देने के लिए तैयार किया गया और साथ ही साथ रेडियो और टीवी रिपोर्टिंग, एंकरिंग, प्रोडक्शन और समाचार प्रस्तुति के कौशल में व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ छात्रों को लैस किया गया। यह पाठ्यक्रम वर्तमान में केवल नई दिल्ली परिसर से संचालित किया जा रहा है। 2018-19 के दौरान महानिदेशक श्री के.जी. सुरेश, रेडियो और टीवी पत्रकारिता के पाठ्यक्रम निदेशक थे जिन्हें श्री राजेंद्र चुग और सुश्री विष्णुप्रिया पांडे ने पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में सहायता प्रदान की।

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के दौरान 44 छात्रों ने इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया जिन्हें संस्थान के संकाय सदस्य और प्रमुख मीडिया पेशेवरों ने शिक्षण और जीवंत व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

कार्यशाला और संगोष्ठी

टीवी न्यूज़ रिपोर्टिंग एंड एंकरिंग पर एक विशेष दो दिवसीय कार्यशाला फरवरी 2019 में आयोजित की गई जिसके विशेषज्ञ

आजतक के सईद अंसारी और विकास गुप्ता, एनडीटीवी के हिमांशु शेखर और संयुक्त राज्य अमेरिका से विजिटिंग फैकल्टी लिंडा रोथ थे।

फरवरी में ही एक अन्य दो दिवसीय कार्यशाला 'विजुअल स्टोरी टेलिंग एंड फोटो जर्नलिज्म' विषय पर आयोजित की गई जिसमें द ट्रिब्यून की ब्यूरो चीफ तबनिहा अंजुम कुरैशी विशेषज्ञ थीं। आज तक के क्रमर वहीद नक्रवी ने टीवी स्क्रिप्ट राइटिंग पर एक पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भी किया।

7 फरवरी 2019 को आईआईएमसी और रिलीजन वर्ल्ड द्वारा 'मीडिया द्वारा कुंभ का वर्तमान प्रक्षेपण' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

हिंदी में बिजनेस रिपोर्टिंग, कानून रिपोर्टिंग, सांस्कृतिक संचार, डिजिटल स्टोरीटेलिंग अन्य ऐसे विषय थे जो अकादमिक वर्ष के दौरान विशेष व्याख्यानों के माध्यम से कवर किए गए।

इसके अलावा, रेडियो और टीवी पत्रकारिता के छात्रों ने मानव रचना फिल्म फेस्टिवल में भाग लिया जहां उन्होंने वी द पीपल नामक प्रोडक्शन के लिए बेस्ट शॉर्ट फिल्म का अवार्ड जीता। आरटीवी के छात्र ग्रेन पैनोर को लघु फिल्म (1311 किलोमीटर) में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (महिला) चुना गया।

पुरस्कार

रेडियो और टीवी पत्रकारिता के छात्रों को दूरदर्शन समाचार, अखिल भारतीय रेडियो के समाचार सेवा प्रभाग और बीबीसी वर्ल्ड न्यूज़ (हिंदी/उर्दू, दिल्ली कार्यालय) की यात्रा पर ले जाया गया ताकि उन्हें रेडियो/टीवी न्यूज़ रूम का अनुभव प्रदान किया जा सके। फील्ड असाइनमेंट के रूप में सूरजकुंड शिल्प मेले का कवरेज और संस्थान के पूर्व छात्रों द्वारा संचालित एनजीओ गूज को शामिल किया गया।

विज्ञापन और जन संपर्क

विपणन संचार, विज्ञापन, जनसंपर्क और कॉर्पोरेट संचार में कौशल प्रदान करने के लिए 1981 में विज्ञापन और जनसंपर्क में पीजी डिप्लोमा की शुरुआत की गई थी। विज्ञापन और जनसंपर्क डिप्लोमा की पाठ्यक्रम संरचना में समकालीन और प्रगतिशील शिक्षाशास्त्र पर मजबूत ध्यान केंद्रित किया गया, जो कक्षा शिक्षण और उद्योग जगत के बीच बेहतरीन सामंजस्य स्थापित करने में सफल हुआ।

वर्ष 2018-19 में नई दिल्ली कैंपस में विज्ञापन और जनसंपर्क में पीजी डिप्लोमा कोर्स में 71 छात्र थे। पूरे वर्ष छात्रों को कठिन शिक्षण, प्रशिक्षण और कौशल के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। हर बार की तरह, संस्थान के संकाय के साथ-साथ उद्योग से कुछ सर्वश्रेष्ठ संकाय सदस्य को आमंत्रित किया गया। छात्रों ने कई लाइव ब्रांडों पर काम किया, मीडिया और संकट प्रबंधन, ब्रांड बिल्डिंग, सीएसआर आदि पर कार्य किया। डॉ अनुभूति यादव, एसोसिएट प्रोफेसर 2018-19 के दौरान विज्ञापन और जनसंपर्क पाठ्यक्रम की निदेशक थीं।

छात्रों ने महत्वपूर्ण विज्ञापन अभियानों पर काम किया। अभियानों में दिल्ली पर्यटन, रेल मंत्रालय, बाल अधिकार, गलत सूचना और फेक न्यूज़ आदि विषय शामिल किए गए। छात्रों को श्री सैम रुफस, श्री संजय तिवारी, श्री अभिषेक चौधरी और श्री अमित गुंध जैसे मास मीडिया के दिग्गजों ने प्रशिक्षण दिया।

विज्ञापन और जनसंपर्क विभाग ने छात्रों के सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए कई कार्यशालाओं का आयोजन किया।

कार्यशालाएं

- 19 अक्टूबर, 2018 को ग्रासरूट कॉमिक्स द्वारा कॉमिक्स के माध्यम से कहानी कहने पर श्री शरद शर्मा कार्यशाला का संचालन किया। कार्यशाला का विषय था “मीडिया: जैसा कि हम इसे देखते हैं”।
- 20 फरवरी, 2019 को फोटोग्राफी और मोबाइल संचार पर श्री विशाल अरोड़ा ने एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- 24 सितंबर, 2018 को श्री सौरभ परमार द्वारा इन्फोग्राफिक्स पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।



- 20-21 फरवरी, 2019 को विज्ञापन और जनसंपर्क और रेडियो और टेलीविजन विभाग के छात्रों के लिए मास मीडिया में स्टार्टअप और उद्यमिता पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- आयुष मंत्रालय द्वारा "उन्नत सोशल मीडिया इनसाइट्स" पर कार्यशाला का आयोजन न्यू मीडिया विभाग के सहयोग से किया गया।

पत्रिका



विज्ञापन और जनसंपर्क के छात्रों ने पहली बार, 'द बैटन' नामक एक पत्रिका निकाली। 12 दिसंबर, 2018 इस पत्रिका का विमोचन प्रकाशन विभाग की महानिदेशक डॉ साधना राउत ने किया।

न्यू मीडिया और आईटी

न्यू मीडिया विभाग ने न्यू मीडिया की समझ बनाने, और मीडिया संदेशों को डिजिटल कौशल द्वारा विकसित करने के लिए अंग्रेजी पत्रकारिता, हिंदी पत्रकारिता, रेडियो और टेलीविजन और विकास पत्रकारिता के छात्रों के लिए विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया। विभाग ने वर्ष 2018-19 में निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया।

1. 13 सितंबर 2018 को भारत के विदेश मंत्रालय के भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम (ITEC) के तहत 20 विभिन्न देशों के पत्रकारों के लिए फैक्ट चेकिंग और सत्यापन पर कार्यशाला आयोजित की गई थी।
2. 25 सितंबर, 2018 को रेडियो और टेलीविजन के छात्रों के लिए मीडिया और फैक्ट चेकिंग में उभरते रुझानों

पर कार्यशाला आयोजित की गई थी।

3. एमजीआर इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई में 7 अक्टूबर, 2018 को डिजिटल मीडिया के प्रभाव पर राष्ट्रीय सम्मेलन में फेक न्यूज और सत्यापन पर कार्यशाला आयोजित की गई थी।
4. 2 दिसंबर, 2018 को एमसीयू, भोपाल में सूचना और साइबर सुरक्षा पर एक संगोष्ठी में फैक्ट चेकिंग और सत्यापन पर कार्यशाला आयोजित की गई।
5. सेंटर फॉर कल्चर मीडिया एंड गवर्नेंस, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में "ट्रैकिंग फेक न्यूज इन सोशल मीडिया" पर एक कार्यशाला जो वास्तविक ट्रैकिंग पर केंद्रित थी, आयोजित की गई।
6. 13 नवंबर, 2018 को वेलिंगटन में फेस बुक सोल्जर पर एक सम्मेलन के दौरान सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए फैक्ट-चेकिंग पर सत्र आयोजित किया गया।
7. आयुष मंत्रालय के लिए 22 दिसंबर, 2018 को 'उन्नत सोशल मीडिया इनसाइट्स' पर कार्यशाला आयोजित की गई।

डॉ अनुभूति यादव, एसोसिएट प्रोफेसर ने 2018-19 के दौरान न्यू मीडिया और आईटी विभाग का नेतृत्व किया।

प्लेसमेंट रिपोर्ट 2018-19

2017-2018 बैच के पीजी डिप्लोमा छात्रों के लिए आईआईएमसी प्लेसमेंट पखवाड़ा 15 अप्रैल से 1 मई 2018 तक आयोजित किया गया। प्लेसमेंट पखवाड़े के दौरान 51 कंपनियों/संगठनों ने भाग लिया। कैपस भर्ती प्रक्रिया में नई दिल्ली कैपस के साथ-साथ आइजोल, अमरावती, ढेंकनाल, जम्मू और कोट्टयम सहित सभी क्षेत्रीय केंद्रों के कुल 232 छात्रों ने भाग लिया। आईआईएमसी प्लेसमेंट ड्राइव में भाग लेने वालों में प्रमुख थे - टाइम्स ऑफ इंडिया, बिजनेस स्टैंडर्ड, बिजनेस वर्ल्ड, डीडी न्यूज, नेटवर्क 18, जी मीडिया, इंडिया न्यूज, रेडियो मिर्ची, लाइव इंडिया, मैडिसन वर्ल्ड, कॉन्ट्रैक्ट एडवर्टाइजिंग, एडलमेन पीआर, टीसीएस, एक्सचेंजर, एनटीपीसी आदि लगभग 70% छात्रों को इस प्लेसमेंट पखवाड़े के दौरान नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए।

दीक्षांत समारोह



संस्थान का 51वां दीक्षांत समारोह 7 दिसंबर 2018 को आयोजित किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि लोकसभा की अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

भारतीय जन संचार संस्थान के अध्यक्ष और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री अमित खरे ने कुल मिलाकर, 333 छात्रों को पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रदान किये। इनमें अंग्रेजी पत्रकारिता में 136, विज्ञापन और जनसंपर्क में 64, हिंदी पत्रकारिता में 45, रेडियो और टीवी पत्रकारिता में 41, उडिया पत्रकारिता में 16, मराठी पत्रकारिता में 15, मलयालम पत्रकारिता में 11, उर्दू पत्रकारिता में 5 शामिल हैं।

इस अवसर पर संस्कृत पत्रकारिता के 12 छात्रों ने भी उन्नत प्रमाण पत्र प्राप्त किए। संस्कृत पत्रकारिता पाठ्यक्रम का संचालन श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के सहयोग से किया जाता है।

अपने दीक्षांत भाषण में, लोकसभा अध्यक्ष ने मूल्य आधारित पत्रकारिता पर जोर दिया और कहा कि "मीडिया बहुत बड़ी शक्ति बनाता है, लेकिन इसके साथ इसे एक अच्छे समाज को आकार देने की जिम्मेदारी भी है।" उन्होंने भारतीय भाषाओं में पत्रकारिता पाठ्यक्रमों को दिए जा रहे प्रोत्साहन की सराहना की और कहा कि संचार जब किसी की अपनी भाषा में किया जाता है तो वह सबसे प्रभावी हो जाता है।

51वें दीक्षांत समारोह के दौरान शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों को विभिन्न पदक और पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

2017-18 के स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की पुरस्कार सूची

भारतीय जन संचार संस्थान

अंग्रेजी पत्रकारिता

आईआईएमसी अवार्ड	सुश्री शिखा
द हिंदू अवार्ड	सुश्री प्रिया केसवानी
डेक्कन हेराल्ड अवार्ड	सुश्री सुप्रिया भास्कर

हिंदी पत्रकारिता, नई दिल्ली

पुरस्कार का नाम	प्राप्तकर्ता
आईआईएमसी अवार्ड	श्री ऋषभ कुमार शर्मा
पीटीआई पुरस्कार	श्री दीपक कुमार
पं बनारसी दास चतुर्वेदी पुरस्कार	श्री आशीष कुमार
श्री अशोक जी पुरस्कार	सुश्री नीलम गुरवे

उर्दू पत्रकारिता

आईआईएमसी अवार्ड	श्री घोलम जिलानी
-----------------	------------------

रेडियो और टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

आईआईएमसी अवार्ड	श्री शाशवत जैन
जीटीवी अवार्ड	सुश्री अनमोल जैन
टीवी टुडे अवार्ड	सुश्री शिवानी
सीएनएन अवार्ड	सुश्री सुगंधा
जीटीवी अवार्ड	ऐश्वर्या अवस्थी
प्रसार भारती पुरस्कार	श्री करण पांडे

विज्ञापन एवं जन संपर्क

आईआईएमसी अवार्ड	सुश्री वंशिका विज
श्री अचिन गांगुली मेमोरियल अवार्ड	सुश्री तृप्ति मंडल
श्री अनिल बसु मेमोरियल अवार्ड	सुश्री राशी गोस्वामी
पीआरएसआई अवार्ड	सुश्री महक श्रीवास्तव
पीएसपीआरएफ अवार्ड	सुश्री तान्या मुखर्जी
बाबा साहेब डॉ बी आर अम्बेडकर पुरस्कार	सुश्री समीक्षा ठाकुर

आईआईएमसी दैक्नाल

अंग्रेजी पत्रकारिता

आईआईएमसी अवार्ड	सुश्री धारिणी मुद्गल
बाबा साहेब डॉ बी आर अम्बेडकर पुरस्कार	सुश्री शेफाली सिंह
नाल्को पुरस्कार	श्री रेशप साहू

उडिया पत्रकारिता

आईआईएमसी अवार्ड	सुश्री सुजाता साहू
बाबा साहेब डॉ बी आर अम्बेडकर पुरस्कार	श्री अभिषेक बेहरा
डॉ हरेकृष्णा महताब मेमोरियल अवार्ड	श्री आशुतोष बराल

आईआईएमसी आइजोल
अंग्रेजी पत्रकारिता

आईआईएमसी अवार्ड	श्री आदित्य महेन्द्र गौतम
-----------------	---------------------------

आईआईएमसी अमरावती
अंग्रेजी पत्रकारिता

आईआईएमसी अवार्ड	सुश्री मुस्कान अग्रवाल
-----------------	------------------------

मराठी पत्रकारिता

आईआईएमसी अवार्ड	सुश्री नंदिनी नरेवाडी
-----------------	-----------------------

आईआईएमसी जम्मू
अंग्रेजी पत्रकारिता

आईआईएमसी अवार्ड	श्री अनुराग शर्मा
-----------------	-------------------

आईआईएमसी कोटटयम
अंग्रेजी पत्रकारिता

आईआईएमसी अवार्ड	श्री शादाब अख्तर रब्बानी
-----------------	--------------------------

मलयालम पत्रकारिता

आईआईएमसी अवार्ड	सुश्री बिजिन सैमुअल
-----------------	---------------------



दीक्षांत समारोह के दिन, लोकसभा की माननीय अध्यक्ष ने संस्थान की मुख्य सड़क को 'अटल बिहारी वाजपेयी मार्ग' घोषित करते हुए पट्टिका का भी अनावरण किया।

विकास पत्रकारिता

वर्ष 1969 में, भारतीय जन संचार संस्थान ने एक अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। विकास पत्रकारिता में इस स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य गुट-निरपेक्ष और विकासशील देशों की आवश्यकताओं को पूरा करने और एफ्रो-एशियाई देशों में मध्यम स्तर पर काम करने वाले पत्रकारों को प्रशिक्षण देना है ताकि समाचार कवरेज में विकृति को दूर किया जा सके। यह भारत सरकार के आईटेक/स्काप और कोलंबो योजनाओं के तहत प्रमुख पाठ्यक्रमों में से एक है।

विकास पत्रकारिता पाठ्यक्रम अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समझ को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रयास है, जो विशेष रूप से विकासशील दुनिया के देशों के बीच, विकास के उपकरण के रूप में संचार के क्षेत्र में अनुभव, विशेषज्ञता और नवाचारों के आदान-प्रदान का कार्य करता है। संस्थान ने अभी तक 127 देशों के 1,600 से अधिक विदेशी पत्रकारों को प्रशिक्षित किया है, जो अफगानिस्तान से जिम्बाब्वे तक वर्णानुक्रम में हैं।

2018-19 के दौरान, संस्थान ने विकास पत्रकारिता में चार माह के दो डिप्लोमा कार्यक्रम संचालित किए। पहला बैच 1 अगस्त - 30 नवंबर 2018 से और दूसरा बैच 1 जनवरी - 30 अप्रैल 2019 से था। एशिया, अफ्रीका, यूरोप और दक्षिण अमेरिका के 27 देशों के 43 मिड-कैरियर पत्रकार एक साथ 70 वें और 71वें विकास पत्रकारिता पाठ्यक्रम में शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के दौरान शामिल हुए।

विवरण निम्नानुसार है।

देश	70वां पाठ्यक्रम	71वां पाठ्यक्रम
अफगानिस्तान	2	1
भूटान		1
बोलीविया		1
बुरुंडी	1	1
कोलम्बिया		1
क्यूबा		1
डीपीआर कांगो	2	

मिस्र	1	1
इथियोपिया		1
फ़िजी		1
घाना	1	
किर्गिजस्तान		1
मॉरीशस		2
मंगोलिया	1	
नेपाल	1	1
नाइजर		1
नाइजीरिया	3	
रूस	1	1
सियरा लिओन	1	
श्रीलंका	2	
दक्षिण सूडान	2	
तजाकिस्तान	2	
तंजानिया		1
ट्यूनीशिया	1	
युगांडा	2	1
जाम्बिया		1
जिम्बाब्वे	1	1

समकालीन शिक्षाशास्त्र के अलावा, प्रतिभागियों को एक राष्ट्र के रूप में और एक सांस्कृतिक इकाई के रूप में भारत का परिचर कराया गया। प्रतिभागियों ने अपने भारत प्रवास के दौरान आगरा, जयपुर और धर्मशाला में अध्ययन भ्रमण किया, इसके अलावा विभिन्न भारतीय त्योहारों जैसे दीपावली, क्रिसमस, होली आदि में भाग लिया।

69वें विकास पत्रकारिता पाठ्यक्रम का समापन समारोह 27 अप्रैल 2018 को आयोजित किया गया था। सूचना और प्रसारण और टेक्सटाइल्स मंत्री, श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी मुख्य अतिथि थीं और उन्होंने 16 देशों के विद्वानों को डिप्लोमा प्रदान किए।

70वें डिप्लोमा कोर्स का समापन समारोह 27 नवंबर 2018 को

आयोजित किया गया। 16 विकासशील देशों के 24 विद्वानों को मुख्य अतिथि श्री सुनील अरोड़ा, मुख्य चुनाव आयुक्त और भारत

में उज़्बेकिस्तान के राजदूत और विकास पत्रकारिता के पूर्व छात्र श्री फ़रहाद आरज़िव ने डिप्लोमा प्रदान किए।



संचार शोध विभाग

2018-19 के दौरान शोध गतिविधियाँ

संस्थान के संचार शोध विभाग (डीकोर) का पूरा ध्यान इस मूल बात पर केंद्रित है कि संचार माध्यमों का व्यवस्थित अध्ययन शैक्षणिक गतिविधियों का एक अहम अंग रहे। पत्रकारिता और जन संचार में शिक्षण और प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित परंतु प्रमुख संस्थान होने के नाते इसकी अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ हैं। इस तरह के शोध और अध्ययन का मुख्य उद्देश्य विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर जन संचार माध्यम संचार कार्यक्रमों की पहुंच और प्रभाव को समझना और उनका विश्लेषण करना है। डीकोर ने पिछले 50 वर्षों में संचार से जुड़े विषयों पर शोध के क्षेत्र में विभिन्न और विषय-वस्तुओं पर नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इनमें स्वास्थ्य, राजनीतिक चुनाव, बहुमाध्यम अभियान, सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण, गैर पारंपरिक ऊर्जा, पर्यावरण, फिल्म सेंसरशिप, एचआईवी/एड्स, गांवों से शहरों में पलायन, पंचायती राज सशक्तिकरण जैसे 200 से अधिक शोध अध्ययन शामिल हैं। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की मीडिया इकाइयों द्वारा शुरू किए गए या चलाए जा रहे मीडिया अभियानों का मूल्यांकन करना डीकोर की शोध गतिविधियों का एक अभिन्न अंग है।

दरअसल डीकोर मीडिया उद्योग से जुड़े विशेषज्ञ, वक्ताओं, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं की एक टीम के साथ मिलकर काम करती है। आपसी सहयोग के द्वारा यह टीम नए-नए विषयों पर शोध अध्ययन करने की पहल करती है। इसके अतिरिक्त यह टीम शैक्षणिक प्रस्तावों और अपनाए जाने वाले मानकों, प्रक्रियाओं तथा नीतियों का भी निर्धारण करती है।

1) राष्ट्रीय शोध परियोजनाएं

जर्नलों की पाठक संख्या और बाजार का विस्तार करना :
डीपीडी जर्नलों की पाठक संख्या और बाजार का अध्ययन
प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा कमीशन

अध्ययन का व्यापक उद्देश्य मौजूदा ग्राहकों को बनाए रखने के लिए एक व्यवहार्य विपणन रणनीति तैयार करना, पाठकों का विस्तार करना, बिक्री में सुधार करना और डीपीडी पत्रिकाओं की वृद्धि की बिक्री के लिए एकीकृत प्रचार रास्ते के लिए वैकल्पिक और सहयोगी समाधानों की पहचान करना था।

विशेष रूप से अध्ययन ने पाठकों के बारे में डीपीडी प्रकाशनों (रोजगार समाचार, योजना, कुरुक्षेत्र, अज्ञकल, बाल भारती, डीपीडी पुस्तकें आदि) और ऑन-लाइन और ऑफ-लाइन प्राथमिकताओं के बारे में पाठकों या ग्राहकों की जागरूकता का आकलन किया। बढ़ी हुई सदस्यता और व्यापार विस्तार के लिए मार्ग प्रशस्त करने के लिए, डीपीडी पत्रिकाओं के प्रसार के लिए मौजूदा चैनलों और डीपीडी पत्रिकाओं के वितरण और संचलन में बाधाओं का भी मूल्यांकन किया गया। डीपीडी पत्रिकाओं के पाठकों और ग्राहकों की प्रतिक्रिया और सुझाव (ऑफलाइन और ऑनलाइन) देश में डीपीडी पत्रिकाओं की बेहतर दृश्यता, पहुंच और पाठकों के लिए कार्य योजना तैयार करने के लिए एकत्र किए गए थे।

ख) मौजूदा अनुसंधान परियोजनाएं

भारत में समाचार और मनोरंजन मीडिया में महिलाओं पर राष्ट्रीय अध्ययन

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा कमीशन

इस अध्ययन का उद्देश्य समाचार और मनोरंजन मीडिया में महिलाओं के चित्रण की जांच करना है। साथ ही इसमें ऑफलाइन (पारंपरिक) और ऑनलाइन (डिजिटल) मीडिया में नौकरी के अवसरों, भूमिकाओं और कामकाजी परिस्थितियों के मामले में महिलाओं की स्थिति का अध्ययन भी शामिल है। अध्ययन मीडिया उपभोक्ताओं के बीच सामाजिक-सांस्कृतिक रूढ़ियों को मजबूत

करने में मीडिया की भूमिका पर चर्चा करता है, और भारत में समाचार और मनोरंजन मीडिया संगठनों की लैंगिक संवेदनशीलता को मापता है। यह अध्ययन भारत में मीडिया स्कूलों / प्रशिक्षण संस्थानों में मौजूदा पाठ्यक्रम में लिंग ध्यान और लिंग मुद्दों का आकलन करता है, और मीडिया से संबंधित कानूनों में लिंग संवेदनशील नीति और दिशानिर्देशों के अंतराल पर प्रकाश डालता है।

आईआईएमसी को दक्षिण एशियाई क्षेत्र के 9 देशों को कवर करने वाली मीडिया इन यूनेस्को-स्वान रीजनल बेसलाइन स्टडी प्रोजेक्ट ऑन विमेन इन मीडिया के लिए मेंटर और मास्टर ट्रेनर नामित किया गया है। 1-5 मई 2018 से पांच दिवसीय दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय प्रशिक्षण और परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया। बांग्लादेश, नेपाल, मालदीव, श्रीलंका, अफगानिस्तान, भारत, भूटान और म्यांमार के प्रतिभागी देशों का प्रतिनिधित्व उनकी शोध टीमों द्वारा किया गया।

क्षेत्रीय परामर्श और प्रशिक्षण कार्यशाला के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित थे:

- 1) बेसलाइन अध्ययन अनुसंधान पद्धति पर देश की टीमों को प्रशिक्षण प्रदान करना यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रत्येक देश द्वारा किया गया शोध अध्ययन बेसलाइन अध्ययन परियोजना के उद्देश्यों के साथ संरेखित हो।
- 2) भाग लेने वाले देशों द्वारा पूरा किए गए माध्यमिक अनुसंधान डेटा का विश्लेषण करें,
- 3) भाग लेने वाले देशों द्वारा बेसलाइन अध्ययन के प्राथमिक क्षेत्र-अनुसंधान के संचालन के लिए गतिविधियों और समयसीमा के कार्यक्रम पर फिर से विचार करें।

संचार शोध के 50 वर्षों पर स्मारक की मात्रा: 1965- 2015 से आईआईएमसी शोध अध्ययन के 50 वर्षों का एक संग्रह संस्थान के अपने प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में तैयार किया जा रहा है।



यूनेस्को-स्वान की *मीडिया में महिलायें* शोध परियोजना में आईआईएमसी-आईएसआईडी टीम

भारतीय सूचना सेवा प्रशिक्षण



1965 में अपनी स्थापना के बाद से, भारतीय जन संचार संस्थान भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) के प्रशिक्षण अकादमी के रूप में कार्य कर रहा है, जिसे तब केंद्रीय सूचना सेवा के रूप में जाना जाता था। यह आईआईएस ग्रुप ए अधिकारियों के लिए इंडक्शन प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिन्हें यूपीएससी द्वारा संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से भर्ती किया जाता है। यह आईआईएस ग्रुप बी अधिकारियों के लिए फाउंडेशन प्रशिक्षण भी आयोजित करता है, जिन्हें कुछ पूर्व पत्रकारिता के अनुभव के आधार पर भर्ती किया जाता है।

व्यापक विचार-विमर्श के माध्यम से, आईआईएस अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम, जो सरकार और लोगों के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करता है, को सरकार के कामकाज और उसके संचार का अवलोकन देने के लिए संशोधित और व्यापक बनाया गया है। इससे मीडिया उद्योग और भारत में सार्वजनिक संचार की बारीकियों को समझने में मदद मिलती है।

आईआईएस ग्रुप ए के लिए दो साल का इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम, सैंडविच ट्रेनिंग मॉडल का अनुसरण करता है। अधिकारी प्रशिक्षु (ओटी), जो अपने फाउंडेशन कोर्स को पूरा करने के बाद आईआईएमसी में सार्वजनिक संचार में 9 महीने के व्यावसायिक प्रशिक्षण से गुजरते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के इस चरण में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और प्रमुख मीडिया पेशेवरों के साथ कक्षा के व्याख्यान साथ-साथ व्यावहारिक, सिमुलेशन अभ्यास, साइट के दौर, पर्यटन और संलग्न और संवाद आदि शामिल हैं। यह सच है कि वर्तमान में डिजिटल पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है, लेकिन अच्छे लिखित और मौखिक संचार कौशल की बुनियादी नींव को कभी नहीं भुलाया जा सकता है।

आईआईएमसी में 9 महीने का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, अधिकारी प्रशिक्षुओं को व्यावहारिक अनुभव के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय की विभिन्न मीडिया इकाइयों के साथ जोड़ा जाता है। प्रत्येक अधिकारी प्रशिक्षु आमतौर पर सूचना प्रसार, आउटरीच

और प्रसारण से जुड़ी तीन अलग-अलग मीडिया इकाइयों के साथ 3-4 महीने कार्य करता है।

अपने 10 महीने के ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण को पूरा करने के बाद, अधिकारी प्रशिक्षु एक संक्षिप्त चरण-2 प्रशिक्षण के लिए आईआईएमसी में लौटते हैं। इस कार्यक्रम के दौरान, प्रत्येक अधिकारी प्रशिक्षु के सीखने के परिणामों का आकलन प्रस्तुतिकरण, तैयार की गई परियोजनाओं और रिपोर्ट के आधार पर किया जाता है। आईआईएमसी से पास आउट होने पर, अधिकारी प्रशिक्षुओं को सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा विभिन्न मीडिया इकाइयों में तैनात किया जाता है।

2018-19 के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम

आईआईएस ग्रुप ए 2017 बैच

2017 बैच के 15 आईआईएस ग्रुप 'ए' अधिकारी प्रशिक्षुओं ने 05 अक्टूबर 2018 को संचार और मीडिया में अपने 9 महीने के इंडक्शन प्रशिक्षण को पूरा किया। उनके प्रशिक्षण के महत्वपूर्ण तत्व असम राइफल्स के साथ 10-दिवसीय रक्षा अटैचमेंट, वन्य जीवन और सामाजिक वानिकी, एफटीआईआई पुणे में फिल्म बनाने के शिल्प पर 4-सप्ताह का कोर्स आदि थे। इस बैच के लिए प्रशिक्षण तीन सप्ताह के अखिल भारतीय अध्ययन यात्रा के साथ संपन्न हुआ जिसमें अधिकारी प्रशिक्षुओं ने सीमावर्ती क्षेत्रों में दूरदराज के स्थानों का दौरा किया। सामाजिक संगठनों के सहयोग से स्थानीय समुदायों के साथ बातचीत की, जिसमें हैदराबाद के राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान और पंचायती राज आदि शामिल हैं। अधिकारी प्रशिक्षुओं को पाठ्यक्रम के दौरान विशेष रूप से डिजाइन किए गए मॉड्यूल के तहत दूरदर्शन, आकाशवाणी, ब्यूरो ऑफ आउटरीच कम्युनिकेशन और प्रेस सूचना कार्यालय जैसी मीडिया इकाइयों के साथ जोड़ा गया।

अधिकारी प्रशिक्षु के 2017 बैच को 10 से 12 मई, 2018 को सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा पहली बार भारत में आयोजित 15वें एशिया मीडिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने का अलग अवसर मिला।

2016 और 2017 बैच के अधिकारी प्रशिक्षुओं ने सूचना और

प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री अमित खरे के नेतृत्व में 17 सितंबर 2018 को राष्ट्रपति भवन में भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों को कहा कि वे देश के दूरस्थ भागों में सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं के बारे में जानकारी सुनिश्चित करें ताकि इससे नागरिकों को लाभ हो।

एक नई पहल के हिस्से के रूप में, 2017 बैच के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए पांच दिवसीय अध्ययन दौरे का आयोजन यूके के थॉमसन फाउंडेशन, लंदन के सहयोग से किया गया। इस अध्ययन दौरे के दौरान, बीबीसी सहित विभिन्न संसदीय संस्थानों, नियामक संस्थाओं, मीडिया हाउसों के दौरे के माध्यम से अधिकारी प्रशिक्षुओं को दुनिया में संचार वातावरण से अवगत कराया गया। अधिकारी प्रशिक्षुओं ने इंडिया हाउस का भी दौरा किया और लंदन में भारतीय उच्चायोग के वरिष्ठ राजनयिक अधिकारियों के साथ बातचीत की।

आईआईएस ग्रुप बी

2018 में 2016 बैच के आईआईएस ग्रुप 'बी' के छह अधिकारी प्रशिक्षुओं ने 31 जुलाई, 2018 को संचार और मीडिया में अपने 6 महीने के फाउंडेशन प्रशिक्षण को पूरा किया। पहली बार उनके फाउंडेशन प्रशिक्षण में एफटीआईआई, पुणे द्वारा संचालित फिल्म निर्माण पर एक सप्ताह के मॉड्यूल को शामिल किया गया।

आईआईएस ग्रुप 'A' 2018 बैच

2018 बैच के 21 अधिकारी प्रशिक्षु अभी भारतीय संचार संस्थान में अपने इंडक्शन प्रशिक्षण से गुजर रहे हैं। बैच में 7 महिलाएं और 14 पुरुष अधिकारी प्रशिक्षु शामिल हैं। आईआईएस 2018 बैच के लिए चुने गए 18 अन्य उम्मीदवारों ने अतिरिक्त-साधारण अवकाश का लाभ उठाने का विकल्प चुना है, जिसे सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा वर्ष के दौरान आईआईएस के लिए लागू किया गया था।

मॉड्यूल आधारित प्रशिक्षण को आईआईएस इंडक्शन कोर्स में शुरू किया गया है, और अधिकारी प्रशिक्षुओं को क्लास रूम शिक्षण, व्यावहारिक असाइनमेंट, सिंडिकेट प्रोजेक्ट, प्रेजेंटेशन

आदि के माध्यम से सार्वजनिक संचार के विभिन्न पहलुओं के लिए एक्सपोजर दिया गया है।

उनके प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में, अधिकारी प्रशिक्षकों ने शिलॉन्ग में असम राइफल्स के साथ दो सप्ताह के अटेचमेंट के अलावा वन्य जीवन और सामाजिक वानिकी पर संरक्षण अध्ययन किया।

आईआईएस अधिकारी प्रशिक्षकों मार्च 2018 में लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी, मसूरी के तत्वावधान में आयोजित अंतर-सेवा बैठक में भाग लिया। एक नेत्रहीन अधिकारी ट्रेनी सुश्री

प्रज्ञा देवड़ा ने मैनेजमेंट गेम्स में रजत पदक जीता।

मध्य स्तर और वरिष्ठ अधिकारियों का प्रशिक्षण

2018-19 के दौरान भारतीय जन संचार संस्थान ने गोल्डमैन स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले, यूएसए में सार्वजनिक संचार में समकालीन मुद्दों में 7 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया। भारतीय सूचना सेवा के मध्य-स्तर और वरिष्ठ अधिकारियों जैसे अपर महानिदेशक और अपर महानिदेशक रैंक के अधिकारियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।



लघु पाठ्यक्रम

अपनी स्थापना से ही भारतीय जन संचार संस्थान सशस्त्र बलों, केंद्रीय और राज्य सरकार के विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों और अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए संचार, जनसंपर्क और अनुसंधान में अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन में सबसे आगे रहा है।

2018-19 के दौरान संस्थान ने नीचे दिए गए विवरण के अनुसार कई लघु पाठ्यक्रम आयोजित किए।

लघु अवधि पाठ्यक्रम विभाग

- सशस्त्र बलों के जेसीओ/एनसीओ (जूनियर लीडर्स) के लिए वीडियोग्राफी कोर्स। 2-27 जुलाई 2018। 15 प्रतिभागी।
- वरिष्ठ अधिकारियों (ब्रिगेडियर/कर्नल/समकक्ष) के लिए मीडिया कम्युनिकेशन कोर्स। 19-30 नवंबर 2018। 14 प्रतिभागी
- मीडिया और कर्मचारियों/पीआरओ/प्रशिक्षक अधिकारियों के लिए मीडिया संचार में पाठ्यक्रम। 03-21, दिसंबर 2018। 15 प्रतिभागी
- मध्यम स्तर के अधिकारियों (मेजर/लेफ्टिनेंट कर्नल समकक्ष) के लिए मीडिया कम्युनिकेशन कोर्स। 7-18 जनवरी 2019। 20 प्रतिभागी
- वरिष्ठ अधिकारियों के लिए मीडिया संचार पाठ्यक्रम (ब्रिगेडियर/कर्नल/समकक्ष) - दूसरा बैच। 21 जनवरी-1 फरवरी 2019। 14 प्रतिभागी।
- राष्ट्रीय रक्षा उत्पादन अकादमी के जनसंपर्क अधिकारियों के लिए एक सप्ताह का मीडिया कम्युनिकेशन

कोर्स 4 फरवरी से 8 फरवरी, 2019 तक आयोजित किया गया था, जिसमें 20 अधिकारियों ने भाग लिया।

- जनरल अधिकारियों के लिए मीडिया संचार कार्यशाला। 11-15 फरवरी 2019। 15 प्रतिभागी।
- मीडिया और कर्मचारियों/पीआरओ/प्रशिक्षकों, दूसरे बैच के अधिकारियों के लिए मीडिया संचार में पाठ्यक्रम। 25 फरवरी -15 मार्च 2019। 15 प्रतिभागी।

बांग्लादेश एफटीआई छात्रों के लिए कार्यशाला

- बांग्लादेश फिल्म और टेलीविजन संस्थान के छात्रों के लिए समाचार उत्पादन तकनीक विषय पर 4 दिनों की अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन संस्थान के राष्ट्रीय मीडिया संकाय विकास केंद्र द्वारा 11-14 फरवरी, 2016 को किया गया। कार्यशाला में कुल 9 छात्रों ने भाग लिया।

एफटीआईआई-आईआईएमसी संयुक्त लघु पाठ्यक्रम

भारतीय जन संचार संस्थान ने फिल्म और टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे के साथ हाथ मिलाया है, जो मुख्य रूप से उत्तरी भारत में फिल्म के प्रति उत्साही लोगों के लिए फिल्म प्रशंसा और उत्पादन के विभिन्न पहलुओं में लघु अवधि के पाठ्यक्रम पेश करता है। हालांकि, अधिकांश पाठ्यक्रमों में देश के अन्य हिस्सों से भी भागीदारी देखी गई है।

- एफटीआईआई के सहयोग से आईआईएमसी ने दिल्ली कैंपस में डिजिटल सिनेमैटोग्राफी, स्क्रीन एक्टिंग और टीवी फिक्शन लेखन पर जुलाई 2018 के दौरान तीन लघु पाठ्यक्रम आयोजित किए। प्रत्येक पाठ्यक्रम में 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- भारतीय सिनेमा में गीत पिक्चराइजेशन की पर एफटीआईआई-आईआईएमसी ने संयुक्त सप्ताहांत पाठ्यक्रम 15-16 दिसंबर, 2018 को आयोजित किया। भारत के नौ अलग-अलग राज्यों के 44 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया।

अन्य लघु पाठ्यक्रम

- जून 2019 के दौरान एक पखवाड़े का रेडियो प्रोडक्शन कोर्स का आयोजन किया गया। 11 संभावित रेडियो जॉकी ने सफलतापूर्वक रेडियो प्रस्तुति की बारीकियों को सीखने की ट्रेनिंग ली।



कार्यशालाएँ और संगोष्ठी

भारतीय भाषा पत्रकारिता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय जन संचार संस्थान ने 28-29 अक्टूबर, 2018 को "भारतीय भाषा पत्रकारिता और प्रशिक्षण की दशा" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी ने भारतीय भाषा पत्रकारिता और प्रशिक्षण के क्षेत्र में ज्ञान की मौजूदा दशा में एक योगदान प्रदान करने की मांग की। 25 पत्रों और 9 सत्रों और 3 पूर्ण सत्रों में हुई विभिन्न चर्चाओं और बहस के माध्यम से, संगोष्ठी ने भारतीय भाषा पत्रकारिता से संबंधित ज्ञान का एक ठोस निकाय तैयार किया। पूर्व-निर्धारित उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, संगोष्ठी अनिवार्य रूप से भारत की पत्रकारिता और भारतीय भाषा के सार्वजनिक क्षेत्र के विकास पथ के पहलुओं से जुड़ी है। संगोष्ठी में निम्नलिखित विषयों के तहत संवाद हुए:

- भारतीय भाषा में पत्रकारिता का विचार: संभावनाएँ और चुनौतियाँ
- भाषा पत्रकारिता और विज्ञान संचार
- भाषा पत्रकारिता और न्यू / डिजिटल मीडिया: संभावनाएं
- क्षेत्रीय टेलीविजन, सामग्री और भाषा
- भारतीय भाषा पत्रकारिता में उभरते रुझान
- क्षेत्रीय मीडिया, भाषा और पहचान
- स्थानीय से वैश्विक: सीमाओं से परे
- भारतीय भाषा पत्रकारिता में प्रशिक्षण और शिक्षा की स्थिति की समीक्षा करना
- हिंदी भाषा मीडिया: सार्वजनिक क्षेत्र को परिवर्तित करना
- पत्रकारिता शिक्षा: मुद्दे और चुनौतियाँ
- भारतीय भाषा पत्रकारिता में वैज्ञानिक शब्दावली का उपयोग

देश भर से भाषा पत्रकारिता विषय पर पेपर प्रस्तुत किए गए। प्रस्तुतियों से यह स्पष्ट था कि भाषा पत्रकारिता को डिजिटल प्लेटफॉर्मों से चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इतनी विविध भाषाओं के साथ भारतीय भाषा पत्रकारिता को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनाने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। एक पेपर में विशेष रूप से चर्चा की गई कि कैसे सोशल मीडिया तेजी से समाचार का स्रोत बन रहा है और यह भाषा मीडिया के सामने चुनौती है। फर्जी समाचार के उदय से सोशल मीडिया का विश्लेषण किया गया।

एक सत्र क्षेत्रीय टेलीविजन को समर्पित था, जिसमें असमी, बंगाली, हिंदी, उडिया और तेलुगु भाषा के टेलीविजन पर पेपर प्रस्तुत किए गए थे। इस सत्र ने दर्शकों को यह समझने में सक्षम किया कि टेलीविजन क्षेत्र में आलोचनात्मक भाषा की पत्रकारिता चल रही है।

'लोकल टू ग्लोबल' सत्र में देश के विभिन्न हिस्सों में प्रिंट पर पेपर थे और यह भी चर्चा हुई कि कैसे नेपाली भाषा के जैसे छोटे समाचार पत्र लगभग शून्य निवेश के बावजूद संपन्न हो रहे हैं।

भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला अखबार हिंदी में है। एक पूरा सत्र हिंदी भाषा की पत्रकारिता को समर्पित था और दिलचस्प और विचारोत्तेजक संवाद इस बात को लेकर हुआ कि कैसे महिला पाठक अपने स्वयं के सार्वजनिक क्षेत्र, सामग्री विविधता, हिंदी समाचार पत्रों के लिए सोशल मीडिया के निहितार्थ, समाचार पत्रों में क्षेत्रीय पत्रकारिता की प्रकृति की खोज कर रही हैं।

पत्रकारिता शिक्षा के सत्र ने भारत में भाषा पत्रकारिता की स्थिति और दिल्ली में पत्रकारिता शिक्षा की स्थिति के गहन अध्ययन पर चर्चा की।

दो तकनीकी सत्र भाषा पत्रकारिता और विज्ञान संचार (सीएसआर-निस्केयर पैनल) पर थे और दूसरा भारतीय भाषा पत्रकारिता में साइंटिफिक शब्दावली (एमएचआरडी-सीटीटी पैनल) के उपयोग पर योग्य विद्वानों ने गहन विचार-विमर्श किया।

एक सत्र में भारतीय भाषा पत्रकारिता में उभरते रुझान के मुद्दे पर विभिन्न भारतीय भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले देश भर के प्रतिष्ठित पत्रकारों और अकादमिकों ने बातचीत की।

पहला प्लेनरी सेशन "भारतीय भाषा पत्रकारिता और प्रशिक्षण और शिक्षा की दशा" पर आधारित था। प्रख्यात मीडिया शिक्षकों ने कई विषयों पर चर्चा की जिसमें अकादमिक संवाद की कमी और प्रशिक्षण और शिक्षा के बीच भ्रम जैसे मुद्दे शामिल थे।

यह एक अद्वितीय संगोष्ठी थी जहाँ चुनौतियों, मुद्दों, भाषा पत्रकारिता की स्थिति पर चर्चा की गई और देश के लगभग सभी हिस्सों के विद्वानों ने अपनी प्रस्तुति दी।

राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही बाद में संस्थान पत्रिका - कम्युनिकेटर में एक विशेष अंक के रूप में प्रकाशित की गई।

राष्ट्रीय कार्यशालाएं

डेटा विश्लेषण पर कार्यशाला

राष्ट्रीय मीडिया संकाय विकास केंद्र के तत्वावधान में, बॉलिंग ग्रीन स्टेट यूनिवर्सिटी, ओहियो, यूएसए के प्रो श्रीनिवास मेलकोटे द्वारा 7-8 अप्रैल 2018 को डेटा एनालिसिस पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला आईआईएमसी डेकोर, संचार और परिवर्तन केंद्र - भारत, जॉन्स हॉपकिन्स सेंटर के संचार कार्यक्रम से संबद्ध के सहयोग से आयोजित की गई थी। कार्यशाला का उद्देश्य संचार, सार्वजनिक स्वास्थ्य, पर्यावरण और जैव-विज्ञान के संबंधित अनुसंधान क्षेत्र में डेटा के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय विधियों पर प्रशिक्षण प्रदान करना था। कार्यशाला में संस्थान के संकाय सदस्यों सहित भारत के विभिन्न हिस्सों से 30 मीडिया शिक्षकों और अनुसंधान विद्वानों ने भाग लिया।

जैव विविधता पर राष्ट्रीय मीडिया कार्यशाला

राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, चेन्नई के सहयोग से 'जैव

विविधता पर राष्ट्रीय मीडिया कार्यशाला' का आयोजन 31 अक्टूबर से 1 नवंबर 2018 तक भारतीय जन संचार संस्थान में किया गया। दो दिनों की इस कार्यशाला ने देश के मीडिया-परिदृश्य से मीडिया कर्मियों को एक साथ लाने में मदद की, जिसमें भाषा मीडिया भी शामिल है। कार्यशाला का उद्देश्य जैव विविधता से संबंधित मुद्दों पर पत्रकारों के ज्ञान के आधार को बढ़ाना, समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और रखरखाव में प्रयासों को उजागर करना और पत्रकारिता कौशल को बढ़ाना और जैव विविधता पर साक्ष्य आधारित रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करना था। कार्यशाला में देश भर के 20 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। यमुना जैव विविधता पार्क का दौरा दो दिवसीय कार्यशाला के एक भाग के रूप में आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को मानवीय हस्तक्षेप के बिना किसी भय के वनस्पतियों और जीवों की सुरक्षा और पुनः पोषण के लिए संरक्षण के प्रयासों के बारे में बताया गया।



संस्थागत स्तर की गतिविधियाँ

अपनी प्रथा के अनुसार अगस्त 2018 के पहले सप्ताह में भारतीय जन संचार संस्थान ने मीडिया और संचार के व्यापक विषयों पर ओरिएंटेशन व्याख्यानो का आयोजन करके अपने शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत की। श्री अच्युतानंद मिश्रा, सुश्री नविका कुमार, प्रबंध संपादक टाइम्स नाउ, रूबेन बैनर्जी, संपादक, आउटलुक, श्री अजीत पाठक, अध्यक्ष, जनसंपर्क सोसाइटी ऑफ इंडिया ने व्याख्यान दिए।

ओरिएंटेशन सत्र का एक अन्य आकर्षण सुश्री कंबल ब्राउन, ग्लोबल हेड, फेसबुक न्यूज, न्यूयॉर्क के साथ डॉ अनुभूति यादव, एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा आयोजित वार्ता थी।

संस्थान का 54वाँ स्थापना दिवस 16 अगस्त 2018 को मनाया गया। आईटीवी नेटवर्क के संपादकीय निदेशक श्री एम डी नालपत ने इस विशेष अवसर पर छात्रों के साथ बातचीत की।

12 अक्टूबर 2018 को छात्रों को अधिनियम और कार्य-आधारित नैतिक के प्रावधानों के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए सुश्री ज़ेबा खैर, अधिवक्ता, भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा "यौन उत्पीड़न अधिनियम: विरोध, प्रक्रिया और निहितार्थ" विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया था।

एनएचआरसी ने भारतीय जन संचार के सहयोग से 5 सितंबर 2018 "मानव अधिकारों में जागरूकता पैदा करने में मीडिया की भूमिका" पर एक पैनल चर्चा का आयोजन करके अपने रजत जयंती समारोह

का शुभारंभ किया। एनएचआरसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एच एल दत्तू और प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष न्यायमूर्ति सी के प्रसाद ने विशिष्ट सभा को संबोधित किया।

सूचना और प्रसारण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने 10 सितंबर 2018 को मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। संस्थान द्वारा एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन बनाया गया था, जिसमें इसके कामकाज और भविष्य के मानचित्र के बारे में विवरण दिया गया था।

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति का निरीक्षण 09 अक्टूबर 2018 को केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों/संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों/उपक्रमों/संस्थानों में हिंदी के उपयोग के संबंध में किया गया था। संस्थान के कामकाज में हिंदी के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई।

16 नवंबर 2018 को 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' मनाया गया जिसमें एनआई की प्रधान संपादक और संस्थान की पूर्व छात्रा सुश्री स्मिता प्रकाश द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार श्री ई.सी. थॉमस द्वारा लिखित और भारतीय जन संचार संस्थान द्वारा प्रकाशित 'बिजनेस एंड फाइनेंशियल जर्नलिज्म' पुस्तक का विमोचन प्रकाशन विभाग की महानिदेशक डॉ साधना राउत ने 12 दिसंबर 2018 को किया।

अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल लेक्चर



उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू ने 20 मार्च 2019 को भारतीय जन संचार संस्थान में पहला *अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल व्याख्यान* दिया। व्याख्यान का विषय था, “एक प्रबुद्ध जनता की राय को बनाने में मीडिया की भूमिका”। 45 मिनट के अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने जीवंत लोकतंत्र बनाने में मीडिया के महत्व पर प्रकाश डाला। यह कहते हुए कि मीडिया ने चुनावों के दौरान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने पत्रकारों को राजनीतिक दलों का रिपोर्ट कार्ड पेश करने के लिए कहा ताकि मतदाताओं को निर्णय लेने में सक्षम बनाया जा सके। प्रसार भारती के अध्यक्ष श्री ए सूर्य प्रकाश ने इस सत्र की अध्यक्षता की। इस व्याख्यान में संस्थान और अन्य मीडिया संस्थानों के पत्रकारिता के छात्रों, भारतीय सूचना सेवा के प्रशिक्षुओं और विकास पत्रकारिता के दर्जन देशों से आए विद्वानों ने भाग लिया। वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान ने 21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, सितंबर 2018 के दौरान हिंदी पखवाड़ा, अक्टूबर 2018 और जनवरी 2019 में स्वच्छता ही सेवा जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया। संस्थान ने स्वतंत्रता दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे त्यौहार भी मनाए जिनमें छात्रों और कर्मचारियों ने बहुत उत्साह से भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय आयोजन एशिया मीडिया सम्मिट



नई दिल्ली में 10-12 मई 2018 को 15वें एशिया मीडिया सम्मिट का सूचना और प्रसारण मंत्रालय, बेसिल और भारतीय जन संचार संस्थान ने मिलकर मेजबानी की। एशिया-पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (एआईबीडी) कुआलालम्पुर का यह वार्षिक शिखर सम्मेलन, एशिया प्रशांत क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित शिखर सम्मेलन है।

इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में 29 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसका विषय ‘‘टेलिंग अवर स्टोरीज - एशिया एंड मोर’’ था। शिखर सम्मेलन के दौरान नए युग में मीडिया व्यवसाय मॉडल और प्रसारण में उभरती प्रौद्योगिकियों सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई।

केंद्रीय सूचना और प्रसारण और कपड़ा मंत्री, स्मृति ज़ुबिन ईरानी शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि थीं। आईआईएमसी के महानिदेशक श्री के.जी. सुरेश ने दर्शकों के बीच फेक न्यूज के प्रभाव के बारे में जागरूकता पैदा करने पर जोर दिया।

21 जून, 2018 को दक्षिण कोरिया के सियोल में कोरिया संचार आयोग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कोप्रोडक्शन सम्मेलन में महानिदेशक श्री के.जी. सुरेश ने संस्थान का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने भारत में बदलते प्रसारण लैंडस्केप के बारे में बात की।

जुलाई 2018 में आयोजित मास मीडिया और ऑडियो विजुअल को-प्रोडक्शन में सहयोग पर भारत-बांग्लादेश संयुक्त आयोग की बैठक में सामुदायिक रेडियो और मीडिया प्रशिक्षण के क्षेत्र में भारत और बांग्लादेश के बीच सहयोग बढ़ाने पर आईआईएमसी के महानिदेशक ने जोर दिया।

श्री के.जी. सुरेश ने 18-20 अगस्त, 2018 को मॉरीशस में आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन में भारतीय जन संचार का प्रतिनिधित्व किया। श्री सुरेश ने भाषा पत्रकारिता की बढ़ती प्रासंगिकता के बारे में बात की और हिंदी भाषावाद सहित भारतीय भाषा पत्रकारिता को बढ़ावा

देने के लिए संस्थान में किए गए प्रयासों का वर्णन किया।

यूएई नेशनल डिफेंस कॉलेज के एक 22 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल, अबू धाबी ने 22 नवंबर, 2017 को संस्थान का दौरा किया। श्री मनीष देसाई, अपर महानिदेशक और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अनुभूति यादव ने 'राष्ट्रीय शक्ति के साधन के रूप में सूचना' और 'सैनिकों के लिए सोशल मीडिया' पर प्रस्तुतियां दीं।

10 दिसंबर 2018 को भारत और वियतनाम के बीच सांस्कृतिक संचार पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया। डॉ सच्चिदानंद जोशी, सदस्य सचिव, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र ने भारत में वियतनाम के राजदूत श्री फाम सांह चाओ की उपस्थिति में सम्मेलन का उद्घाटन किया। इसके बाद एक वियतनामी मंडली द्वारा नृत्य-नाटक का सांस्कृतिक प्रदर्शन किया गया।



मीडिया महाकुंभ

भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली का वार्षिक मीडिया उत्सव मीडिया महाकुंभ 8-9 मार्च, 2019 को आयोजित किया गया। छात्रों द्वारा संचालित इस उत्सव का विषय महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित था।

महानाट्य (नुक्कड़ नाटक), बैडस्लैम (बैटल ऑफ बैड्स), जंप स्ट्रीट (वेस्टर्न डांस कॉम्पिटिशन), तलाश-ए-अवाज (आरजे हंट) और परफेक्ट प्रस्तुति (टीवी एंकरिंग इंटरडिक्शन), मीडिया क्विज़, आर्ट इट आउट और सील डील आदि इस फेस्ट के मुख्य आकर्षण थे।



फेस्टिवल निदेशक और डीन (छात्र कल्याण) डॉ अनुभूति यादव ने वूमेन अचीवर्स विषय पर मीडिया इंडस्ट्री की कुछ प्रमुख महिलाओं से एक पैनल चर्चा की मेजबानी की जिसमें एशियन न्यूज इंटरनेशनल (एएनआई) समूह संपादक सुश्री स्मिता प्रकाश, क्विंटिलियन की सह-संस्थापक और सीईओ मीडिया सुश्री रितु कपूर; जनतंत्र टीवी की प्रबंध संपादक सुश्री शीतल राजपूत; विपणन और संचार विशेषज्ञ सुश्री श्रुति जैन और प्राइम टाइम एंकर सुश्री

साक्षी जोशी, न्यूज 24 की विशेष संवाददाता और भारतीय जन संचार संस्थान के कुछ विशिष्ट संकाय सदस्य शामिल थे।

भारत की प्रतिष्ठित शास्त्रीय नर्तक और पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ सोनल मानसिंह द्वारा 8 मार्च को शाम में नृत्य फेस्ट एक अन्य प्रमुख आकर्षण था। डा मानसिंह द्वारा 'संकल्प से सिद्धि' विषय पर किया गया नृत्य प्रदर्शन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान पर आधारित कार्यक्रम था।

युवा आइकन और लोकप्रिय रेडियो मिर्ची आरजे



सईमा ने टॉक शो 'गुफ्तगू' में मीडिया प्रस्तोता के रूप में अपनी यात्रा के बारे में बात की। तीन ऑनलाइन कार्यक्रम - फूजीफिल्म की 'फ्रेम-फ्लाइ-फ़िक्स' (फोटोग्राफी प्रतियोगिता), 'अन-रील' (लघु फ़िल्म बनाने की प्रतियोगिता) और 'द फ़ाइन प्रिंट' (लेब जर्नल प्रतियोगिता) आज की बढ़ती ऑनलाइन संचार की दुनिया के अनुरूप है। रात में बी पंजा, प्रसिद्ध पंजाबी संगीत संगीतकार और गायक द्वारा प्रस्तुत गीतों के मिश्रण था।

आईआईएमसी सामुदायिक रेडियो स्टेशन

भारतीय जन संचार संस्थान 2015 से अपना सामुदायिक रेडियो चला रहा है। इसे 'अपना रेडियो 96.9' कहा जाता है। पिछले छह वर्षों में इस सामुदायिक रेडियो स्टेशन को महत्वपूर्ण बनाए रखने के लिए कई पहल की गई हैं। अगस्त 2014 में शुरू हुआ दैनिक लाइव शो 'अपने अपना आस पास', अपना रेडियो का एक फ्लैगशिप कार्यक्रम बन गया है। इस कार्यक्रम में, श्रोताओं को बनाए रखने और उनके साथ बातचीत करने के लिए एक विषय-विशेषज्ञ को या तो स्टूडियो में या फोन पर विभिन्न विषयों पर चर्चा

करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। दिल्ली निर्वाचन कार्यालय की भागीदारी के साथ, अपना रेडियो ने 10 दिनों तक मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। दक्षिणी दिल्ली में नेशनल ह्यूमन मिल्क बैंक मॉडल स्कूल, दिल्ली में जल निकायों को पुनर्जीवित करने का मुद्दा, माइक्रो-प्लास्टिक की समस्या, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, लापता बच्चों का मुद्दा, कुछ महत्वपूर्ण विषय इस सामुदायिक रेडियो स्टेशन में शामिल किए गए थे।

प्रकाशन

भारतीय जन संचार संस्थान जन संचार से संबंधित अंग्रेजी में कम्युनिकेटर और हिंदी में संचार माध्यम दो पियर रिव्यूड पत्रिकाएं प्रकाशित करता है। कम्युनिकेटर का पहला अंक 1965 में प्रकाशित हुआ था, जबकि 'संचार माध्यम' की शुरुआत 1980 में हुई थी। ये पत्रिकाएँ शिक्षाविदों, अनुसंधान विद्वानों और मीडियाकर्मियों को अपने लेख, केस स्टडी और जनसंचार के क्षेत्र से संबंधित शोध पत्र प्रकाशित करने के लिए एक मंच प्रदान करती हैं। पत्रिकाएँ पुस्तकों और शोध लेखों की समीक्षा भी प्रकाशित करती हैं। डॉ. सुरभि दहिया, एसोसिएट प्रोफेसर और डॉ. हेमंत जोशी, प्रोफेसर 2018-19 के दौरान क्रमशः कम्युनिकेटर और संचार माध्यम के संपादक थे।

2018-19 के दौरान संस्थान ने अपने जर्नल-कम्युनिकेटर का एक विशेष संस्करण निकाला जिसका विषय महात्मा गांधी एक कम्युनिकेटर के रूप में था। इस संस्करण में प्रसिद्ध शिक्षाविदों और साहित्यकारों के लेख प्रकाशित किए गए। विशेष संस्करण में पाँच पुस्तक समीक्षाएँ भी शामिल हैं, जिनमें से एक 'महात्मा गांधी एक पत्रकार और संपादक के रूप में' प्रमुख थी जिसे आईआईएमसी डेक्कनाल के प्रो. मृणाल चटर्जी और स्नेहासिस सूर ने लिखा था।

वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान ने वरिष्ठ पत्रकार श्री ई.सी. थॉमस द्वारा लिखित एक पुस्तक 'बिजनेस एंड फाइनेंशियल जर्नलिज्म' भी प्रकाशित की। यह पुस्तक वित्तीय पत्रकारिता के विकास का पता लगाती है और विशेष रूप से 1990 के दशक के आर्थिक उदारीकरण के बाद के युग में और विशेषज्ञता के इस क्षेत्र में शैक्षणिक आवश्यकता और कौशल वृद्धि को संबोधित करती है।

आईआईएमसी के क्षेत्रीय परिसरों की गतिविधियाँ

आईआईएमसी ढेंकनाल



भारतीय जनसंचार संस्थान, ढेंकनाल की स्थापना अगस्त 1993 में भारतीय जनसंचार संस्थान, दिल्ली की एक शाखा के रूप में की गई थी। वर्तमान में यह अंग्रेजी पत्रकारिता और उडिया पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है। 7.5 एकड़ का परिसर पनियोला पहाड़ी की घाटी पर स्थित है, जो राज्य की राजधानी भुवनेश्वर से 80 किलोमीटर दूर ढेंकनाल में एक राजसी दृश्य पेश करता है। पर्यावरण के अनुकूल परिसर में तीन इमारतें शामिल हैं: शैक्षणिक ब्लॉक, प्रशासनिक ब्लॉक और ऑडिटोरियम ब्लॉक। पूरी तरह से वाई-फाई परिसर में दो छात्रावास हैं - लड़कों के लिए ब्रह्मपुत्र और लड़कियों के लिए महानदी। संस्थान के पास एक अच्छी तरह से स्टॉक की गई लाइब्रेरी है जिसमें लगभग 5000 किताबें हैं जो अकेले जनसंचार और संबद्ध विषयों से संबंधित हैं।

लाइब्रेरी कुछ क्षेत्रों जैसे अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र, इतिहास, मनोविज्ञान, जीवनी, हिंदी, अंग्रेजी और उडिया साहित्य आदि जैसे क्षेत्रों पर भी कुछ पुस्तकें उपलब्ध कराती है।

आईआईएमसी ढेंकनाल में, फील्ड असाइनमेंट सहित व्यावहारिक प्रशिक्षण पर अधिक जोर दिया जाता है। 2018-19 शैक्षणिक वर्ष के दौरान, आईआईएमसी, ढेंकनाल में छात्रों ने कई प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों को कवर किया। उन्होंने भुवनेश्वर में आयोजित अंजलि इंटरनेशनल चिल्ड्रन फेस्टिवल और खुर्दा में नाट्यचेतना थिएटर फेस्टिवल के दौरान बुलेटिन किए। उन्होंने परदीप में कैनफेस्ट (16वें राष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव) के आयोजकों की मीडिया कवरेज और समन्वय में मदद की।

लैब जर्नलों के चार अंकों के अलावा, छात्रों ने शैक्षिक सत्र के अंत तक अगस्त के मध्य से शुरू होने वाले हर कार्य दिवस में अंग्रेजी और उडिया में दैनिक अखबार निकाला। संस्थान की वीडियो लैब से टेलीविजन पर समाचार प्रस्तुति उनकी एक दैनिक शैक्षणिक गतिविधि थी और ऑडियो लैब से ऑडियो समाचार प्रस्तुति भी शामिल थी।



सेमिनार और कार्याशालाएं

आईआईएमसी ढेंकनाल ने शैक्षणिक वर्ष के दौरान कई कार्याशालाओं और सेमिनारों का आयोजन किया।

- उडिया समाचार पत्र दिवस के अवसर पर 'भारत में भाषा पत्रकारिता के 200 वर्ष' विषय पर 6 अगस्त, 2018 एक सेमिनार को आयोजित किया गया।
- 6 सितंबर, 2018 को फाइनेंशियल लिटरेसी विषय पर अभ्युथाना फाइनेंशियल लर्निंग सेंटर, बीबीएसआर द्वारा एक सेमिनार आयोजित किया गया।
- ओएक्सएफएम, ओडिशा ने 11 सितंबर, 2018 को लिंग मानदंड, महिलाओं के खिलाफ हिंसा में मीडिया की भूमिका पर एक कार्याशाला आयोजित की।
- 8 से 11 अक्टूबर, 2018 तक 3 दिवसीय फोटोग्राफी कार्याशाला का आयोजन किया गया, जिसमें ओडिशा के कई विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। पुरस्कार विजेता फोटोग्राफर हिमांशु

व्यास और तबिना ए कुरेशी ने कार्याशाला का संचालन किया।

- गूगल न्यूसज इनिशिएटिवभारत द्वारा 26 -27 नवंबर 2018 को 'तथ्य-जाँच' पर एक कार्याशाला आयोजित की गई।
- फिल्मी चक्कर -2, 14 से 16 जनवरी 2019 तक एक दिन के सेमिनार सहित सिनेमा से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस आयोजन में ओडिशा के विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के छात्रों ने भाग लिया और संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किए।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (IIPA) की ओडिशा क्षेत्रीय शाखा के सहयोग से 'क्या मीडिया समाज का दर्पण है?' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी 21 जनवरी 2019 को आयोजित की गई थी।
- 1 फरवरी 2019 को पीआरएसआई, भुवनेश्वर, ओडिशा चैप्टर के साथ "पीआर टूल के रूप में सोशल मीडिया" पर एक पीआर राउंड टेबल बैठक आयोजित की गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

आईआईएमसी, ढेंकनाल ने 2018-19 में निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

- "द हेरिटेज अकादमी", कोलकाता के छात्रों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 और 11 फरवरी, 2019 को आयोजित किया गया था।
- ओडिशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और जनसंचार छात्रों के लिए चार अलग-अलग बैचों के लिए 29 April -3 मई, 13-17 मई और 20-24 मई 2019 में विशेष मीडिया प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियां

छात्रों के लिए कई पाठ्येतर गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्थापना दिवस और हिंदी दिवस के अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। छात्रों ने 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया। 26 जनवरी को डिस्ट्रिक्ट राइटर्स फोरम, ढेंकनाल के सहयोग से एक साहित्यिक उत्सव 'शब्दांजलि' का आयोजन किया गया। शैक्षणिक वर्ष के दौरान शब्दांजलि के दो और संस्करण आयोजित किए गए।

प्रो के एम श्रीवास्तव की दूसरी पुण्यतिथि पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया था। 28 अगस्त 2018 को "भारत में प्रसारण: अब और परे" विषय पर प्रसार भारती के पूर्व डीडीजी श्री अभय कुमार पाधी ने स्मृति व्याख्यान दिया।

पुरस्कार विजेता फिल्मों और वृत्तचित्रों का नियमित आधार पर प्रदर्शित किया गया, इसके बाद फिल्मों / वृत्तचित्रों द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण मुद्दों और चर्चाओं पर चर्चा की गई।

फैलोशिप

आईआईएमसी, ढेंकनाल में हर साल दो फैलोशिप, एक अंग्रेजी

और एक उडिया पत्रकारिता के छात्रों को दी जाती है। इस वर्ष उडिया पत्रकारिता के छात्र दत्तात्रेय नायक ने प्रतिष्ठित डॉ राधानाथ रथ मेमोरियल फैलोशिप और अंग्रेजी पत्रकारिता की छात्रा सुश्री अनामिका बहुगुणा ने सत्य महापात्रा मेमोरियल फैलोशिप प्राप्त की।

प्लेसमेंट

उडिया पत्रकारिता के उन्नीस छात्रों में से अठारह को ओडिशा स्थित समाचार पत्रों और टेलीविजन चैनलों में प्लेसमेंट मिला। अंग्रेजी पत्रकारिता के 70 प्रतिशत से अधिक छात्रों को दिल्ली और ढेंकनाल में कैपस चयन पहल से विभिन्न मीडिया संगठनों में प्लेसमेंट मिला।

प्रकाशन

आईआईएमसी, ढेंकनाल ने शैक्षणिक वर्ष के दौरान दो मोनोग्राफ का प्रकाशन किया। 6 दिसंबर, 2018 को ओडिशा में विश्व कप हॉकी के दौरान हॉकी पर एक मोनोग्राफ जारी किया गया। मनोरंजन सांबादिकता (उडिया) का अद्भुत संस्करण फिल्मी चक्कर -2 के दौरान जनवरी 2019 के मध्य में जारी किया गया।

आईआईएमसी आइजोल



आईआईएमसी का उत्तर-पूर्वीय क्षेत्रीय परिसर आइजोल में मिजोरम यूनिवर्सिटी कैंपस में 8 अगस्त 2011 से शुरू हुआ। वर्तमान में, यह अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन करता है।

शैक्षणिक ब्लॉक, प्रशासनिक ब्लॉक, हॉस्टल और स्टाफ क्वार्टरों सहित नए भवन बुनियादी ढांचे का सिविल निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और शिक्षण गतिविधियां जल्द ही नए परिसर में स्थानांतरित हो जाएंगी।

आईआईएमसी के अन्य परिसरों की तरह, आइजोल में छात्रों को पत्रकारिता के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। श्री एल आर साइलो और डॉ सी लालमुंसंगकिमी, सहायक प्रोफेसर के साथ-साथ, कई अनुभवी मीडियाकर्मियों और शिक्षाविदों ने अतिथि संकाय के रूप में संस्थान का दौरा किया।

संस्थान के इस उत्तर-पूर्वीय क्षेत्रीय परिसर से आईआईएमसी ट्रिब्यून नाम के लैब जर्नल को नियमित रूप से नियमित रूप से प्रकाशित किया गया। अभ्यास का उद्देश्य छात्रों के संपादन कौशल

और समाचार की समझ को तेज करना था। छात्रों ने न्यू मीडिया प्रैक्टिकल असाइनमेंट के हिस्से के रूप में अपना ब्लॉग / वेबपेज भी बनाए।

आईआईएमसी आइजोल परिसर की गतिविधियां

- 'बिलिविंग इज सीइंग प्रोजेक्ट' के सहयोग से एक दृश्य कहानी-सह-फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जो छात्रों के लिए उपयोगी साबित हुई।
- 16 फरवरी 2019 को, आईआईएमसी टीम ने अनुभवी पत्रकार और कैंपस के विजिटिंग फैकल्टी श्री शमूद्र गुप्ता कश्यप के नेतृत्व में सैरांग में रेलवे निर्माण स्थल का दौरा किया। इस यात्रा की व्यवस्थाक रेलवे के अधिकारियों ने छात्रों के विकास रिपोर्टिंग कार्य के लिए की थी।
- परिसर के अधिकारियों और छात्रों ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली और मिजोरम विश्वविद्यालय के लिए राष्ट्रमंडल शैक्षिक मीडिया केंद्र एशिया के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय

"सामुदायिक रेडियो जागरूकता कार्यशाला" में भाग लिया।

- कैपस के छात्रों और फैकल्टी ने महिलाओं के विषय में विभिन्न विकासात्मक मुद्दों पर महिला अध्ययन केंद्र, मिजोरम विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो लालनेहिजोवी के साथ बातचीत की।
- 12 मार्च 2019 को, आइजोल परिसर ने मिजोरम विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के साथ मिलकर प्रो मृणाल चटर्जी, प्रोफेसर और क्षेत्रीय निदेशक, महात्मा गांधी पर एक कम्युनिकेटर के रूप में IIMC डेकनाल द्वारा एक पुस्तक विमोचन सह विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।
- छात्रों और शिक्षकों ने आइजोल थियोलॉजिकल कॉलेज (एटीसी), डर्टलैंग और आईसीएफआई विश्वविद्यालय, सेलेसिह का दौरा किया। शैक्षणिक आदान-प्रदान को समृद्ध करने के लिए भविष्य में सहयोग पर दोनों संस्थानों के बीच बातचीत हुई। दूरदर्शन केंद्र, डर्टलैंग स्टूडियो में "उत्तर पूर्व में मीडिया एजुकेशन" विषय पर लाइव चर्चा के बाद इंस्टीट्यूट का दौरा किया गया, जिसे स्थानीय केंद्र, डीडी नॉर्थ-ईस्ट और डीडी नेशनल पर प्रसारित किया गया। मृणाल चटर्जी और श्री

एल आर सायलो और एक संकाय सदस्ये लाइव चर्चा कार्यक्रम में पैनलिस्ट थे।

- अंतर्राष्ट्रीय महिला इतिहास माह समारोह के एक भाग के रूप में, परिसर के छात्रों ने यूजीसी-महिला अध्ययन केंद्र, मिजोरम विश्वविद्यालय, छात्र परिषद और छात्र चर्चा मंच द्वारा संयुक्त रूप से निबंध और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में भाग लिया। गुरप्रीत सिंह ने निबंध लेखन प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार जीता।
- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आईआईएमसी टीम ने क्षेत्रीय निदेशक श्री एलमें आर सायलो के नेतृत्व में आइजोल में पौधे लगाए।

अगस्त 2011 में अपनी स्थापना के बाद से, आईआईएमसी आइजोल उत्तर पूर्वी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण जन संचार शिक्षण केंद्र के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। विगत छात्र इंडियन एक्सप्रेस, दूरदर्शन, न्यू इंडियन एक्सप्रेस, ऑल इंडिया रेडियो आदि जैसे प्रतिष्ठित मीडिया संगठनों में अपना स्थान स्थापित कर रहे हैं। यह बताना उचित होगा कि 2018-2019 बैच के सभी छात्र आईआईएमसी द्वारा आयोजित कैपस रिक्रूटमेंट के माध्यम से रखे गए थे।

आईआईएमसी अमरावती



भारतीय जन संचार संस्थान का अमरावती केंद्र अगस्त 2011 में शुरू किया गया। यह अस्थायी परिसर के रूप में वर्तमान में संत गडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के डॉ. श्रीकांत जिचकर मेमोरियल रिसर्च सेंटर में स्थित है। वर्तमान में, आईआईएमसी अमरावती दो पाठ्यक्रमों अंग्रेजी और मराठी पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा का संचालन करता है।

शैक्षणिक सत्र 2018-19 की शुरुआत 1 अगस्त, 2018 को श्री विजय सातोकर के निर्देशन में हुई, जिन्होंने निवर्तमान निदेशक, श्री नदिम खान से केंद्र की बागडोर संभाली। क्लास रूम शिक्षण और कठिन व्यावहारिक अभ्यास का संयोजन पाठ्यक्रम का केंद्र बिन्दू था।

देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले छात्रों के लिए चार दिवसीय कार्यक्रम 'नो योर कैम्पस एंड सिटी' की शुरुआत की गई। इस गतिविधि का उद्देश्य छात्रों को अमरावती शहर के सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षिक, प्रशासनिक और सांस्कृतिक परिवेश से परिचित कराना था। इसने उन्हें शहर के विभिन्न स्थलों से परिचित होने में सक्षम बनाया।

ऑरिएंटेशन व्याख्यान

पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं के बारे में छात्रों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के उद्देश्य से, उनके अभिविन्यास के लिए अतिथि

व्याख्यान की एक श्रृंखला की व्यवस्था की गई थी। साहित्य, प्रिंट मीडिया, कला और इतिहास के क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को छात्रों के साथ अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया। इन व्याख्यानों से छात्रों को काफी मदद मिली। पत्रकारिता, गतिशीलता और प्रिंट मीडिया के अर्थशास्त्र के विभिन्न पहलुओं पर छात्रों को मंत्रमुग्ध करने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों में अकोला से दैनिक देशनौटी के प्रख्यात संपादक श्री प्रकाश पोहारे और अमरावती से दैनिक मातृभूमि और अमरावती मंडल के श्री अनिल अग्रवाल शामिल थे।

प्रख्यात लेखक और चिंतक डॉ. प्रभातई गनोरकर ने भाषा के उपयोग के विषय पर छात्रों के साथ बातचीत की, जबकि विदर्भ सिंचाई विकास निगम के उपाध्यक्ष और अमरावती विधायक डॉ. सुनील देशमुख ने राजनीतिक संचार के बारे में चर्चा की। अविनाश कोल्हे और श्री सुनील यावलिकर ने छात्रों को कला और संस्कृति से परिचित कराया जबकि डॉ. श्रीपाद भालचंद्र जोशी ने मीडिया और विशेष रूप से प्रिंट मीडिया में ज्वलंत मुद्दों पर उनका मंथन किया। पर्यावरणविद् डॉ. किशोर रिते ने जंगलों और पर्यावरण से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की, जबकि ओडिसी नृत्यांगना श्रीमती शीतल मेटकर ने अपने अनुभवों को साझा किया कि नृत्य में क्या देखना है और इसे कैसे रिपोर्ट करना है।

सेमिनार और संगोष्ठी

आईआईएमसी अमरावती ने 21 जनवरी, 2019 को संत गडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के सहयोग से 'सोशल मीडिया फॉर सोशल गुड' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। प्रो-वीसी डॉ राजेश जयपरकर इस सेमिनार के अध्यक्ष थे और आईआईएमसी के महानिदेशक श्री केजी सुरेश ने की-नोट व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालय के ऑडियो-विजुअल थिएटर में आयोजित इस सेमिनार में पत्रकारिता के छात्रों, विश्वविद्यालय के छात्रों और शहर के पत्रकारों ने भाग लिया।

विशेष प्रोजेक्ट

आईआईएमसी, अमरावती के छात्रों ने 22 फरवरी 2019 को अपने स्थापना दिवस पर मेलघाट टाइगर रिजर्व (MTR) की वार्षिक संख्या मेलव्येघ्न का एक विशेष अंक निकाला। अंग्रेजी पत्रकारिता और मराठी पत्रकारिता के छात्रों ने टाइगर रिजर्व और विशाल टाइगर रिजर्व के अंदरूनी हिस्सों में यात्रा की और पर्यावरण और वन के विभिन्न पहलुओं पर आकर्षक चित्रों और कहानियों के साथ वापस आये। एमटीआर प्रबंधन द्वारा उनके काम की बहुत सराहना की गई और उन्होंने एक प्रमाण पत्र के साथ सम्मानित किया और संस्थान को एक ट्रॉफी और प्रशंसा का प्रमाण पत्र प्रदान किया। आईआईएमसी, अमरावती द्वारा यह एक अनूठा काम था।

भ्रमण:

उनके शैक्षणिक कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, छात्रों को ग्रामीण रिपोर्टिंग, आदिवासी रिपोर्टिंग के लिए चिखलदरा और जंगल और संरक्षण रिपोर्टिंग के लिए मेलघाट टाइगर प्रोजेक्ट के लिए गांव कटोल के भ्रमण पर ले जाया गया। प्रत्येक अवसर पर, संकाय सदस्यों ने उनकी सहायता की और उनकी गतिविधियों में समन्वय

किया।

वृत्तचित्र और जिंगल्स :

छात्रों ने जिले में सूखे की स्थिति पर अत्यधिक प्रभावी वृत्तचित्र बनाने में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और पर्यटन पर जिंगल बनाने के साथ-साथ ग्रामीण जीवन को बढ़ावा देने के मुद्दे भी उठाए। इन वृत्तचित्रों और जिंगल की सभी ने प्रशंसा की।

ड्राइव और सर्वेक्षण:

स्वच्छ भारत अभियान के एक हिस्से के रूप में, आईआईएमसी अमरावती ने 16 जनवरी, 2019 से 30 जनवरी, 2019 तक विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। पखवाड़े के दौरान, छात्रों ने अपने कॉलेज के कमरे, छात्रावास के कमरे, विश्वविद्यालय की सड़कें और शहर के कुछ चौराहों की सफाई की। उन्होंने परिसर से पाउच, खाली पानी की बोतलें, शराब की खाली बोतलें, सिगरेट के स्टम्स एकत्र किए। यह विश्वविद्यालय के लिए एक आंख खोलने वाला अभियान साबित हुआ।

छात्रों ने स्वच्छता और सोशल मीडिया पर दो सर्वेक्षण किए। दोनों सर्वेक्षणों को उनकी गुणवत्ता और सामग्री के लिए बहुत सराहना मिली।

राष्ट्रीय दिवस:

आईआईएमसी, अमरावती ने स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस संत गडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के साथ मनाया और ध्वजारोहण समारोह में भाग लिया। छात्रों ने कुलपति डॉ मुरलीधर चांडेकर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का साक्षात्कार लिया। पत्रकारिता विभाग, श्री शिवाजी कला और वाणिज्य महाविद्यालय, अमरावती के सहयोग से राष्ट्रीय प्रेस दिवस और मराठी पत्राकार दिवस भी मनाया गया।



आईआईएमसी जम्मू



भारतीय जन संचार संस्थान
उत्तरी क्षेत्रीय परिसर जम्मू
का शिलान्यास

श्री नरेंद्र मोदी
प्रधान मंत्री
के कर कमलों द्वारा

दिनांक : 3 फरवरी 2019



भारतीय जन संचार के जम्मू केंद्र अगस्त 2012 में शुरू किया गया। वर्तमान में यह परिसर अस्थायी रूप से जम्मू विकास प्राधिकरण के विकास भवन में स्थित है। 3 फरवरी 2019 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू शहर के केरन, बंतलाब में आईआईएमसी जम्मू के नए परिसर के निर्माण के लिए नींव रखी। परिसर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। वर्तमान में आईआईएमसी जम्मू अंग्रेजी पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 अगस्त 2018 के पहले सप्ताह में ओरिएंटेशन व्याख्यान के साथ शुरू हुआ। 2018-19 के दौरान आईआईएमसी जम्मू में आयोजित गतिविधियों का विवरण निम्नलिखित है।

नए सत्र के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन व्याख्यान

आईआईएमसी जम्मू ने उभरते पत्रकारों के बीच अपने अनुभव और ज्ञान को साझा करने के लिए उद्योग के विशेषज्ञों को आमंत्रित करके अभिविन्यास कार्यक्रम का एक दौर आयोजित किया। श्री के बी जंडियाल, सेवानिवृत्त आईएस अधिकारी और 1972 के

आईआईएमसी बैच के पूर्व छात्र ने छात्रों को संबोधित किया। लेफ्टिनेंट कर्नल देवेन्द्र आनंद ने छात्रों को समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पत्रकारिता की भूमिका के बारे में जानकारी दी। भारतीय सूचना सेवा की सुश्री नेहा जलाली और श्री संजीत खजूरिया ने भी अपने अनुभव साझा किए।

छात्रों ने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (जम्मू क्षेत्रीय शाखा) में आयोजित पूर्व पुलिस महानिदेशक, डॉ अशोक भानु, आईपीएस द्वारा कश्मीर शांति प्रक्रिया पर एक वार्ता में भी भाग लिया।

छात्रों के लिए प्रिंट और टेलीविजन के लिए मीडिया नैतिकता पर कार्यशाला:

आईआईएमसी जम्मू ने प्रिंट और टेलीविजन के लिए मीडिया नैतिकता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में पत्रकारों के सामने आने वाली समस्याओं और चुनौतियों से अवगत कराना था। वरिष्ठ पत्रकार और भारतीय प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष श्री राहुल जलाली, राज्यसभा टीवी के पूर्व कार्यकारी निदेशक श्री राजेश बादल, जम्मू प्रेस क्लब अध्यक्ष और आजतक जम्मू और

कश्मीर के पूर्व ब्यूरो चीफ श्री अश्विनी कुमार ने छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए।

सप्ताह भर की फोटो पत्रकारिता कार्यशाला:

डिफेंस पीआरओ श्री एसएन आचार्य के मार्गदर्शन में आईआईएमसी जम्मू ने फोटो पत्रकारिता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला ने छात्रों को फोटोग्राफी के सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम बनाया। छात्रों को फोटो जर्नलिज्म के विभिन्न क्षेत्रों और इसकी चुनौतियों से भी परिचित कराया गया।

जम्मू में मोबाइल फिल्म निर्माण और पत्रकारिता कार्यशाला

प्रेस क्लब जम्मू और फिल्म और टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) के सहयोग से जम्मू परिसर में एक सप्ताह



की मोबाइल पत्रकारिता कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला देश भर में सिनेमा और फिल्म निर्माण के ज्ञान को फैलाने और नवोदित फिल्म निर्माताओं के बीच फिल्म निर्माण कौशल स्थापित करने की एफटीआईआई की पहल का हिस्सा था। सात दिन की इस कार्यशाला में आईआईएमसी जम्मू परिसर के छात्रों सहित लगभग 50 छात्रों ने भाग लिया। कार्यशाला में बुनियादी तकनीकों और फिल्म निर्माण के क्षेत्रों के बारे में छात्रों को सिनेमैटोग्राफी और संपादन पर विशेष ध्यान देने का प्रयास किया गया।

छात्रों के लिए फील्ड एक्सपोजर: -

आईआईएमसी जम्मू परिसर के छात्रों ने भारतीय सेना के जनसंपर्क निदेशालय की ओर से 'टाइगर डिवीजन' द्वारा आयोजित हथियार प्रदर्शन प्रदर्शनी को कवर किया। प्रदर्शनी का आयोजन छात्रों और युवाओं के बीच रक्षा संस्था के लिए गर्व और देशभक्ति को प्रज्वलित करने के लिए किया गया था।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया माध्यमों की यात्रा

छात्रों ने जम्मू में स्थापित टाइम्स नाउ का दौरा किया जहां उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए रिपोर्टिंग में चुनौतियों के संबंध में एक सामान्य चर्चा की।

सैर

छात्रों ने पर्यटन स्थल भदरवाह का दौरा किया, जिसे जम्मू-कश्मीर राज्य में 'छोटा कश्मीर' के रूप में जाना जाता है। विकास परिदृश्य के बारे में भदरवाह विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ चर्चा के अलावा उनकी यात्रा के दौरान, उन्होंने बॉलीवुड अभिनेता अमित साध के साथ वेब श्रृंखला 'इंडिया स्ट्राइक्स -10 दिनों' के सेट पर बातचीत की।

कार्यस्थल अधिनियम 2013 में महिलाओं के यौन उत्पीड़न पर व्याख्यान:

जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय के अधिवक्ता सुश्री मंदीप रीन ने न्यायपालिका और विशाखा दिशानिर्देशों में मीडिया की भूमिका पर आईआईएमसी, उत्तरी क्षेत्रीय परिसर के छात्रों को एक व्याख्यान दिया। सुश्री रीन ने इस तरह के कानूनों के महत्व पर जोर दिया और कुछ महत्वपूर्ण रिपोर्ट और कानूनों पर विस्तृत दस्तावेज दिए, ताकि छात्रों को भविष्य में उनका संदर्भ मिल सके।

21 मई, 2018 को आतंकवाद विरोधी दिवस:

आईआईएमसी ने 21 मई, 2018 को आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया और संकाय सदस्यों और छात्रों ने मानव जीवन और मूल्यों को खतरे में डालने वाले विघटन की ताकतों से लड़ने का संकल्प लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह:

आईआईएमसी, जम्मू के उत्तरी क्षेत्रीय परिसर ने जम्मू में चन्नी हिम्मत एवर ग्रीन पार्क के मॉर्निंग वॉकर्स एसोसिएशन के सहयोग से 21 जून, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कार्यक्रम का आयोजन योग के विशेषज्ञ डॉ राम कुमार के कुशल मार्गदर्शन में किया गया था।

आईआईएमसी जम्मू में राष्ट्रीय दिवस समारोह:

सत्र 2018-19 के छात्रों और आईआईएमसी जम्मू के संकाय ने परिसर में स्वतंत्रता दिवस, गांधी जयंती और गणतंत्र दिवस मनाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां राष्ट्र और उसके स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में छात्रों ने भाषण दिए, और कविताओं का पाठ किया।

आईआईएमसी कोट्टयम



दक्षिण भारत में स्थित कोट्टयम को पत्रों, लेटेक्स और झीलों की भूमि के रूप में जाना जाता है। यहां पर आईआईएमसी के क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना 1995 में हुई। इसकी स्थापना कामकाजी पत्रकारों, जनसंपर्क पेशेवरों और राज्य सूचना अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए की गई थी। हालांकि, इसने महात्मा गांधी विश्वविद्यालय में अस्थायी परिसर से 2012 से नियमित शैक्षणिक कार्यक्रमों का संचालन करना शुरू कर दिया। वर्तमान में, आईआईएमसी कोट्टयम दो पाठ्यक्रम संचालित करता है: अंग्रेजी और मलयालम पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा। अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक नया परिसर कोट्टयम के पास पंपाडी में बनाया गया है, जहां शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के दौरान कक्षाएं शुरू होंगी।

नया शैक्षणिक वर्ष

अगस्त 2018 में आईआईएमसी कोट्टयम ने एक और जीवंत शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत देखी। परिसर ने सौहार्दपूर्वक नए छात्रों और उनके साथ आने वाले माता-पिता का स्वागत किया। छात्रों को पत्रकारिता और जनसंचार की बारीकियों पर विशेषज्ञों द्वारा उन्मुखीकरण व्याख्यान सत्र के संयोजन से अवगत कराया गया। कोट्टयम में, मातृभूमि की प्रिंटिंग प्रेस की यात्रा भी छात्रों को अखबार

छपाई की प्रक्रिया का पहला अनुभव देने के लिए आयोजित की गई थी।

स्कॉलर-इन-कैम्पस प्रोग्राम

स्कॉलर-इन-कैम्पस कार्यक्रम ने छात्रों को विभिन्न विषयों में प्रसिद्ध शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, वैज्ञानिकों, विद्वानों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से शुरुआत की। शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के दौरान, पर्यावरण कार्यकर्ता और वकील, श्री हरीश वासुदेवन, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता श्री सियामप्रसाद आर और पूर्व सदस्य, केरल महिला आयोग डॉ जे पामेला देवी, राज्य सूचना आयुक्त श्री के वी सुधाकरन आदि ने परिसर का दौरा किया और छात्रों के साथ बातचीत की।

केरल बाढ़ की कवरेज

अगस्त 2018 में, केरल में एक सदी में सबसे अधिक विनाशकारी मानसूनी बाढ़ देखी गई, जिसके पूरे राज्य में दस लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए। इस अभूतपूर्व आपदा के दौरान आईआईएमसी के छात्रों ने पत्रकारिता की सच्ची भावना से राहत शिविरों का दौरा किया और लैब जर्नल के लिए रिपोर्टिंग की। कुछ छात्रों ने स्थापित राष्ट्रीय समाचार पोर्टलों में केरल बाढ़ अपनी पर स्टोरी प्रकाशित

की। एक नियमित अभ्यास के रूप में, छात्रों को स्वतंत्रता दिवस परेड, कुमारकोम, पंपाडी, कोट्टयम, जैसे विभिन्न स्थानों और घटनाओं के लिए रिपोर्टिंग असाइनमेंट पर भेजा गया था।

लैब पत्रिकाएँ आईआईएमसी वॉयस और एजुथोला

समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के लिए लिखने, संपादित करने और डिजाइन करने के प्रशिक्षण के भाग के रूप में, आईआईएमसी कोट्टायम के छात्रों ने क्रमशः अंग्रेजी और साथ ही मलयालम, आईआईएमसी वॉयस और एजुथोला में कई लैब पत्रिकाओं का डिजाइन और प्रकाशन किया।

यूनिसेफ पर परामर्श कार्यशाला - बाल अधिकारों के लिए आईआईएमसी मीडिया रिसर्च सेंटर

यूनिसेफ ने आईआईएमसी के दक्षिणी क्षेत्रीय परिसर के साथ मिलकर 26 जून 2018 को बाल अधिकारों के लिए एक मीडिया रिसर्च सेंटर की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए एक परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला प्रस्तावित केंद्र के संदर्भ की शर्तों की तैयारी की दिशा में एक प्रारंभिक कदम था। बाल अधिकारों, पत्रकारिता, शिक्षाविद और आईआईएमसी के अकादमिक कर्मचारियों के क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने एक आदर्श केंद्र स्थापित करने के लिए अपने मूल्यवान आदानों और सुझावों को प्रदान किया जो अनुसंधान, परामर्श और डेटा पत्रकारिता को बेहतर ढंग से संयोजित करते हैं। प्रस्तावित केंद्र, यह आशा है कि नीति-निर्माण और बाल अधिकारों के मुद्दों पर योजना बनाने के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम करेगा।

अन्य महत्वपूर्ण कार्यशालाएँ और सेमिनार

- रेडियो प्रोग्रामिंग, रिकॉर्डिंग और प्रस्तुति पर कार्यशाला।
- वीडियो संपादन पर कार्यशाला।
- आरटीआई और मीडिया पर संगोष्ठी: आकर्षण और चुनौतियाँ।
- न्यू मीडिया और डेटा जर्नलिज्म पर कार्यशाला।

समाचार के ऑनलाइन सत्यापन पर कार्यशाला

गलत सूचना और फर्जी खबरों के खिलाफ मिशन के हिस्से के रूप

में, आईआईएमसी के दक्षिणी क्षेत्रीय परिसर ने अपने छात्रों को गहन सत्यापन प्रशिक्षण प्रदान करने में गूगल न्यूज इनिशिएटिव के साथ भागीदारी की। समाचारों के सत्यापन के लिए गूगल द्वारा प्रमाणित प्रशिक्षक श्री सुनील प्रभाकर ने सत्रों का नेतृत्व किया। अक्टूबर में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला ने छात्रों को समाचार-सामग्री की प्रामाणिकता को सत्यापित करने के लिए ऑनलाइन टूल, संसाधनों और तरीकों से परिचित कराने में मदद की।

मीडिया पर पुस्तक का विमोचन

2018-19 के दौरान आईआईएमसी के दक्षिणी क्षेत्रीय परिसर ने मीडिया पर अपनी पहली किताब *Changing Media, Unchanging Values* मलयालम में प्रकाशित की। यह पुस्तक अकादमिक समुदाय और मीडिया उद्योग के लिए एक उल्लेखनीय योगदान, और मीडिया के बदलते पहलुओं और समाज पर इसके प्रभाव का सार पकड़ती है। डॉ एस अनिलकुमार, क्षेत्रीय निदेशक और अकादमिक प्रमुख द्वारा संपादित, इस पुस्तक में जनसंचार के क्षेत्र में प्रख्यात विशेषज्ञों द्वारा निबंधों का संकलन है।

नए और उभरते मीडिया प्लेटफॉर्मों और प्रथाओं के लिए यह पुस्तक पत्रकारिता को एक महान अनुशासन बनाने वाले समय-परीक्षण नैतिक सिद्धांतों और मूल्यों की आवश्यकता पर जोर देती है। महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ साबू थॉमस द्वारा 26 मार्च 2018 को महात्मा गांधी विश्वविद्यालय में आयोजित एक समारोह में इस पुस्तक का विमोचन किया गया।



मुन्नार में अध्ययन यात्रा

आईआईएमसी कोट्टायम ने अक्टूबर, 2018 में अंग्रेजी पत्रकारिता

और मलयालम पत्रकारिता दोनों छात्रों के लिए मुन्नार में एक दिवसीय अध्ययन यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा ने छात्रों को मुन्नार हिल्स के प्रसिद्ध **नीलकुरिंजी फूल** के खिलने को देखने और अनुभव मिला जो केवल 12 वर्षों में एक बार होता है। यात्रा के बाद, छात्रों ने मुन्नार और नीलकुरिंजी फूलों पर शानदार लेखन और तस्वीरें खींचीं, कि कैसे मुन्नार ने केरल में कुछ महीनों पहले आई विनाशकारी बाढ़ को झेला।

आईआईएमसी कोट्टयम ने 27 अप्रैल 2018 को अंग्रेजी पत्रकारिता और मलयालम पत्रकारिता छात्रों के लिए कुमारकोम और पथिरमनल द्वीप के लिए एक दिवसीय अध्ययन यात्रा का आयोजन किया। यात्रा के दौरान छात्रों के साथ संकाय और कर्मचारी भी शामिल थे।

प्लेसमेंट 2018-19

कोट्टयम और नई दिल्ली में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव के हिस्से के रूप में 25 में से कुल 17 स्टूडेंट्स को विभिन्न मीडिया हाउस में नियुक्ति मिली।

रोडमैप

आईआईएमसी कोट्टयम सार्वजनिक और निजी क्षेत्र से संचार पेशेवरों के लिए नए परिसर में स्थानांतरित करने पर नए अल्पकालिक पाठ्यक्रमों का एक समूह शुरू करके अपने कद को बढ़ाने के लिए कहता है। केंद्र भी अपने सहयोगी नेटवर्क को बढ़ाने की योजना बना रहा है, जिससे आवश्यक उद्योग संपर्क बन रहे हैं। संचार क्षेत्र में विभिन्न मुद्दों, चुनौतियों और समाधानों को कवर करने वाला एक द्विभाषी शोध पत्रिका भी पाइपलाइन में है।

केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाएँ

आईआईएमसी दो केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है जिसमें संस्थान का अंतर्राष्ट्रीय मानकों में उन्नयन और मीडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोग्राम की एक उप योजना के रूप में आईआईएमसी के चार नए क्षेत्रीय केंद्रों का उद्घाटन शामिल है।

संस्थान के स्तर को उन्नत करके अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने की योजना को ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में शामिल किया गया जिसके लिए 62.00 करोड़ रुपए की राशि का अनुमोदन किया गया, जिसमें सरकारी अनुदान सहायता सीमा 51.50 करोड़ रुपए है। योजना में भारतीय जन संचार संस्थान का उन्नयन अर्थात आईआईएमसी परिसर, नई दिल्ली, के व्याख्यान मुख्य भवन के ऊपर अतिरिक्त तलों और आई आई एम सी, नई दिल्ली परिसर में व्याख्यान खंड का निर्माण, आईआईएमसी परिसर में रिक्त भूमि पर नये भवनों का निर्माण तथा आईआईएमसी परिसर ढेंकनाल में रिक्त भूमि पर नये भवनों का निर्माण तथा महाराष्ट्र, मिजोरम, केरल और जम्मू एवं कश्मीर राज्यों में संस्थान के नए चार क्षेत्रीय केन्द्रों की शुरुआत करना है।

इस योजना के भाग के रूप में, i) आइजोल, अमरावती, जम्मू और कोट्टायम में आईआईएमसी के चार क्षेत्रीय केंद्रों को कार्यात्मक बनाया गया है। ii) आईआईएमसी नई दिल्ली परिसर में, मौजूदा मुख्य ब्लॉक के ऊपर अतिरिक्त मंजिल बनाया गया है और शैक्षणिक ब्लॉक में कुछ बदलाव किए गए हैं। iii) ढेंकनाल में गेस्ट हाउस और फैकल्टी और स्टाफ क्वार्टर का निर्माण पूरा हो चुका है। iv) संस्थान को डीनोवो श्रेणी के तहत विश्वविद्यालय बनाने के लिए आशय पत्र प्राप्त किया गया है।

योजना के तहत अभी तक पूरा होने वाले काम में नए शैक्षणिक और प्रशासनिक ब्लॉक का निर्माण, लड़कों और लड़कियों के लिए छात्रावास और नई दिल्ली परिसर में गेस्ट हाउस शामिल हैं। रिज प्रबंधन बोर्ड, डीडीए आदि जैसे नागरिक प्राधिकरणों से विनियामक मंजूरी न मिलने से अभी काम शुरू नहीं हो सका है और इस मामले को आगे बढ़ाया जा रहा है। ढेंकनाल में लड़कों और लड़कियों के हॉस्टल जैसी अतिरिक्त निर्माण गतिविधियों को अंजाम दिया जाना बाकी है।

मीडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोग्राम

"भारतीय जन संचार संस्थान के नये क्षेत्रीय केन्द्र खोलने" की योजना को 12वीं पंचवर्षीय योजना में शामिल किया गया जिसके लिए 94.00 करोड़ रुपये की राशि का अनुमोदन प्राप्त हुआ, जिसमें से सरकारी अनुदान 90.00 करोड़ का है। आंतरिक संसाधनों के माध्यम से 4.20 करोड़ रुपये का उत्पादन किया जाना है। इस योजना के तहत प्रस्ताव में संबंधित राज्य सरकारों द्वारा आवंटित निःशुल्क भूमि पर आइजोल, अमरावती, जम्मू और कोट्टायम में आईआईएमसी के स्थायी परिसरों का निर्माण शामिल है।

आइजोल में, मिजोरम केन्द्रीय विश्वविद्यालय के परिसर में लगभग साढ़े आठ एकड़ भूमि आईआईएमसी को निशुल्क में पट्टे पर दी गई है। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी सीपीडब्ल्यूडी को 20.75 करोड़ रुपये के रूप में दी गई है। नए परिसर में एक अकादमिक-सह-प्रशासनिक ब्लॉक, एक छात्रावास-सह अतिथि गृह, 1 टाइप 5 क्वार्टर, 1 टाइप 4 क्वार्टर होंगे। इसके अलावा, परिसर में एक सामुदायिक रेडियो स्टेशन, सेमिनार हॉल और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा, टीवी स्टूडियो और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, वाटर स्टोरेज सुविधाएं, इलेक्ट्रिक सबस्टेशन आदि के प्रावधान हैं। शैक्षणिक-कम-प्रशासनिक ब्लॉक एक तीन मंजिला इमारतों में होगी।

संपूर्ण सिविल निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। सीपीडब्ल्यूडी अब बिजली, दीवार के निर्माण, प्रवेश द्वार और भूनिर्माण आदि पर कार्य कर रहा है। मुख्य सड़क मिजोरम सेंट्रल यूनिवर्सिटी द्वारा बनायी जा रही है।

महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय जन संचार संस्थान को अमरावती के पास बडनेरा में 15 एकड़ जमीन परिसर बनाने के लिए निःशुल्क प्रदान की है। भारतीय जन संचार संस्थान ने प्रोजेक्ट रिपोर्ट, भवन निर्माण और अन्य सामग्री की सूची के लिए सलाहकार की नियुक्ति कर दी है। निर्माण से पहले किया जाने वाला इलाके के तलरूप सर्वेक्षण का काम पूरा हो गया है। निर्माण कार्य के लिए सीपीडब्ल्यू-एआईआर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

जम्मू में, शहर के बाहरी इलाके में केरन, बंतलाब में 2016 के

दौरान जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा आईआईएमसी को लगभग 15 एकड़ भूमि निशुल्क में आवंटित की गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 3 फरवरी 2019 को आईआईएमसी जम्मू परिसर की आधारशिला रखी। निर्माण कार्य को सीसीडब्ल्यू-एआईआर को सौंपा गया है। अन्य परिसरों की तरह जम्मू परिसर में भी एक अकादमिक-सह-प्रशासनिक ब्लॉक, एक छात्रावास-सह अतिथि गृह, 1 टाइप 5 क्वार्टर, 1 टाइप 4 क्वार्टर होंगे। इसके अलावा, परिसर में एक सामुदायिक रेडियो स्टेशन, सेमिनार हॉल, और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा, टीवी स्टूडियो और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, जल संग्रहण सुविधाएं, इलेक्ट्रिक सबस्टेशन आदि के प्रावधान हैं।

अपने क्षेत्रीय परिसर की स्थापना के लिए भारतीय जन संचार संस्थाजन को केरल सरकार ग्राम पम्पाडी, कोट्टायम जिले में संस्थापन केन्द्र खोलने के लिए ने 10 एकड़ जमीन निःशुल्क उपलब्ध कराई है। निर्माण को सीपीडब्ल्यूडी को 14.50 करोड़ रुपये की परियोजना लागत के लिए सौंपा गया है। शैक्षणिक वर्ष 2019-20 से नए परिसर को चालू करते हुए निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। नए परिसर में एक अकादमिक-सह-प्रशासनिक ब्लॉक, एक छात्रावास-सह-अतिथि गृह, 1 टाइप 5 क्वार्टर, 1 टाइप 4 क्वार्टर और 2 टाइप 2 क्वार्टर हैं। इसके अलावा, परिसर में एक सामुदायिक रेडियो स्टेशन, सेमिनार हॉल, और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा, टीवी स्टूडियो और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, जल संग्रहण सुविधाएं आदि के प्रावधान हैं। हॉस्टल ब्लॉक में 48 छात्रों को डबल अधिभोग के साथ समायोजित करने की क्षमता है। इस ब्लॉक में तीन गेस्ट रूम और दो सुइट रूम भी हैं। पंपडी परिसर में पीने के पानी की कमी के कारण, आईआईएमसी को पीने योग्य पानी की आपूर्ति के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ी।

सुविधाएं

नेशनल नॉलेज नेटवर्क

वर्ष 2011-12 के दौरान, भारतीय जन संचार संस्थान को आधुनिकतम बहुगीगाबाइट वाले नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) से जोड़ा गया। इस नेटवर्क को देशभर की सभी ज्ञान संबंधी संस्थाओं के उच्च गति वाले एकीकृत नेटवर्क के तौर पर विकसित किया गया है। राष्ट्रीय ज्ञान का हिस्सा होने की वजह से संस्थान को 1जीबीपीएस या उससे भी अधिक तेज गति की इंटरनेट सुविधा प्राप्त है। इस प्रकार के ज्ञान तंत्र का उद्देश्य देश में ऐसे उच्च

स्तरीय संस्थान बनाना है जो आवश्यक शोध सुविधाओं और उत्कृष्ट स्तर के प्रशिक्षित पेशेवर पत्रकार मुहैया करवा सकें। तेज गति वाला नेशनल नॉलेज नेटवर्क विभिन्न परिवेशों और भौगोलिक विविधताओं से संबंध रखने वाले वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, संचारकों और विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण और उभरते हुए क्षेत्रों से संबंधित ज्ञान का प्रजनन और प्रसार करने में मदद करता है।

संस्थान के पास अपने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए असीमित कान्फिगरेशन्स और सॉफ्टवेयर संपन्न आधुनिक कम्प्यूटर और एनआईसी 2 एमबीपीएस बैकअप वाले ब्रॉडबैंड इंटरनेट कनेक्शन भी हैं। ये सुविधाएं संस्थान के ब्रॉडबैंड को तीन विभिन्न कार्यशालाओं के जरिए प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में सहायक होती हैं।

वीडियो स्टूडियो और एडिटिंग स्यूट्स

इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता के क्षेत्र में अपने छात्रों और प्रशिक्षुओं के बीच अच्छे ज्ञान के आधार को विकसित करने के उद्देश्य से, संस्थान में एक आधुनिक प्रोडक्शन स्टूडियो है, जो डिजिटल कैमरों और स्पेशल इफेक्ट्स से लैस है। संपादन कंसोल में I-Mac, FCP Mac-Pro डिजिटल वीडियो संपादन सूट और अन्य परिसरों में ऑन-लाइन डिजिटल वीडियो संपादन सिस्टम शामिल हैं। स्टूडियो का उद्देश्य छात्रों को डिजिटल कैमरों और नॉन लिनियर संपादन पर अनुभव प्रदान करना है जो आज टी वी चैनलों में सार्वभौमिक रूप से कार्यरत हैं। वर्ष 2018-19 के दौरान, आईआईएमसी ने इलेक्ट्रॉनिक समाचार सभा के लिए DSLR कैमरा और 4K वीडियो कैमरों के नवीनतम मॉडल का अधिग्रहण किया। डिजिटल वीडियो और नॉन-लीनियर एडिटिंग के लिए भी कैमरे, टेलीप्रॉम्प्टर मशीन और आईमैक भी क्षेत्रीय केंद्रों आईजोल, अमरावती, जम्मू और कोट्टायम में खरीदे गए हैं।

रेडियो प्रोडक्शन

रेडियो प्रसारण के लिए संस्थाशन के पास अलग ध्वनि संपादन, एफ एम और वॉयस ओवर स्टूडियो हैं, जिनकी मदद से रेडियो और टेलीविजन प्रौद्योगिकी का प्रशिक्षण दिया जाता है। इन विभिन्न आधुनिक उपकरणों और सुविधाओं का उपयोग शिक्षण कार्य को अपेक्षित रूप से प्रभावी बनाता है। संस्थान के पास रेडियो खबर एकत्र करने के लिए व्यावसायिक टेप, डिजिटल रिकॉर्डर, माइक्रोफोन और अन्य सहायक उपकरणों सहित आवश्यक

सुविधाएं हैं। ध्वनि स्टूडियो में आवश्यकता के अनुरूप समग्र सुविधाएं हैं :-

यामाहा 03डी फुल ट्रैक कन्सोल रिकॉर्डर।
स्टैंडबाय रिकॉर्डिंग के लिए सोनी 8 चैनल ऑडियो मिक्सर
MXP290-I
विशेषज्ञता सुविधाओं सहित एक छः चैनल वाला
ऑन-एयर कंसोल।
पोर्टेबल सोनी आईसी रिकॉर्डर्स जो एमपी-3 और डब्ल्यूएयर
एचवी ध्वनि प्रारूपों में सीधे रिकॉर्ड करते हैं।
श्योर माइक्रोफोन 58 एसएम।
कार्यक्रम निर्माण के लिए संपादन और रिकॉर्डिंग सुविधाओं
सहित एडोबे ऑडिशन सॉफ्टवेयर इकाइयां।
प्रसारण के लिए एक मिनिडिस्क प्लेयर, सीडी प्लेयर,
केसेट प्लेयर सहित मल्टीट्रैक टैसकैम।
विशेष प्रसारण उपकरण।

छात्रावास

नई दिल्ली परिसर में तीन छात्रावास हैं। इनमें छात्राओं के लिए रानी गाइडिन्ल्यू हॉस्टल, छात्रों के लिए भीमराव अंबेडकर हॉस्टल और आईआईएस प्रशिक्षुओं और अंतर्राष्ट्रीय स्कॉलर्स के लिए पी जे अब्दुल कलाम ऑफिसर्स हॉस्टल हैं। ढेंकनाल, कोट्टयम और आइजोल में भी छात्रावास की सुविधाएं विकसित की गई हैं। अमरावती और जम्मू में सीमित सुविधाएं दी जा रही हैं।

राजभाषा का प्रयोग

भारत सरकार की राजभाषा नीति के तहत इस वर्ष के दौरान संस्थान के कामकाज में हिन्दी के ज्यादा से ज्यादा प्रयोग पर बल देने पर खास ध्यान दिया गया। हिंदी के इस्तेमाल में लगातार बढ़ोतरी के प्रयास किए गए। संस्थान के कर्मचारियों को जरूरी प्रशिक्षण और प्रोत्साहन प्रदान करने पर जोर दिया गया। अपने दैनिक सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाने और राजभाषा हिंदी में काम करने की झिझक को दूर करने के लिए संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संस्थान में 1 से 15 सितंबर, 2018 तक "हिन्दी पखवाड़ा" मनाया गया। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इनमें संकाय के सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। संस्थान के ढेंकनाल क्षेत्रीय केन्द्र में 10-14 सितंबर, 2018 तक "हिन्दी सप्ताह" मनाया गया। संस्थान के अन्य क्षेत्रीय

केन्द्रों यानी अमरावती, आईजोल, जम्मू और कोट्टयम क्षेत्रीय केन्द्रों में 14 सितंबर, 2018 को "हिन्दी दिवस" मनाया गया।

सूचना का अधिकार अधिनियम।

आरटीआई अधिनियम, 2005 के तहत केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी

सुश्री एनिमा एक्का

सीपीआईओ और सहायक कुलसचिव, आईआईएमसी
अरुणा आसफ़ अली मार्ग, नई दिल्ली - 110067

Ph No. 011 - 2674 2505

प्रथम अपीलीय अधिकारी

श्री मनीष देसाई

अतिरिक्त महानिदेशक, आईआईएमसी

अरुणा आसफ़ अली मार्ग, नई दिल्ली - 110067

Ph No. 011-2674 1450

ई-मेल: adgiimc1965@gmail.com

शिकायत निवारण तंत्र

श्री मनीष देसाई

अतिरिक्त महानिदेशक

अरुणा आसफ़ अली मार्ग, नई दिल्ली - 110067

Ph No. 011-2674 1450

ई-मेल: adgiimc1965@gmail.com

UNDER THE "SEXUAL HARASSMENT OF WOMEN AT
WORKPLACE
(PREVENTION PROHIBITION AND REDRESSAL ACT, 2013)"
IIMC HAS CONSTITUTED AN
INTERNAL COMPLAINTS COMMITTEE (ICC)
FOR DELHI AND REGIONAL CENTERS
WITH THE FOLLOWING MEMBERS

Prof. Gita Bamezai

Chairperson

Ms. Monika Arora

Advocate, Supreme Court of India &
Non-Official Representative of ICC

Dr. Rinku Pegu

Member

Ms. Pratibha Sharma

Member

Sh. Pawan Kaundal

Male Member

If you face any encounter situation as a student or employee,
please send your complaint to Chairperson, Internal
Complaints Committee (ICC). Your complaint will be treated
in confidence. You may approach directly in person, in
writing or through e-mail.



INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION
ARUNA ASAF ALI MARG, NEW JNU CAMPUS
NEW DELHI-110067

आईआईएमसी प्रबंधन और संकाय सदस्य

2018-19

महानिदेशक	श्री के जी सुरेश
अतिरिक्त महानिदेशक	श्री मनीष देसाई, आईआईएस
डीन (शिक्षाविद)	श्री विजय परमार (31.10.2018 तक) प्रो गीता बामजई (1.11.2019 तक)
पाठ्यक्रम निदेशक – भारतीय सूचना सेवा (प्रशिक्षण)	श्री आशीष गोयल, आईआईएस (13.09.2018 तक) सुश्री ममता वर्मा, आईआईएस (14.09.2018 तक)
प्रोफेसर	प्रो मृणाल चटर्जी (ढेंकनाल)
	प्रो हेमंत जोशी
	प्रो मुकुल शर्मा
एसोसिएट प्रोफेसर	डॉ आनंद प्रधान
	डॉ सुनेत्रा सेन नारायण
	सुश्री शाश्वती गोस्वामी
	डॉ अनुभूति यादव
	डॉ सुरभि दहिया
असिस्टेंट प्रोफेसर	डॉ रिकू पेगू

IIMC EXECUTIVE COUNCIL

(01.04.2018 – 31.03.2019)

Chairman

Shri. Amit Khare, IAS
Secretary, Ministry of I&B

Member Secretary

Shri K G Suresh
Director General, IIMC

Members

Prof. Vijay Dharurkar
Vice Chancellor,
Tripura Central University, Agartala

Shri. Ali R Rizvi, IAS
Addl. Secretary & FA
Ministry of I&B, New Delhi

Prof. Makkhan Lal
Delhi Institute of Heritage, Research & Management
New Delhi

Shri Vikram Sahay, IRS
Joint Secretary, (P&A)
Ministry of I&B, New Delhi

Shri Rakesh Khar
Editor, Network 18
New Delhi

Shri Raveesh Kumar, IFS
Joint Secretary (XP)
Ministry of External Affairs, N Delhi

Ms. Smita Prakash
Editor-in-Chief,
ANI Media, New Delhi

Ms. Ishita Roy, IAS
Joint Secretary (Higher Education)
Ministry of HRD, New Delhi

Shri Hitesh Shankar
Editor, Panchjanya
New Delhi

Prof. Mrinal Chatterjee
Regional Director,
IIMC Dhenkanal

Shri M D Nalapat
Managing Editor,
Sunday Guardian, New Delhi

Dr. Anubhuti Yadav
Associate Professor
IIMC New Delhi

Dr. Rinku Pegu
Assistant Professor
IIMC New Delhi

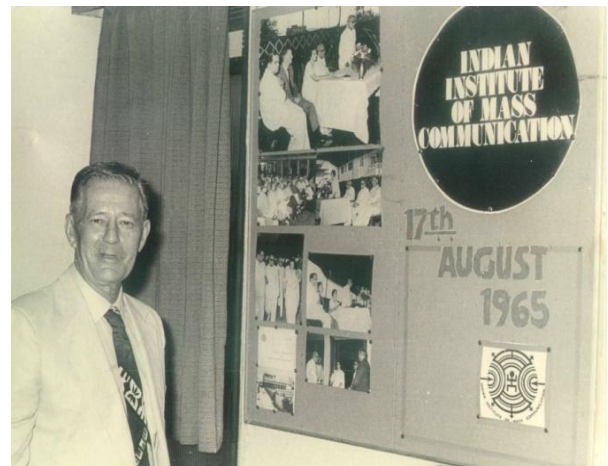
INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION

An Overview



The Indian Institute of Mass Communication (IIMC), came into existence on the 17 August 1965. It is registered as a Society under the Societies Registration Act, 1860. The Institute was established by the Ministry of Information & Broadcasting (I&B) with the basic objectives of teaching, training and undertaking research in the areas of mass communication.

The IIMC story began in the early 1960s, when the Government of India approached UNESCO, seeking help for establishing a platform to make effective use of communication for country's development. The plan also included establishing mass communication training platform in this part of the developing world. The blueprint, prepared by a team of communication experts headed by the US scholar Wilbur Schramm, often referred to as the "father of communication studies", led to the birth of IIMC in 1965.



In the first few years, the Institute organized training courses mainly for Central Information Service Officers and undertook research studies on a modest scale. In 1969, a major international

training programme, the Post-graduate Diploma Course in Journalism for Developing Countries, for mid - level working journalists from Non-Aligned nations was started. A number of specialized short courses were added subsequently by the Institute to meet the training needs of communication professionals working in various organizations.

In the past three decades, mass media has undergone a revolution of sorts, and its reach, access and impact have increased manifold. IIMC, too, has seen many changes and the Institute today, offers full fledged Post Graduate Diploma Courses.

Governing structure

IIMC is administered by a 50 Member Society, which is constituted biennially. Members of the Society are nominated by the Central Government from amongst social service organizations, educational institutions, eminent persons from public life etc. In addition to the nominated members, the Society has Ex-officio members from the Ministry of I&B, its Media Units and Information Departments of the State Governments etc.

The administration of the affairs of the Society vests in the Executive Council, which comprises 15 members. Apart from the representatives of the Ministry of I&B, Ministry of HRD and External Affairs, the members of the Executive Council consist of

representatives of educational institutions, eminent persons from public life and IIMC itself. The President of the Society is nominated by the Central Government from amongst the members of the Society. He/she is also the Chairperson of the Executive Council.

Finances

IIMC receives funds in the form of Grant-in-Aid from the Ministry of Information & Broadcasting based on a Memorandum of Understanding detailing Annual Action Plan for its performance and achievements under training, teaching and research in mass communication, training of Indian Information Service Officers, physical and financial progress of plan schemes being implemented etc. The PG Diploma course fees, IIS and short courses training fees, hostel rentals are the streams of internal revenue generation.

Academic and Training activities

IIMC as of now, conducts a number of Post-graduate Diploma Courses in Print Journalism, Radio & TV Journalism and Advertising & Public Relations. IIMC also organizes a Diploma Course in Development Journalism for mid-level working journalists from Asian, African, Latin American and East European countries on behalf of the Ministry of External Affairs, Government of India.

A number of specialized short-term courses, ranging from one week to four weeks, are also

organized especially for defence officers and police officers and to meet the ever-growing training needs of communication professionals working in various media, publicity and operational outfits of the Central and State Governments, as well as PSUs.

IIS Training Centre

IIMC functions as the Training Academy for the Indian Information Service Group A and B. It conducts a 9 months Induction Training Course for IIS Group A officers who are recruited through the UPSC Civil Services Examination and a 6 months Foundation Training course for Indian Information Service, Group B officers, who already possess academic qualification in mass communication and some work experience. Besides, the Institute also organizes Short term in service training for IIS Officers on contemporary topics of media and communication.

IIMC –Regional Expansion

With the growing popularity of the Institute's training activities and with a view to meet regional aspirations, IIMC in 1993, opened a Regional Centre at Dhenkanal, Odisha. The next phase of expansion of the Institute took place in the years 2011 -12 and 2012-13. In 2011, two new Regional Campuses of IIMC were opened at Aizawl (Mizoram) and Amravati (Maharashtra). In 2012, two more Regional Campuses of IIMC were opened at Jammu (J&K) and Kottayam (Kerala).

Communication research

IIMC is Asia's first Institute to have a dedicated Communication Research Department conducting research/ analysis and impact assessment studies for various Ministries & Government Departments. Research focuses primarily on government campaigns, impact analyses, feedback etc, providing quality inputs for strategizing government campaigns and communication programmes for their effective and wider reach to the people.

More than 200 research and evaluation studies have been completed since 1965 on various subjects and themes like Public health issues, Rural Development, consumer protection etc. for Ministries and UN Agencies etc.

Community Radio development

IIMC has a dedicated 'Community Radio Empowerment & Resource Centre' set up two years back with the objective of imparting training in content, technology and resource generation to working and aspiring community radio professionals. It also has an in campus community radio- 'Apna Radio' established in 2005, to proliferate and promote the growth of this highly effective medium of communication by providing practical exposure to the student community as also the local population. Programmes of academic and local interest are broadcast on 'Apna Radio'.

Faculty Development

In consonance with IIMC's vision to set global standards for media education, research, extension and training, the National Media Faculty Development Centre has been set up in IIMC. The Centre offers refresher courses to Mass Communication teachers of various institutions.

Publications

IIMC publishes two prestigious peer reviewed Quarterly Journals – viz : Communicator in English and Sanchar Madhyam in Hindi. The Publication Department of IIMC also publishes text books and monographs in the field of journalism and mass communication.

Media Library

IIMC Delhi has the largest specialized Library of media and mass communication publications in the country. It has collected over 45,000 volumes of books and bound journals on different aspects of mass communication and allied subjects such as print media, broadcasting, advertising, traditional media, communication research, public relations, radio and television, film, information technology etc. The library facility is used by students, Development Journalism scholars, officer trainees and faculty.

Communication challenges

Mass communication has undergone a paradigm shift in the last one decade greatly impacting the process of decision-making. It has rapidly acquired importance and

prominence and has become a major attraction for students pursuing different academic disciplines. The IT revolution sweeping the globe has significantly contributed to the expansion of mass media. It has also posed major challenges for students, teachers and practitioners of the discipline.

Accordingly, IIMC has been continuously revising its course curricula with the help of academic and industry experts, so as to effectively meet contemporary challenges. This enables the effectiveness of the Courses being run by the Institute relevant to the needs of the market and the society. IIMC's rich course content and the industry oriented approach has helped it to be consistently ranked as a top Media and Communication Institute in the country across different surveys published by leading newspapers and magazines.

Contribution of IIMC

IIMC has been at the forefront of preparing trained communication professionals in the country. More than 8,000 students have obtained PG Diplomas of IIMC till date and a number of IIMC alumni have carved a niche for themselves in media and public communication sphere occupying leadership positions. IIMC has also trained over 1500 foreign nationals from the developing world. Some of the former Development Journalism scholars are holding top communication positions in their respective countries in Asia and Africa today. IIMC has also imparted

training to over 500 Group A and officers of the Indian Information Service.

IIMC as a Deemed University

With a view to establish a “Communication University” in the country with particular emphasis on communication technology, IIMC had applied for ‘Deemed to be University under De-Novo Category’. The Ministry of Human Resources Development, vide its letter dated 15 November 2019 has issued the Letter of Intent to IIMC for becoming a Deemed University under the De Novo Category on the recommendation by a Committee set up by the University Grants Commission.

Under the terms of the Letter of Intent, IIMC has to fulfill following conditions by November 2021. i) Establish 5 New Departments and start 5 New Masters Degree

courses in identified niche / emerging fields.

ii) Recruit adequate number of faculty with prescribed qualifications for each Department as per the UGC (Institutions Deemed to be Universities) Regulations 2016 (now 2019).
iii) Appoint Registrar, Finance Officer, Controller of Examination and such other officers of the Institution as prescribed. iv) Amend its Memorandum of Association and Bye Laws in accordance with UGC Regulations. v) Set up Board of Management, Academic Council, Finance Committee, Planning & Monitoring Board etc. as per UGC requirements.

IIMC proposes to introduce new courses in. i) New Media Communication, ii) Health Communication, iii) Media & Communication Governance, iv) Community Media, v) Folk and Traditional Media. These courses are to be introduced over period of next three years.



POST-GRADUATE DIPLOMA COURSES

Since its inception, IIMC has carved out a special niche for itself in the area of media and communication education through its continuous, relentless efforts aimed at improving the content and delivery mechanisms of its teaching and training activities.

Presently, IIMC offers following PG Diploma Programmes, which are immensely popular among students.

Course name	Intake	Centres
PG Diploma in English Journalism	68 68 17 17 17 17	IIMC New Delhi IIMC Dhenkanal IIMC Aizawl IIMC Jammu IIMC Amravati IIMC Kottayam
PG Diploma in Hindi Journalism	68	IIMC New Delhi
PG Diploma in Radio & TV Journalism <i>(Bilingual – English & Hindi)</i>	51	IIMC New Delhi
PG Diploma in Advertising & PR <i>(Bilingual – English & Hindi)</i>	77	IIMC New Delhi
PG Diploma in Urdu Journalism	17	IIMC New Delhi
PG Diploma in Odia Journalism	25	IIMC Dhenkanal
PG Diploma in Marathi Journalism	17	IIMC Amravati
PG Diploma in Malayalam Journalism	17	IIMC Kottayam

Admission to IIMC's PG Diploma courses is through a national level competitive entrance examination comprising a descriptive written test followed by Group Discussion and Interview.

A total 6491 candidates applied for the Entrance Examinations for different courses. The All India Entrance Examinations for the above courses were conducted on 26 -27 May 2018 in 20 cities across the country at New Delhi, Ahmedabad, Aizawl, Amravati, Bangalore, Bhopal, Chennai, Dehradun, Dhenkanal, Guwahati, Hyderabad, Jammu, Kolkata, Kottayam, Lucknow, Mumbai, Patna, Raipur and Ranchi. The Interviews/Group Discussions were held between 29 June -2 July 2018 at Delhi and regional campuses for Language Journalism courses. The final result of all PG Diploma Courses was declared on 16 July 2018 and the academic session began on 30 July 2018.

The PG Diploma courses offered by IIMC represent a meaningful blend of classroom teaching, duly supplemented by practical orientation through rigorous exercises, lab journals, projects, field visits, etc. This is intended to equip students with the skills needed for success in their careers. The courses, besides providing a perspective, aim at defining the role of media professionals in society.

The curricula of the courses are continually reviewed and revised by incorporating emerging trends and technologies in the rapidly developing field in order to maintain the relevance of the courses even in changed circumstances. While designing the courses, the diverse requirements of industry are also kept in view, so as to make the students

aware of the field realities, as well as ethical considerations.

The Institute also assists its students in securing internships that usually lead to gainful employment in Newspapers, TV Channels and Media Houses, as well as Advertising and Public Relations Agencies after completing their courses, through campus placements.

English Journalism

PG Diploma Course in English Journalism, launched in 1969, is designed to train young students on the various aspects and techniques of journalism in order to make them professional journalists. This nine-month course is intense, rigorous and practical oriented, which focuses on developing the skills and vision in students. This course is offered in New Delhi, Dhenkanal, Aizawl, Jammu, Amravati and Kottayam.

English Journalism in New Delhi campus

In the year 2018-19, 62 students were given theoretical and practical training in print, electronic, development and digital media. Apart from media, they were also given insight in the field of Advertising, Public Relations, Public Health Communication, Media laws and Documentary Making. They were trained on Writing for Media, Editing, Designing and Layout, Newspaper and Magazine Production, Television and Radio

Production and latest software and techniques used in the industry.

Lab Journals



Lab Journals were produced as a part of their curriculum on various topics by the students in groups. The 2018-19 batch English Journalism students published niche lab Journals “*The Custodian*” (on defence matters), “*The Catalyst*” (science), “*Unnati*” (on development issues), ‘*Global Post*’ (on International issues and ‘*Umang*’ (on child rights and public health). The students also bought out the bi-annual newsletter ‘EJ Chronicle’. Dr. Surbhi Dahiya, Associate Professor was the Course Director of English Journalism during 2018-19

Workshops

During 2018-10 the English Journalism Department organized special workshops on emerging technologies specifically on Mobile Journalism, Data Journalism, Artificial Intelligence, AR/ VR, Visual Communication, Documentary Making, Photo Journalism, Digital Story Telling, Public Health Communication, Writing for Social Media, Reporting etc.

A special workshop on “*Drone Journalism*” was organized by the EJ Department under the mentoring of Group Captain M.J. Augustine, Squadron Leader (retd.) Varsha Kukreti and veteran journalist Rohit Gandhi.

The EJ students also organized “*Satrangi*” an interactive session to commemorate the scrapping of section 377 of the IPC by the Supreme Court.



Award winning US journalist Ms. Linda Roth who is currently the Vice President at Wilson Centre, Washington D.C, delivered lectures for EJ students. Ms. Gyesha Gonzalez the Associate Director of Eurasia centre of the Atlantic council, interacted with EJ and RTV students on the subject “*Media literacy and digital disinformation*”. A noted New York based journalist Chike Frankie Dozien delivered a lecture on “*Challenges, Issues & Ideas in covering the World*”. Selma Hadzihallovic from Bosnia who is also the head of the CURE Foundation conducted an interactive session with EJ students on Human rights issues.

Likewise, Mr. Nikunj Garg, Editor, Internal Security at “Times Now” interacted with the students and discussed how the Indian security agencies function. Prof. Parvez Alam, Director of Cine Ink and former BBC Journalist gave insights on how to do stories on public health using social media sites and also on Instagram, Facebook and Twitter.

Other workshops organized by the EJ Department during the year included ‘Cartooning and Caricature Making’, ‘Comic journalism’ ‘MeToo movement’ and ‘Mobile Journalism’

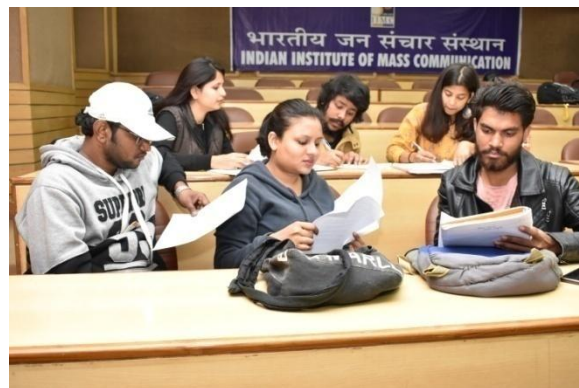
12 students from EJ department participated in the 3 billionth meal event organized by Akshaya Patra Foundation in New Delhi, which was graced by Prime Minister Shri Narendra Modi and the Chief Minister of Uttar Pradesh, Yogi Adityanath.

The department also emphasized on other group activities, such as making websites, producing radio and TV bulletins, creating digital stories etc. Students also got an opportunity to work in Apna Radio 96.9, IIMC’s in house community radio station.

(activity details of other centres listed under respective regional campuses)

Hindi Journalism

The PG Diploma Hindi Journalism was started in 1987 to cater to the growing need of skilled and professionally trained media professionals for Hindi newspapers,



magazines, TV and radio. With the growth and expansion of new media in India, this course quickly adapted to include digital platforms in its curriculum. The primary focus of the course is to impart theoretical knowledge and professional skills required in the processes of news gathering and its production and dissemination. Presently, the Hindi Journalism course is being offered in the New Delhi campus. During the year the course had an intake of 61. Dr. Hemant Joshi, Professor was the Course Director of Hindi Journalism during 2018-19

Like other PG Diploma Courses, Hindi Journalism also focuses on multi-disciplinary course content. While students are taught their core subjects in detail, they are also given adequate exposure to other allied fields like Advertising & Public Relations, Cyber Journalism, Newspaper management etc.

To partially offset the impact of the growing trend of commercialization of the media, concerted efforts were made to impart training in Development Communication in accordance with the mandate of the Institute.

The students also took keen interest in the Institute's community radio station and produced programmes for it in groups. One of the highlights was the radio report prepared by the students on the 'Surajkund Crafts Mela' held in February 2018.

A special computer lab for Hindi Journalism to produce lab newspapers was setup in 2013 by acquiring latest integrated news editing system presently used by the news organizations. Students were given hands-on-the job training in reporting and editing. The students produced their own lab journals on "News Wrap" using the Adobe InDesign publishing software. All together the students of Hindi Journalism produced 16 lab journals, individually and in groups.

The Department is also moving towards paperless training and students are encouraged to submit their assignments on network shared by students and teachers.

Dr. Hemant Joshi, Professor was the Course Director of Hindi Journalism during 2018-19

Urdu Journalism.

Started only two years ago in the New Delhi campus, the PG Diploma Programme in Urdu Journalism aims to train students who can contribute towards enriching the state of Urdu Journalism in India.

This year a new practice for training was adopted and the trainees of Hindi and Urdu journalism courses participated in the

combined classes in the morning sessions and did their language specific work in the afternoon shift, as the student intake was only six. Students of Urdu Journalism, like their contemporaries in other streams, also underwent practical training in reporting, news production etc.

Dr. Hemant Joshi, Professor was the Course Director of Urdu Journalism during 2018-19

Radio & TV Journalism



PG Diploma in Radio & TV Journalism was launched in 1997 with the objective of developing competence in creative communication through spoken word and visuals. The broadcasting sector, which witnessed massive expansion with the emergence of private TV channels, needed trained manpower to assume new responsibilities. Accordingly, the IIMC's PG Diploma course in Radio & TV Journalism (RTV) was formulated to give a thorough grounding in mass communication, while at the same time equipping students with practical training in news skills of radio and TV reporting, anchoring, production and presentation.

This course is presently being offered in the New Delhi campus only. Shri K G Suresh, Director General was also the Course Director of Radio & TV Journalism during 2018-19. He was assisted by Shri Rajendra Chug and Ms. Vishnupriya Pandey as Course Coordinators.

During the Academic Year 2018-19, 44 students took admission for this course, undergoing rigorous class room teaching and lively practical training, conducted by IIMC faculty and prominent media professionals.

Workshops and Symposia

A special Two day workshop on 'TV News Reporting & Anchoring' was conducted in February 2019, by Sayeed Ansari and Vikas Gupat of Aaj Tak, Himanshu Shekhar, NDTV and Linda Roth, visiting faculty from the United States.

Another Two Day Workshop on 'Visual Story Telling & Photo Journalism' was organized by Tabeenah Anjum Qureshi, Bureau Chief, The Tribune, also in February 2019, while Qamar Waheed Naqvi of Aaj Tak conducted a Five Day Workshop on 'TV Script Writing'

A Symposium on 'Current projection of Kumbh by Media' by IIMC & Religion World was organized on 7 February 2019.

'Business Reporting in Hindi', 'Legal Reporting', 'Cultural Communication', 'Digital Story Telling' were other topics that were

covered through special lectures during the academic year.

Apart from this, RTV students participated in the Manav Rachna Film Festivals where they won the Best Short Film award for their production 'We the People'. An RTV student Garen Panor was adjudged the Best Actor (Female) in the Short Film '1311 Kms'.

Awards

The RTV students were taken on a visit to Doordarshan News, News Services Division of All India Radio and BBC World News (Hindi/Urdu, Delhi Office) in order to provide them a first - hand experience of the Radio/TV newsrooms. Their field assignments included the coverage of the Surajkund Crafts Mela and a visit to NGO Goonj, run by the IIMC alumni.

Advertising & Public Relations

PG Diploma in Advertising & Public Relations was introduced in 1981, to impart skills in marketing communication, advertising, public relations and corporate communications. Strong focus on the contemporary and progressive pedagogy with well deliberated course structure that harmonizes best of the classroom teaching with industry exposure remains the hallmark of the PG Diploma Course in Advertising and Public Relations.

The PG Diploma Course in Advertising and Public Relations offered in the New Delhi campus, had 71 students in the year 2018-19.

The students underwent rigorous teaching, training and hands-on-skill enhancement exercises through out the year. As in the past, some of the best faculty from the industry was drawn upon to augment teaching, along with the in-house faculty. The students worked on many live brands, tracked media and did simulations in crisis management, brand building, CSR etc. Dr. Anubhuti Yadav, Associate Professor was the Course Director of Advertising & PR during 2018-19

The students worked on important advertising campaigns. The topics explored in the campaigns were Delhi Tourism, Ministry of Railways, Child Rights, Misinformation and Fake News etc., For campaigns, students were mentored by Mr. Sam Rufus, Mr. Sanjay Tiwari, Mr. Abhik Chaudhary and Mr. Amit Gundh, who are veterans in the field of mass media.

Advertising and Public Relations Department organized several workshops to enhance students' learning experience.

Workshops

- Workshop on '*Story Telling through Comics*' by Grassroot



comics. The session was conducted by Shri. Sharad Sharma on Oct 19, 2018. The theme of the workshop was "Media: As we see it".

- Workshop on Photography and Mobile Communication was conducted by Shri .Vishal Arora on Feb 20, 2019.
- Workshop on Infographics was organized by Shri. Saurabh Parmar on Sept 24, 2018.
- Two-day workshop on Startups and Entrepreneurship in Mass Media for students of Advertising & Public Relations and Radio & Television Department was conducted on Feb 20-21, 2019.
- Workshop on "Advanced Social Media Insights" was organized by Ministry of Ayush in collaboration with the department of New Media.

Magazine:

For the first time, the students of Advertising & PR brought out a magazine titled 'The Baton'. It was released on Dec 12, 2018 by Dr. Sadhana Rout, Director General, Publications Division.



New Media & IT

The Department of New Media organized various workshops for the students of English Journalism, Hindi Journalism, Radio and Television and Development Journalism to create an understanding of New Media and develop digital skills to prepare media messages in a wide variety of forms. The department organized following workshops in the year 2018-19.

1. Workshop on Fact checking and Verification was conducted for Journalists from 20 different countries under Indian Technical and Economic Cooperation Programme (ITEC) from the Ministry of External Affairs, Govt. of India on September 13, 2018.
2. Workshop on Emerging Trends in Media and Fact checking was conducted for the Students of Radio and Television on September 25, 2018.
3. Workshop on Fake News and Verification was conducted in the National Conference on Impact of Digital Media at MGR Engineering College, Chennai on Oct 7, 2018.
4. Workshop on Fact checking & Verification in a Seminar on Information and Cyber Security was organized at MCU, Bhopal Dec 2, 2018.
5. Workshop on "Tracking Fake News in Social Media" which focuses on tracking the real was conducted at

Centre for Culture Media & Governance, Jamia Milia Islamia, New Delhi.

6. Session on Fact-checking was organized for the officers from armed forces during a conference on Face book Soldier on Nov 13, 2018, Wellington.
7. Workshop on 'Advanced Social Media Insights' organized for the Ministry of AYUSH in on December 22, 2018.

Dr. Anubhuti Yadav, Associate Professor headed the New Media & IT Department during 2018-19.

Placement Report 2018-19

The IIMC Placement fortnight for the PG Diploma students of 2017-2018 batch was held from 15 April -1 May 2018. In all, 51 companies/ organizations participated during the placement fortnight. A total of 232 students from all regional centres including Aizwal, Amravati, Dhenkanal, Jammu and Kottayam along with New Delhi campus participated in the campus recruitment process. Prominent among those who participated in the IIMC Placement Drive were Times of India, Business Standard, Business World, DD News, Network 18, Zee Media, India News, Radio Mirchi, Live India, Madison World, Contract Advertising, Edelman PR, TCS, Accenture, NTPC etc. Nearly 70% of the students who participated, secured letters of appointment during the placement fortnight.

CONVOCATION



The 51st Convocation of IIMC was held on 7 December 2018. The Speaker of the Lok Sabha Smt Sumitra Mahajan, who was the Chief Guest, delivered the convocation address.

In all, 333 students were conferred Post Graduate Diplomas by the Chairman, IIMC and Secretary I & B Shri Amit Khare. These included 136 in English Journalism, 64 in Advertising & PR, 45 in Hindi Journalism, 41 in Radio & TV Journalism, 16 in Odia Journalism, 15 in Marathi Journalism, 11 in Malayalam Journalism, 5 in Urdu Journalism.

On this occasion 12 students of Sanskrit Journalism also received their Advanced Certificates. The Sanskrit Journalism course is conducted in collaboration with the Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi/

In her Convocation Address, the Lok Sabha stressed on value based journalism and said “media draws enormous power, but it also has responsibility of shaping a good society.” She appreciated the encouragement being given to journalism courses in Indian Languages, observing that communication becomes most effective when it is undertaken in one’s own language.

Various medals and awards were also presented to top performing students during the 51st Convocation Ceremony.

Award list of PG Diploma Courses 2017-18

IIMC New Delhi

English Journalism,

IIMC Award	Ms Shikha
The Hindu Award	Ms Priya Keswani
Deccan Herald Award	Ms Supriya Bhaskar

Hindi Journalism , New Delhi

Name of the Award	Recipient
<u>IIMC Award</u>	Mr. Rishabh Kumar Sharma
PTI Award	Mr. Deepak Kumar
Pt. Banarasi Das Chaturvedi Award	Mr. Ashish Kumar
Shri Ashok ji Puraskar	Ms. Neelam Gurve

Urdu Journalism

IIMC Award	Mr Gholam Jilani
------------	------------------

Post-graduate Diploma Course in Radio & TV Journalism

IIMC Award	Mr Shashvat Jain
ZEE TV Award	Ms Anmol Jain
TV Today Award	Ms Shivani
CNN Award	Ms Sugandha
ZEE TV Award	Ms Aishwarya Awasthi
Prasar Bharati Award	Mr Karan Pande

Advertising and Public Relations

IIMC Award	Ms Vanshika Vijn
Shri Achin Ganguly Memorial Award	Ms Tripti Mandal
Shri Anil Basu Memorial Award	Ms Rasshe Goswami
PRSI Award	Ms Mehak Srivastava
PSPRF Award	Ms Tanya Mukherjee
Baba Saheb Dr B R Ambedkar Award	Ms Sameeksha Thakur

IIMC Dhenkanal

English Journalism,

IIMC Award	Ms Dharini Mudgal
Baba Saheb Dr B R Ambedkar Award	Ms Shephali Singh
NALCO Award	Mr Reshop Sahu

Odia Journalism,

IIMC Award	Ms Sujata Sahoo
Baba Saheb Dr B R Ambedkar Award	Mr Abhishek Behera
Dr Harekrushna Mahtab Memorial Award	Mr Ashutosh Baral

IIMC Aizawl

English Journalism

IIMC Award	Mr Aditya Mahendra Gautam
------------	---------------------------

IIMC Amravati

English Journalism

IIMC Award	Ms Muskan Aggarwal
------------	--------------------

Marathi Journalism

IIMC Award	Ms Nandini Narewadi
------------	---------------------

IIMC Jammu

English Journalism

IIMC Award	Mr Anurag Sharma
------------	------------------

IIMC Kottayam

English Journalism

IIMC Award	Mr Shadab Akhtar Rabbani
------------	--------------------------

Malayalam Journalism

IIMC Award	Ms Bijin Samuel
------------	-----------------



On the day of the Convocation, Hon'ble Speaker of the Lok Sabha also unveiled the plaque declaring the main arterial road of IIMC as 'Atal Bihari Vajpayee Marg'

Development Journalism

In 1969, IIMC started a major international training programme, the Post-Graduate Diploma Course in Journalism for Developing Countries, for middle level working journalists from Afro-Asian countries, to meet the requirements of the Non-Aligned countries in the context of the imbalance and distortion in news coverage. This is one of the premier courses under the ITEC/SCAAP and Colombo Plan schemes of the Government of India. The Development Journalism Course is an endeavour towards promoting international cooperation and understanding, especially among countries of the Developing World, through the exchange of experience, expertise and innovations in the field of harnessing communication as a tool of development. Over the years, IIMC has trained over 1,600 foreign journalists from 127 countries, ranging alphabetically from Afghanistan to Zimbabwe.

During 2018-19, IIMC conducted two 4 months Diploma Programmes in Development Journalism. The first batch was from 1 August – 30 November 2018 and the second batch was from 1 January – 30 April 2019. All together 43 mid-career journalists from 27 countries from Asia, Africa, Europe and South America attended the 70th and the 71st Development Journalism course during the Academic Year 2018-19.

The details are as follows.

Country	70 th Course	71 st Course
Afghanistan	2	1
Bhutan		1
Bolivia		1
Burundi	1	1
Colombia		1
Cuba		1
DPR Congo	2	
Egypt	1	1
Ethiopia		1
Fiji		1
Ghana	1	
Kyrgyzstan		1
Mauritius		2
Mangolia	1	
Nepal	1	1
Niger		1
Nigeria	3	
Russia	1	1
Sierra Leone	1	
Sri Lanka	2	
South Sudan	2	
Tajikistan	2	
Tanzania		1
Tunisia	1	
Uganda	2	1
Zambia		1
Zimbabwe	1	1

Besides contemporary pedagogy, the participants were introduced to India as a nation and as a cultural entity. The participants undertook study tours to Agra, Jaipur and Dharamsala during their stay in

India, besides participating in various Indian festivals like Deepavali, Christmas, Holi etc.

The Validictory function of the 69th Development Journalism Course was held on 27 April 2018. Minister for Information & Broadcastnig and Textiles, Smt. Smriti Zubin Irani was the Chief Guest and presented Diplomas to scholars from 16 countries.



DEPARTMENT OF COMMUNICATION RESEARCH

Research Activities during 2018-19

The Department of Communication Research (DECORE) focuses on the systematic study of communication and media as an integral part of the Institute's academic pursuits. Being a premier Institute in the field of journalism and mass communication, research efforts are directed to analyze policies in the context of mass media and communication programmes and their impact on salient development issues.

DECORE has established a benchmark of research in communication in last 54 years with more than 200 research studies ranging from health, political elections, multimedia campaigns, social justice and empowerment, non conventional energy, environment and agro chemicals, film censorship, HIV/AIDS, out-migration, empowering Panchayati Raj and more. The study and evaluation of media campaigns by media units of the Ministry of I&B and other ministries is a consistent feature of DECORE's research programme.

DECORE primarily works through a system of collaboration with professional communicators, academicians and researchers—who collaborate on research initiatives, educational offerings, and the establishment of standards and best practices.

A) National Research Projects

Expanding Readership and Circulation: A Study of Readership and Market of DPD Journals

Commissioned by Directorate of Publications Division, Ministry of Information and Broadcasting

The broad aim of the study was to evolve a viable marketing strategy to maintain the existing subscribers, expand readership, improve sales, and to identify alternate and collaborative solutions for integrated promotional avenues for increased sales of DPD journals.

Specifically, the study assessed the awareness of the readers about DPD Publications (Employment News, Yojana, Kurukshetra, Ajkal, Bal Bharati, DPD books, etc) and on-line and off-line preferences of readers/subscribers. In order to pave way for increased subscription and business expansion, the existing channels for circulation of DPD journals and gaps and constraints in the distribution and circulation of DPD Journals were also assessed. Feedback and suggestions of readers & subscribers of DPD journals (offline & online) were collated for formulating action plan for improved visibility, accessibility and readership of DPD journals in the country.

B. On going Research Projects

National Study On Women In News And Entertainment Media In India

Commissioned By Indian Council of Social Science Research (ICSSR), New Delhi

The study aims to examine the **portrayal of women in** news and entertainment media, both offline (Traditional) and online (Digital) and position of Women in terms of job

opportunities, roles and working conditions. The study discusses the role of media in reinforcing the social-cultural stereotypes among media consumers, and measures the gender sensitiveness of news and entertainment media organizations in India. The study assesses the gender focus and gender issues in the existing curricula in media schools/training institutes in India, and highlights the gaps in gender sensitive policy and guidelines in the media related laws.

IIMC has been designated the mentor and master trainer for the UNESCO-SWAN Regional Baseline Study Project On Women In Media covering 9 countries of South Asian region. A **Five-Day South Asian Regional Training And Consultation Workshop On Research Methodologies** was organized from 1-5 May 2018. The participating countries of Bangladesh, Nepal, Maldives, Sri Lanka, Afghanistan, India, Bhutan and

Myanmar were represented by their research teams.

The principal objectives of the Regional Consultation and Training Workshop were following:

- 1) Providing training to the country teams on the Baseline Study Research Methodology to ensure that the research study undertaken by each country aligns with the Objectives of the Baseline Study Project.
- 2) Analyze Secondary Research data completed by participating countries,
- 3) Revisit the programme of activities and timelines for conducting primary field-research of the Baseline study by the participating countries.

Commemorative Volume On 50 Years Of Communication Research: A Compendium Of 50 Years Of IIMC Research Studies From 1965- 2015 in the digitized form is being prepared as part of Institute's own project



(IIMC-ISID team involved in the UNESCO-SWAN research project on 'Women in Media')

IIS Training



Since its inception in 1965, IIMC has been functioning as the Training Academy of the Indian Information Service, then known as the Central Information Service. It imparts induction training for the IIS Group A Officers, who are recruited through the Combined Civil Services Examination by the UPSC. It also conducts the Foundation training for IIS Group B officers, who are recruited on the basis of some prior journalistic experience.

Through extensive consultations, the training programme of IIS officers, who act as a link between the Government and the people, has been revamped and broad based to give an overview of Government's functioning and its communication set up, grasp the big picture

of the media industry in India as well understand the nuances of public communication.

The two years Induction Training Programme for IIS Group A, follows the sandwich training model. The Officer Trainees (OTs), who join the IIMC after completing their Foundation Course, undergo 9 months Professional Training in Public Communication at the Institute. This phase of training programme incorporates classroom lectures, practicals, simulation exercises, site visits, tours and attachments and interaction with senior government officials and key media professionals. The new thrust is on digital, but the basic foundation of good written and

oral communication skills are never forgotten.

After completion of 9 months of training at IIMC, the OTs are attached with different media units of the Ministry of Information & Broadcasting to gain hands-on-the-job exposure. Each OT generally spends 3-4 months each with three different media units connected with information dissemination, outreach and broadcasting.

After completing their 10 months On-The-Job training, the OTs return to IIMC for a brief Phase II training. During this programme, the learning outcomes of each of the OT is assessed on the basis of presentations made, projects handled and reports prepared. Upon passing out from the IIMC, the Officer Trainees are posted to different media units by the Ministry of Information & Broadcasting.

Training Programmes during 2018-19

IIS Group 'A' 2017 batch

15 IIS Group 'A' OTs from the batch of 2017 completed their 9 months ***Induction Training in Communication and Media*** on 05th October 2018. The important elements of their training were outstation assignments like 10-day Defence attachment with the Assam Rifles and Conservation studies on wild life & social forestry, 4-week appreciation course on the craft of film making at FTII Pune. Training for this batch concluded with a three week All India Study

Tour in which the Officer Trainees visited remote places in border areas, interacted with local communities in collaboration with social organizations, including a day long engagement with National Institute of Rural Development and Panchayati Raj at Hyderabad. During the course of their training officer trainees were exposed to specially designed modules with media units like Doordarshan, All India Radio, Bureau of Outreach Communication and the Press Information Bureau.

The 2017 batch of OTs also had the distinct opportunity of participating in the 15th Asia Media Summit hosted in India for the first time by the I & B ministry from 10 -12th May, 2018

The OTs of 2016 and 2017 batch led by Secretary, Information & Broadcasting, Govt. of India Shri Amit Khare called on the Hon'ble President of India Shri Ramnath Kovind at the Rashtrapati Bhavan on 17 September 2018. The President asked the officers of Indian Information Service to ensure that information about the government programmes and schemes reached citizens living in the remotest parts of the country.

As part of a new initiative, a five day study tour to UK was organized for the OTs of 2017 batch in collaboration with the Thomson Foundation, London. During this study tour, the OTs were exposed to communication environment in the first world through visits to various parliamentary institutions,

regulatory bodies, media houses, including BBC. The Officer Trainees also visited the India House and had interaction with senior Diplomatic officials of the Indian High Commission in London.

IIS Group 'B'

In 2018, six Officer Trainees of IIS Group 'B' of 2016 batch also completed their 6-month **Foundation Training in Communication and Media** on 31 July, 2018. For the first time in their foundation training a one week module on the craft of film making at FTII, Pune was introduced.

IIS Group 'A' 2018 batch

21 Officer Trainees of 2018 batch are currently undergoing their Induction Training at IIMC. The batch comprises 7 women and 14 men OTs. 18 other candidates selected for IIS 2018 batch have opted to avail of the Extraordinary Leave, which was introduced for IIS during the year by the Ministry of I&B.

Module based training has been introduced in the IIS Induction Course, and the OTs have

been given exposure to various aspects of public communication through class room teaching, practical assignments, syndicate projects, presentations etc.

As part of their training and exposure programme, the OTs have undergone a two-week attachment with the Assam Rifles in Shillong, Conservation studies on wild life & social forestry among others.

IIS OTs participated in the **Inter-Services Meet** held under the auspices of the Lal Bahadur Shastri Academy of Administration, Mussourie in March 2018. Ms. Pragya Deora, a visually challenged Officer Trainee won the Silver Medal in Management Games.

Mid level and senior officers' training

During 2018-19 IIMC coordinated a 7 day training programme in Contemporary Issues in Public Communication at the Goldman School of Public Policy, University of California, Berkeley, USA. 22 mid-level and senior officers of the Indian Information Service of Director and Addl. Director General rank, attended the training programme.



Short Courses

Since its inception, IIMC has been in the forefront of offering short term training programmes in communication, public relations and research for officers and staff of the armed forces, central and state government departments, PSUs and others.

During 2018-19 IIMC conducted a number of short courses as per the details given below.

Short Term Courses Department

- Videography Course for JCOs/NCOs (Junior Leaders) of Armed Forces. 2-27 July 2018. 15 participants.

- Media Communication Course for Senior Officers (Brig/Col/Equiv). 19-30 November 2018. 14 participants

- Course in Media Communication for Officers of Media & Staff /PRO/Instructor. 03-21, December 2018. 15 participants

- Media Communication Course for Middle Level Officers (Maj/Lt Col/Equiv). 7-18 January 2019. 20 participants

- Media Communication Course for Senior Officers (Brig/Col/Equiv) – 2nd Batch. 21 January – 1 February 2019. 14 participants.

- One week Media Communication Course for Public Relation Officers of the National Academy of Defence Production was organized from February 4 - 8, 2019 in which 20 officers participated.

- Media Communication Workshop for General Officers. 11- 15 February 2019. 15 participants.

- Course in Media Communication for Officers of Media & Staff /PRO/Instructors, 2nd Batch. 25 February -15 March 2019. 15 participants.

Workshop for Bangladesh FTI students

- A 4 days' *International Workshop on Techniques of News Production* for the students of Bangladesh Film & Television Institute was organised by the Department of National Media Faculty Development Centre of IIMC from 11-14 February. 2019. Total 9 students participated in the Workshop.

FTII-IIMC Joint Short Courses

IIMC has joined hands with the Film & Television Institute of India, Pune to offer short term courses in various aspects of film appreciation and production, primarily for

film enthusiasts in Northern India. However, most courses have seen participation from other parts of the country as well.

- IIMC in collaboration with FTII conducted three short courses in IIMC Campus in Delhi on Digital Cinematography, Screen Acting and TV Fiction Writing from during July 2018. Each course had an intake of 25 participants.

- FTII-IIMC joint weekend course on Appreciation of Song Picturization in



Indian Cinema was held on 15-16, December 2018. 44 participants from nine different States of India participated.

Other short term courses

- A fortnight long **Radio Production Course** was organized during June 2019. 11 prospective Radio Jockeys successfully underwent training learning nuances of radio presentation.



Workshops & Symposia

National Seminar on Indian Language Journalism

IIMC organized the National Seminar on “The State of Indian Language Journalism and Training” on October 28-29, 2018. The Seminar sought to render a generous contribution to the existing body of knowledge in the field of Indian language journalism and training. Through 25 papers and varied discussions and debates that took place in 9 sessions and 3 plenary sessions, the seminar generated a concrete body of knowledge pertaining to the Indian language journalism. Keeping in view the pre-set objectives, the seminar essentially dealt with the aspects of the growth trajectory of India language journalism and Indian language public spheres at large. Under the following themes the body of discourse was generated:

- The Idea of Journalism in Indian Language: Prospects and Challenges
- Language Journalism and Science Communication
- Language Journalism and New/Digital Media: Way Forward
- Regional Television, Content and Language
- Emerging Trends in Indian Language Journalism
- Regional Media, Language and Identity
- Local to Global: Beyond Boundaries
- Critiquing the State of Training and Education in Indian Language Journalism
- Hindi Language Media: Converging Public Sphere
- Journalism Education: Issues and Challenges
- Usage of Scientific Terminology in Indian Language Journalism

Papers were presented by touching upon language journalism across the country. It was obvious from the presentations that language journalism is facing challenges from the digital platforms. India with so many varied languages is facing the challenge of adapting many scripts to the digital platform. One paper specifically discussed how social media is fast becoming the source of news and the challenge faced by language media. Rise of fake news vis-a-vis social media was analysed.

One session was dedicated to regional television, wherein papers on Assamese, Bengali, Hindi, Odia and Telugu language television were presented. This session enabled the audience to understand the criticality language journalism is undergoing in the television sector.

The session on ‘Local to Global’ had papers on print in various parts of the country and also discussed how small newspapers like Nepali language press is thriving in spite of almost nil investments.

The largest selling newspaper in India is in Hindi. One full session was dedicated to Hindi language journalism and interesting and thought provoking discourse was generated regarding how women readers are discovering their own public sphere, content diversity, implication of social media for Hindi newspapers, nature of regional journalism in newspapers.

The session on Journalism education discussed the status of language journalism in India and an extensive study on the situation of journalism education in Delhi.

Two technical sessions were on Language Journalism and Science Communication (CSIR-NISCAIR Panel) and the other on Usage of Scientific Terminology in Indian Language Journalism (MHRD-CTT Panel) saw confluence of highly qualified scholars deliberating on the specialized issue.

Eminent journalists and academic across the country representing various Indian languages conversed on the issue of Emerging Trends in Indian Language Journalism in the Open house session.

The first plenary session was on Critiquing the 'State of Training and Education in Indian Language Journalism'. Eminent media educators discussed and debated the issue and number of issues like lack of academic discourse in the subject as well as the confusion between training and academics.

This was a unique seminar where challenges, issues, status of language journalism were discussed and scholars from almost all parts of the country made their presentation.

The proceedings of the National Symposium were later published by IIMC in its peer reviewed journal – Communicator as a special issue.

National workshops

Workshop on Data Analysis

Under the aegis of the National Media Faculty Development Programme, a two day 'Workshop on Data Analysis' was conducted by Prof. Srinivas Melkote of the Bowling Green State University, Ohio, USA on 7 – 8 April 2018. The Workshop was organized in collaboration with DECORE, IIMC, Center for Communication and Change - India, Affiliate of Johns Hopkins Center for Communication Programs. Objective of the workshop was to impart hands on training on application of Statistical Methods for analyzing data in the respective research domain of Communication, Public Health, Environment and Bio-Science. 30 media educators and research scholars from different parts of India, including faculty members of IIMC, participated in the workshop.

National Media Workshop on Biodiversity

'National Media Workshop on Biodiversity' in collaboration with National Biodiversity



Authority, Chennai was organized by DECORE from 31 October to 1 November 2018 at IIMC. The two days Workshop brought together media practitioners from across the media-landscape in the country, including language media. The aim of the workshop was to enhance the knowledge base of journalists on issues related to biodiversity, highlight the efforts in conserving and sustaining the rich natural resources, and to enhance journalistic skills and encourage evidence-based reporting on biodiversity. More than 20 participants from across the country participated in the workshop. Visit to the **Yamuna Biodiversity Park** as a part of the two-day workshop was organized to familiarize the participants about conservation efforts to recreate and nurture nature for protecting and restoring the flora and fauna to its glory without any fear of human interference



INSTITUTION LEVEL ACTIVITIES

As is customary, IIMC began its academic year by organizing Orientation Lectures on broad topics of media and communication, in the first week of August 2018. The ***Orientation Lectures*** were delivered by Shri Achyutanand Mishra, Ms. Navika Kumar, Managing Editor Times Now, Shri. Ruben Banerjee, Editor, Outlook, Shri Ajit Pathak, President, Public Relations Society of India (PRSI).

Another highlight of the Orientation session was a talk with Ms. Cambell Brown, Global Head, Facebook News, New York, conducted by Dr. Anubhuti Yadav, Associate Professor.

The **54th Foundation Day** was celebrated at IIMC on 16 August 2018. Shri. M D Nalapt, Editorial Director of ITV network interacted with the students on this special occasion.

A ***Special Advocacy Lecture*** by Ms. Zeba Khair, Advocate, Supreme Court of India on the topic “Sexual Harassment Act: Contours, Procedures & Implications” was organized on 12 October 2018 to sensitize students about the provisions of the Act and work-based ethical values as budding media professionals.

NHRC launched its Silver Jubilee Celebrations in collaboration with IIMC on 5 September 2018 by organizing a ***panel discussion on “The Role of Media in Creating Awareness***

in Human Rights” by eminent journalists. Justice H.L. Dattu, NHRC Chairman, Justice C.K. Prasad, Chairman, Press Council of India addressed the distinguished gathering.

Minister for Information and Broadcasting Col. Rajyavardhan Rathore chaired the **Parliamentary Consultative Committee Meeting of the I&B Ministry** on 10 September 2018. A Power Point Presentation was made by IIMC giving details about its working and the future road map.

The **Inspection of 2nd Sub Committee of Hindi Parliamentary Committee** was held on 09 October 2018 regarding use of Hindi in Ministries / Departments / Attached & Subordinate Offices / Undertakings / Institutes of the Central Government. The progress of implementation of Hindi in IIMC’s working was reviewed.

To commemorate the ‘***National Press Day***’ on 16 November 2018, a special lecture was organized by Ms. Smita Prakash, Editor-in-Chief of ANI and also an alumna of the Institute.

IIMC’s publication ‘***Business and Financial Journalism***’ authored by Shri E.C. Thomas, Senior Journalist released on 12 December 2018 by Dr. Sadhana Rout, Director General, Publications Division.

Atal Behari Vajpayee Memorial Lecture



Vice President Shri M. Venkaiah Naidu delivered the *inaugural Atal Bihari Vajpayee Memorial Lecture* at IIMC on 20 March 2019. The topic of the lecture was “The Role of Media in Moulding An Enlightened Public Opinion”. The Vice President in his 45 minute long address highlighted the importance of media in creating a vibrant democracy. Stating that media played an important role during elections, he asked the journalists to present a report card of political parties to enable voters to make informed decisions. Mr. A Surya Prakash, Chairman, Prasar Bharati presided. The lecture was attended by students of journalism from IIMC and other media institutes, Indian Information Service Officer Trainees and Development Journalism scholars from over a dozen countries.

During the year 2018-19 IIMC also observed the International Yoga Day on 21 June 2018, Hindi Pakhwada during September 2018, Swachhata Hi Sewa fortnights in October 2018 and January 2019. It also celebrated the Independence Day, Rashtriya Ekta Diwas, National Youth Day and the Republic Day with enthusiastic participation of students and staff.

INTERNATIONAL ENGAGEMENTS

ASIA MEDIA SUMMIT

The 15th Asia Media Summit 2018 was Co-Hosted by IIMC with Ministry of I&B and BECIL on 10-12 May 2018 in New Delhi. The Annual Summit of the Asia-Pacific Institute for Broadcasting Development (AIBD) Kuala Lumpur, is a prestigious summit in the Asia Pacific Region.



Representatives from 29 countries participated in the two-day Summit, whose theme was "Telling Our Stories – Asia and More." An array of issues including media business models in new era and emerging technologies in broadcasting were discussed during the summit.

The Union Minister for Information & Broadcasting and Textiles, Smriti Zubin Irani was Chief Guest at the inaugural ceremony of the Summit. DG, IIMC Shri K G Suresh, in his address stressed on creating awareness about the impact of fake news among the audience.

DG, IIMC Shri K G Suresh represented IIMC at the **International Coproduction Conference** organized by the Korea Communication Commission at Seoul, South Korea on 21 June 2018. He spoke about the Changing Broadcast Landscape in India.

DG, IIMC emphasised on enhanced cooperation between India & Bangladesh in the field of community radio & media training at the meeting of the **India-Bangladesh Joint Commission** on cooperation in Mass Media & Audio Visual Co-Production held in July 2018

Shri K.G. Suresh represented IIMC at the **World Hindi Conference** held in Mauritius

between 18-20 August, 2018. Shri Suresh spoke about growing relevance of language journalism and described efforts made in IIMC for promotion of Indian language journalism, including Hindi Journalism.

A 22 member **Delegation of UAE National Defence College, Abu Dhabi** visited IIMC on 22 November.2018. Shri Manish Desai, Addl. DG, Dr. Anubhuti Yadav, Associate Professor made presentations on 'Information as an Instrument of National Power' and 'Social Media for Soldiers'.

A **Conference on Cultural Communication between India & Vietnam** was held on 10 December 2018. Dr. Sachchidanand Joshi, Member Secretary, Indira Gandhi National Centre for Arts inaugurated the Conference in the presence of Vietnamese Ambassador to India H.E Shri Pham Sanh Chau. This was followed by a cultural performance of a dance-drama by a Vietnamese troupe.



Media Mahakumbh 2019

The annual media fest of the Indian Institute of Mass Communication, New Delhi – **‘Media Mahakumbh’** was held on 8-9 March, 2019. The theme of this student driven fest centred around Women Empowerment.

MahaNatya (NukkadNatak), BandSlam (Battle of Bands), Jump Street (Western Dance Competition), Talaash-e-Awaaz (RJ Hunt) and Perfect Prastuti (TV Anchoring Competition), Media Quiz, Art it Out and Seal the Deal were among the highlights of the fest.



Festival Director and Dean (Students’ Welfare) Dr. Anubhuti Yadav hosted a panel discussion on ‘Women Achievers’, with some of the most prominent women of the media industry viz Ms. Smita Prakash; Group Editor, Asian News International (ANI), Ms. Ritu Kapur; Co-founder & CEO, Quintillion Media, Ms. Sheetal Rajput; Managing Editor, JanTantra TV, Ms. Shruti Jain; Marketing & Communication Specialist and Ms. Sakshi Joshi; Prime-time Anchor. & Special

Correspondent for News 24, along with some of IIMC’s distinguished faculty members.

Another key highlight of the fest was scintillating performance by India’s most celebrated classical dancer and Padma Vibhushan awardee Dr. Sonal Mansingh in the evening of March 8. Dr Mansingh’s performance ‘Sankalp se Siddhi’ was an ode to the Swachh Bharat Abhiyan launched by the Prime Minister Shri Narendra Modi.



Youth icon and popular Radio Mirchi RJ Sayema spoke about her journey as a media presenter in the talk show ‘Guftagu’. Three online events – FujiFilm’s ‘Frame-Flash-Fix’ (Photography competition), ‘Un-Reel’ (short film making competition) and ‘The Fine Print’ (Lab Journal Competition) kept in line with today’s ever growing online world of communication. The night wrapped up with a mix of songs performed by B Praak, the famous Punjabi music composer and singer.

IIMC Community Radio Station

IIMC has been running its own Community Radio since 2015. It is called 'Apna Radio 96.9'. Over the last six years, a number of initiatives have been taken to re-vitalize this Community Radio Station.

The daily Live Show 'Apne Aas Paas', started in August 2014, has become a Flagship programme of Apna Radio. In this program, a subject-expert is invited to discuss the topics of the day either in the studio or on phone in

order to engage listeners and interact with them live. With the involvement of Delhi Electoral Office, Apna Radio organized Voter Awareness programs for 10 days. National Human Milk Bank Model Schools in South Delhi, the issue of reviving the water bodies in Delhi, problem of micro-plastic, impact of Climate Change, cyber security, road safety, issue of missing children were some of the important topics covered by the Community Radio station.

IIMC PUBLICATIONS

IIMC brings out two peer reviewed journals related to mass communication viz : '**Communicator**' in English and '**Sanchar Madhyam**' in Hindi. The first issue of 'Communicator' was published in 1965, whereas 'Sanchar Madhyam' debuted in 1980. These journals provide academicians, research scholars and media practitioners a platform to publish their articles, case studies and research papers related to the field of mass communication. The journals also publish reviews of books and research articles. Dr. Surbhi Dahiya, Associate Professor and Dr. Hemant Joshi, Professor were Editors of 'Communicator' and 'Sanchar Madhyam' respectively during 2018-19.

During 2018-19 IIMC brought out a Special Edition of its peer reviewed Journal – Communicator on '**Mahatma Gandhi As a Communicator**' which contains scholarly articles contributed by academicians and writers of repute.

During the year 2018-19 IIMC also published a book 'Business and Financial Journalism' authored by Shri E C Thomas, Senior Journalist. The book traces the growth of financial journalism, particularly in the post 1990s economic liberalization era and addresses the academic requirement and skill enhancement in this field of specialization. The special edition also contains five book reviews including the one on 'Mahatma Gandhi As a Journalist and Editor' by Prof Mrinal Chatterjee of IIMC Dhenkanal and Snehasis Sur.

ACTIVITIES OF IIMC REGIONAL CAMPUSES

IIMC DHENKANAL



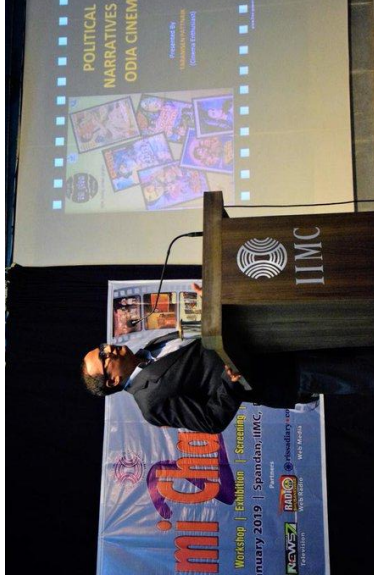
Indian Institute of Mass Communication, Dhenkanal was established in August 1993 as a branch of IIMC, Delhi. Presently it offers Post Graduate Diploma courses in English Journalism and [Odia Journalism](#). The 7.5 acre campus is situated on the valley of Paniohala hill which commands a majestic view at Dhenkanal, 80 kms from the state capital Bhubaneswar. The eco-friendly campus comprises three buildings: Academic Block, Administrative Block and Auditorium Block. The fully Wi-Fi campus also has two hostels – Brahmaputra for boys and Mahanadi for girls. The institute also has a well stocked library with nearly 5000 books relating to mass communication and allied subjects alone. The

Library also stocks some books on the allied fields such as Economics, Political Science, International Relations, Sociology, Philosophy, History, Psychology, Biography, Hindi, English and Odia literature etc.

At IIMC Dhenkanal, there is a greater emphasis on hands-on training including field assignments. During the 2018-19 academic year, the students at IIMC, Dhenkanal covered several major national and international events. They brought out bulletins during Anjali International Children's Festival held in Bhubaneswar and NatyaChetana Theatre Festival in Khurda. They helped the organizers of CanFest (16th National Theatre

Festival) at Paradeep in media coverage and coordination.

Besides producing four issues of lab journals, students brought out daily newspaper in English and Odia every working day beginning mid-August till the end of the academic session. News presentation on television from the Institute's video lab was another regular exercise built into their daily academic activity. So was audio news presentation from the audio lab.



Seminars, Workshops

IIMC, Dhenkanal organized several workshops and seminars during the academic year.

- On the occasion of Odia Newspaper Day a seminar on '200 years of Language Journalism in India' was organized on 6 August, 2018.
- A seminar on 'Financial Literacy' was organized by ABHYUTTHANA Financial Learning Centre, BBSR on 6 Sept, 2018.
- A workshop on "Gender Norms, Violence against Women Role of Media" was organized by OXFAM, Odisha 11 Sept, 2018.

- A 3 day Photography Workshop was organized from 8 to 11 October, 2018 in which students of several Universities of Odisha participated. The workshop was curated and conducted by award winning photographer Himanshu Vyas and Tabeenah A. Quershi.
- A workshop on 'Fact-Checking' was organized by Google News Initiative India on 26 -27 November 2018.
- Filmi Chakkar-2, a string of cinema-related events including a daylong seminar was organised from 14 - 16 January 2019. Students from different universities and institutes of Odisha participated in the event and presented papers in seminar.
- A day-long seminar on 'Is Media the Mirror of Society?' in collaboration with Odisha regional branch of Indian Institute of Public Administration (IIPA) was organized on 21 January 2019.
- PR Round Table on "Social Media as a PR Tool" was in association with PRSI, Bhubaneswar, Odisha Chapter on 1 February 2019.

Training Programme

IIMC, Dhenkanal organized the following training programs in 2018-19.

- Two day training programme for the students of "The Heritage Academy",

Kolkata students was organized on 10 and 11 February, 2019.

- Specialized Media Training Programme was organized for Journalism and Mass Communication students of Odisha State Open University in four different batches from 29 April-3 May, 13-17 May and 20-24 May 2019.

Extra-curricular Activities

Several extra-curricular activities were organized for the students. Debate and essay competitions and cultural programs were organized on the occasions of Foundation Day and Hindi Divas. Students celebrated World Photography Day on 19 August. A literary festival '*Sabdanjali*' was organized in association with District Writers' Forum, Dhenkanal on January 26. Two more editions of *Sabdanjali* were organised during the academic year.

To observe the second death anniversary of Prof. K. M. Shrivastava, a special lecture was organized. The memorial lecture was delivered by Shri Abhaya Kumar Padhi former DDG, Prasar Bharati on "Broadcasting in India: Now and Beyond" on 28 August 2018.

Award winning movies and documentaries were screened on regular basis followed by

discussions on important issues raised and points highlighted by the movies/documentaries.

Fellowships

Every year two fellowships, one each to EJ and OJ students are given at IIMC, Dhenkanal. This year Odia Journalism student Dattatreya Nayak received the prestigious Dr. Radhanath Rath Memorial Fellowship and English Journalism student Ms. Anamika Bahuguna received Satya Mahapatra Memorial Fellowship.

Placement

Eighteen out of nineteen students of Odia Journalism got placement in Odisha based newspapers and television channels. Over 70 percent of our English Journalism students got placement in different media organizations from campus selection initiative in Delhi and Dhenkanal.

Publications

IIMC, Dhenkanal produced two monographs during the academic year. A monograph on Hockey was released on 6 December, 2018 during World Cup Hockey in Odisha. Updated edition of *Manoranjan Sambadikata* (Odia) was released during Filmi Chakkar-2, in mid-January 2019.

IIMC AIZAWL



IIMC's North Eastern Region Campus at Aizawl commenced operation at the Mizoram University Campus from 8 August 2011. Presently, it offers the Post Graduate Diploma course in English Journalism.

The civil construction work of new building infrastructure comprising academic block, administrative block, hostel and staff quarters has been completed and the activities would soon shift to the new campus.

Like in other campuses of IIMC, students at Aizawl were provided training in both theoretical and practical aspects of the craft of journalism. To supplement Shri L R Sailo and Dr. C. Lalmuansangkimi, Assistant Professor, a number of experienced media practitioners and academics visited the institute as guest faculty.

The IIMC Tribune, a Lab. Journal of IIMC NER Campus was brought out regularly. The exercise was aimed at sharpening the editing skills and news sense of the students. Students also maintained their own blog/webpage as part of the New Media practical assignment.

Activities at IIMC Aizawl Campus

- A Visual storytelling-cum-Photography workshop was organized in collaboration with 'Believing Is Seeing Project' which proved useful for the students.
- On 16 February 2019, the IIMC team led by Shri.Samudra Gupta Kashyap, veteran Journalist and visiting faculty of the Campus visited Railway construction site at Sairang. The visit was arranged by Railway officials as

part of Development reporting assignment.

- Officials and students of IIMC NER Campus attended a three-day "Community Radio Awareness Workshop" organized by the Ministry of Information and Broadcasting, Government of India in association with Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi and Mizoram University.

- Students and faculty of IIMC NER Campus interacted with Prof. Lalneihzovi, Director, Women study centre, MZU on various developmental issues concerning women.

- On 12 March 2019, IIMC NER Campus in association with Department of Mass Communication, MZU organized a book release cum special lecture by Prof. Mrinal Chatterjee, Professor and Regional Director, IIMC Dhenkanal on "Mahatma Gandhi as a Communicator".

- The students and faculty visited Aizawl Theological College (ATC), Durtlang and ICFAI University, Selesih. Interactions at both the Institute focussed on future collaborations to enrich the academic exchange. The visit to Institutes was followed by a live discussion on "Media Education in the North East"

at Doordarshan Kendra, Durtlang studio which was aired on the local Kendra, DD North-East and DD National. Prof. Mrinal Chatterjee and Shri L R Sailo and a faculty were panelists in the live discussion programme.

- As part of International Women's History Month celebrations, students of IIMC NER Campus participated in the Essay and Debate competitions jointly organized by the UGC-Women's Studies Centre, Mizoram University (MZU), MZU Students' Council & MZU Students Discussion Forum. Gurpreet Singh, won the first prize in Essay writing competition.

- To mark the occasion of World Environment Day, IIMC NER team led by Shri. LR Sailo, Regional Director planted saplings at Aizawl.

Since its inception in August 2011, IIMC Aizawl has been consolidating its position as an important mass communication teaching centre in the North Eastern Region. Past students are establishing their own niche in reputed media organizations like the Indian Express, Doordarshan, New Indian Express, All India Radio and so on. It may be pertinent to mention that all the student of 2018-2019 batch got placed through the campus recruitment organized by IIMC.

IIMC AMRAVATI



IIMC Amravati centre commenced operation in August 2011. The campus is presently located at the Dr. Shrikant Jichkar Memorial Research Centre, a temporary premise provided by the Sant Gadge Baba Amravati University. Presently, IIMC Amravati offers two courses : PG Diploma in English Journalism and PG Diploma in Marathi Journalism.

The academic session 2018-19 started on August 1, 2018 under the directorship of Mr. Vijay Satokar, who took over the reins of the centre from the outgoing director, Mr. Nadim Khan. The focus of the course was a combination of class room teaching and rigorous practical exercises.

In order to acquaint the students coming from different parts of the country, a four-day programme, Know Your Campus and City, was introduced. This activity was aimed at introducing the students to the social, political, educational, administrative and cultural milieu of the city of Amravati. It also enabled them to get familiar with various landmarks in the city.

Orientation Lectures:

With the objective of broadening the the vision of the students regarding various facets of journalism, a series of guest lectures was arranged for their orientation. Eminent personalities from literary, print media, art and history fields were invited to share their knowledge and experience with the students.

These lectures helped the students immensely. Among the distinguished personalities who enlightened the students on various aspects of journalism, dynamics and economics of print media were eminent editors Mr. Prakash Pohare of daily Deshonnati from Akola and Mr. Anil Agrawal of daily Matrubhumi and Amravati Mandal from Amravati.

Eminent writer and thinker Dr. Prabhatai Ganorkar interacted with students on the topic of use of language while Vidarbha Irtrigation Developement Corporation Vice Chairman and Amravati MLA Dr. Sunil Deshmukh spoke about political communication. Prof. Avinash Kolhe and Mr. Sunil Yawalikar introduced students to Arts and Culture while Dr. Shripad Bhalchandra Joshi brainstormed them on burning issues facing media in general and print media in particular. Environmentalist Dr. Kishor Rithe spoke extensively on issues concerning forests and environment while noted Odyssey dancer Mrs. Shital Metkar shared her experiences on what to look in dance and how to report it.

Seminars and Symposia:

Coinciding with the visit of IIMC Director General, Shri. K G Suresh to the centre, The IIMC, Amravati organized a seminar on 'Social Media for Social Good' in collaboration with Sant Gadge Baba Amravati University on January 21, 2019. Pro-VC Dr. Rajesh Jaipurkar was in the chair while Shri . Suresh delivered

the key-note address. The seminar, organized at audio-visual theatre of the varsity, was attended by journalism students, university students as well journalists of the city.

Special Project

The students of IIMC, Amravati brought out a special issue of MelVyaghra, an annual number of Melghat Tiger Reserve (MTR) on its foundation day on 22 February 2019. Students of English Journalism and Marathi Journalism fanned out in the interiors of sprawling Tiger Reserve and came out with fascinating pictures and stories on various aspects of environment and forest. Their work was highly appreciated by MTR management which felicitated them with a certificate and presented a trophy and a certificate of appreciation to the institute. It was a unique work by IIMC, Amravati.

Excursion:

As a part of their academic programme, the students were taken on excursion tours to village Katol for rural reporting, Chikhaldara for tribal reporting and Melghat Tiger Project for forest and conservation reporting . On each occasion, the faculty assisted them and co-ordinated their activities.

Documentaries & Jingles:

The students excelled in producing highly effective documentaries on drought situation in the district and also made jingles on tourism and issues dogging rural life. These

documentaries and jingles came in for praise from all quarters.

Drives & Surveys:

As a part of the Swachha Bharat Abhiyan, IIMC Amravati celebrated Swachhata Pakhwada in the university campus from January 16, 2019 to January 30, 2019. During the fortnight, the students cleaned and swept their college rooms, hostel rooms, university roads and some squares in the city. They collected pouches, empty water bottles, empty liquor bottles, cigarette stubs from the campus. This drive proved an eye-opener for the university.

The students also conducted two surveys—one on cleanliness and the other on social media. Both the surveys were highly appreciated for their quality and content.

National Days:

IIMC, Amravati celebrated the Independence Day and the Republic Day on with Sant Gadge Baba Amravati University, taking part in the flag-hoisting ceremony. Students interviewed Vice Chancellor Dr. Murlidhar Chandekar and other dignitaries. The National Press Day and Marathi Patrakar Din were also celebrated in collaboration with the Department of Journalism, Shri Shivaji Arts and Commerce Mahavidyalaya, Amravati.



IIMC Jammu



IIMC Jammu centre commenced operation in August 2012. The campus is presently located at the a temporary premises – Vikas Bhawan, provided by the Jammu Development Authority. Prime Minister Shri Narendra Modi on 3 February 2019 has laid the Foundation Stone for construction of the new campus of IIMC Jammu at Keran, Bantalab on the outskirts of the Jammu City. The construction work has since begun. PG Diploma course in English Journalism is presently being offered at IIMC Jammu.

The academic year 2018-19 began with the organization of Orientation lectures in the first week of August 2018. Following are the details of activities held at IIMC Jammu during 2018-19

Orientation lectures for the students of new session;

IIMC Jammu organized a round of orientation program by inviting experts from the industry to share their experiences and knowledge among budding journalists. Shri K B Jandial, a retired IAS officer and an alumnus of IIMC batch of 1972 spoke on the occasion. Lt.Col. Devender Anand briefed students about the role of journalism in different spheres of society. Ms. Neha Jalali and Shri Sanjit Khajuria of the Indian Information Service also shared their experiences.

They also participated in a talk on Kashmir peace process by former Director General of Police, Dr Ashok Bhan, IPS, held at Indian Institute of Public Administration (IIPA, Jammu Regional Branch).

Workshop on media ethics for print and television for students:

IIMC Jammu, organized a workshop on the Media Ethics for Print & Electronic Media. The main objective of the workshop was to appraise the students about the problems and challenges being faced by journalists in print and electronic media. Shri Rahul Jalali, Senior Journalist and former President Press Club of India, Shri Rajesh Badal, former Executive Director, Rajya Sabha TV, Shri Ashwani Kumar, President, Press Club Jammu / former Bureau Chief Aaj Tak, J&K, spoke on the topic at length quoting from their own vast experience

Week-long photo journalism workshop:

An intensive week-long course of photojournalism under the guidance of Sh. S.N Acharya, an expert with Defence PRO was organized by IIMC Jammu. The course enabled the students to gain theoretical and practical knowledge of photography. The students were also introduced to different spheres of photojournalism and its challenges.

Mobile filmmaking and journalism workshop in Jammu

The Press club of Jammu in collaboration with Film and Television Institute of India (FTII) organized a week long Mobile journalism course on the premises of the Press club, Jammu. This course was the part of FTII's initiative to spread the knowledge of cinema and filmmaking across the country and instill



filmmaking skills among budding filmmakers. Around 50 students including students from IIMC Jammu campus took part in the 7 day-long workshop. The course attempted to educate the students about basic techniques and areas of filmmaking with special focus on cinematography and editing.

Field exposure to the students:-

The students of IIMC Jammu campus covered the weapon display exhibition organized by 'Tiger Division' on behalf of Directorate of the Public Relations of Indian Army. The exhibition was organized in order to ignite pride and patriotism for the institution of defense among the students and young people of the society.

Visit to Electronic Media set up

The students visited the Times Now set up in Jammu where they held a general discussion regarding challenges in reporting for electronic media.

Excursion

Students visited a tourist place Bhadarwah, known as 'Chhota Kashmir' in J& K State. During their visit besides discussion with

Chief Executive Officer, Bhadarwah Development Authority about development scenario, they interacted with Bollywood actor Amit Sadh on the set of web series 'India Strikes -10 days'.

Lecture on Sexual Harassment of Women at Workplace Act 2013:

Jammu and Kashmir High court Advocate Ms. Mandeep Reen delivered a lecture at length to the students of IIMC, Northern Regional campus on Media's role in judiciary and Vishakha guidelines. Ms. Reen emphasized on the importance of such laws and gave some important reports and elaborated documents on laws, so that students could refer to them in future.

Anti-Terrorism Day on May 21, 2018:

IIMC observed the Anti-Terrorism Day on May 21, 2018 with faculty and students

taking a pledge to 'fight the forces of disruption threatening human lives and values'.

International Yoga day celebrations:

Northern Regional Campus of IIMC, Jammu celebrated the International Yoga Day on 21st June, 2018 in collaboration with 'Morning Walkers Association' of 'Ever Green Park' Channi Himmat, Jammu. The event was organized under the able guidance of Dr. Ram Kumar, an expert in Yoga.

National days celebration at IIMC Jammu:

The students of session 2018-19 and the and the faculty of IIMC Jammu celebrated the Independence Day, Gandhi Jayanti and Republic day on the campus. Cultural events were conducted where students made speeches, recited poems, in the honour of the nation and its freedom fighters.

IIMC Kottayam



IIMC Regional Centre in South India was founded at Kottayam – the land of letters, latex and lakes – in 1995. It was established to impart quality training to working journalists, Public Relations professionals and state information officers. However, it began to offer regular academic programmes since 2012 from a temporary campus at the Mahatma Gandhi University. Presently, IIMC Kottayam offers two courses : PG Diploma in English Journalism and PG Diploma in Malayalam Journalism. A new campus with state-of-the-art infrastructure has come up at Pampady near Kottayam, where the classes will commence during the academic year 2019-20.

New Academic Year

The beginning of August 2018 saw the commencement of yet another vibrant academic

year at IIMC Kottayam. The campus cordially welcomed the new students and the parents who accompanied them. The students were exposed to a combination of orientation lectures and expository sessions by experts on the nuances of Journalism and Mass Communication. A visit to the Printing Press of Mathrubhumi, in Kottayam, was also arranged to give the students first-hand experience of the process of newspaper printing.

Scholar-in-Campus Programme

The Scholar-in-Campus Programme was initiated with a view to provide the students opportunities to interact and engage with renowned academicians, social workers, scientists, scholars, and experts in various disciplines. During the academic year 2018-19, known Environmental Activist and Lawyer, Shri Harish Vasudevan, National Award winning Film Maker, Shri. Syamaprasad R, and Former Member, Kerala

Women's Commission, Dr. J. Pameela Devi, State Information Commissioner, Shri K V Sudhakaran et al visited the campus and interacted with the students.

Coverage of Kerala Floods

In August 2018, Kerala witnessed one of the most devastating monsoon floods in a century, with more than one million people getting displaced across the state. During this unprecedented calamity, IIMC students braved the jarring weather with the true spirit of journalism and visited the relief camps and reported stories for the lab journal. Some of the students had their stories on Kerala floods published in established national news portals. As a regular practice, the students were sent on reporting assignments to different places and events like Independence Day parade, Kumarakom, Pampady, Kottayam, among others.

IIMC Voice and Ezhuthola –Lab Journals

As part of the training to write for, edit, and design newspapers and magazines, the students of IIMC Kottayam designed and published a number of Lab Journals in English as well as Malayalam, **IIMC Voice** and **Ezhuthola** respectively.

Consultative Workshop on UNICEF- IIMC Media Research Centre for Child Rights

UNICEF along with IIMC's Southern Regional Campus organized a consultative workshop on June 26 2018 to explore the feasibility of a Media Research Centre for Child Rights. The Workshop was a preliminary step towards the preparation of

Terms of Reference for the proposed centre. Eminent experts from the field of child rights, journalism, academia, and IIMC's academic staff provided their valuable inputs and suggestions as to establish a model centre that optimally combine research, consultancy, and data journalism. The proposed centre, it is hoped, would serve as a guidepost to policy-making, and planning on child-rights issues.

Other important Workshops & Seminars

- Workshop on Radio Programming, Recording & Presentation.
- Workshop on Video Editing.
- Seminar on RTI & Media: Charms and Challenges.
- Workshop on New Media and Data Journalism.

Workshop on Online Verification of News

As part of the mission against misinformation and fake-news, IIMC's Southern Regional Campus partnered with Google News Initiative (GNI) in providing in-depth and hands-on verification training to its students. Shri Sunil Prabhakar, a Google-certified trainer for verification of news, led the sessions. The two-day workshop held in October helped the students familiarize with the online tools, resources, and methods to verify the authenticity of news-content.

Release of Book on Media

During 2018-19 IIMC's Southern Regional Campus published its maiden book on Media,

“മാറുന്ന മാധ്യമങ്ങൾ, മായാത്ത മൂല്യങ്ങൾ” (Changing Media, Unchanging Values) in Malayalam. A remarkable contribution to the academic community and media industry, IIMC's book captures the essence of the changing facets of media and its impact on society. Edited by Dr. S. Anilkumar, Regional Director & Academic Head, the book is an anthology of essays by eminent experts in the field of mass communication. By chronicling the transition from legacy media to the new and emerging media platforms and practices, the book emphasizes the need to stick on to time-tested ethical principles and values that make Journalism a noble discipline. The book was released by the Vice-Chancellor of Mahatma Gandhi University, Dr. Sabu Thomas, at a function held in the Mahatma Gandhi University on 26 March 2018



Study Trip to Munnar

IIMC Kottayam has organized a one-day study trip to Munnar for both the English Journalism and Malayalam Journalism students in October, 2018. The trip enabled the students to see and

experience the blooming of the famous **Neelakurinji flowers** which happens once in 12 years only, in the Munnar Hills. Post-trip, the students came up with brilliant write-ups and photographs on Munnar and Neelakurinji flowers, capturing how Munnar resiliently withstood the devastating floods in Kerala that happened a few months ago.

IIMC Kottayam also organized a one-day study trip to Kumarakom and Pathiramanal Island for both the English Journalism and Malayalam Journalism students on 27 April 2018. Faculty and staff accompanied the students during the trip.

Placement 2018-19

A total of 17 students out of 25 were placed in various Media Houses as part of the placement drive held in Kottayam and New Delhi.

Road map

IIMC Kottayam envisions to enhance its stature by initiating a bunch of new short-term courses for communication professionals from public and private sector upon shifting to the new campus. The Centre also plans to enhance its collaborative network, thereby, creating necessary industry linkages. A bilingual research journal covering various issues, challenges, and solutions in the communication sphere is also in pipeline.

CENTRAL SECTOR SCHEMES

IIMC is implementing two Central Sector Schemes viz : 'Upgradation of IIMC to International Standards' and 'Opening of four new Regional Centres of IIMC' as a sub scheme of Media Infrastructure Development Programme.

The Plan Scheme 'Upgradation of IIMC to International Standard' was included in the 11th Five Year Plan and approval was accorded for a total amount of Rs.62.00 crore, out of which the Government grant support is pegged at Rs.51.50 crore. The proposals of the scheme include upgradation of IIMC i.e. construction of additional floors on the existing main building and lecture block at the IIMC Campus, New Delhi, construction of new buildings on the vacant land at the IIMC Campus, New Delhi and construction of new buildings at the IIMC Campus, Dhenkanal, as well as making four new Regional Centre of IIMC in Maharashtra, Mizoram, Kerala and Jammu & Kashmir functional.

As part of the this scheme, i) four Regional Centres of IIMC at Aizawl, Amravati, Jammu and Kottayam have been made functional. ii) In IIMC New Delhi campus, additional floor over the existing Main Block has been built and some alterations to academic block have been carried out. iii) Construction of guest house and faculty and staff quarters at IIMC Dhenkanal has been completed. iv) Letter of Intent for making IIMC a Deemed to be

University under DeNovo category has been obtained.

Work yet to be completed under the scheme include construction of new Academic and Administrative Block, hostel for boys and girls and guest house in the New Delhi campus. The work could not begin as regulatory clearances from the civic authorities like Ridge Management Board, DDA etc are yet to be received. The matter is being pursued. Additional construction activities such as boys and girls hostels at Dhenkanal is yet to be carried out.

Media Infrastructure Development Programme

The Plan Scheme 'Opening of New Regional Campuses of IIMC' was included in the 12th Five Year Plan and approved for an amount of Rs.94.20 crore, out of which the Government grant support is Rs.90.00 crores. Rs 4.20 crores is to be generated through internal resources. Proposals under this scheme include construction of permanent campuses of IIMC in Aizawl, Amravati, Jammu and Kottayam on the land allotted by respective state governments free of cost.

In Aizawl, around 8 ½ acres of land has been leased to IIMC free of cost on the campus of the Mizoram Central University. The construction responsibility has been assigned to CPWD as deposit work for Rs 20.75 crores. The new campus has an Academic - cum -

Administrative Block, a Hostel - cum Guest House, 1 Type V Quarter, 1 Type IV Quarter,. Besides, the campus has a Community Radio Station, Seminar Hall, and Video Conferencing facility, provisions of TV studios and Sewage Treatment Plant, Rainwater Harvesting, Water Storage Facilities, Electric Substation, etc. The Academic -cum - Administrative Block is a three storey building .

Entire civil construction work has been completed. CPWD is now attending to electrical installations, construction of boundary wall, entrance gate and landscaping. The approach road is being built by the Mizoram Central University

In Amravati, around 15 acres of land has been allotted free of cost to IIMC by Government of Maharashtra at Badnera along the Mumbai-Kolkata Trunk Railway line. IIMC has appointed a Consultant for preparing the Project Report, preparation of structural drawings, bill of quantities, etc. The enabling works, viz. topographical survey of the land has been completed. MoU has been entered with CCW-AIR, Ministry of I&B for construction.

In Jammu, around 15 acres of land has been allotted free of cost to IIMC by the Government of J&K during 2016 at village Keran, Bantalab on the city outskirts. Prime Minister Shri Narendra Modi laid the Foundation Stone for the IIMC Jammu Campus on 3 February 2019. The

construction work has been assigned to CCW AIR. Like other IIMC campuses Jammu campus will also have an Academic – cum - Administrative Block, a Hostel - cum Guest House, 1 Type V Quarter, 1 Type IV Quarter,. Besides, the campus has a Community Radio Station, Seminar Hall, and Video Conferencing facility, provisions of TV studios and Sewage Treatment Plant, Rainwater Harvesting, Water Storage Facilities, Electric Substation, etc.

In Kottayam, Government of Kerala has allotted around 10 acres of land free of cost at village Pampady, Kottayam Distt. to IIMC for setting up its Regional Campus. The construction has been assigned to CPWD for a project cost of Rs 14.50 crores. The construction work has been completed making the new campus operational from the academic year 2019-20. The new campus has an Academic – cum - Administrative Block, a Hostel-cum-Guest House, 1 Type V Quarter, 1 Type IV Quarter, and 2 Type II Quarters. Besides, the campus has a Community Radio Station, Seminar Hall, and video Conferencing facility, provisions of TV studios and Sewage Treatment Plant, Rainwater Harvesting, Water Storage Facilities etc. The Hostel Block is having capacity to accommodate 48 Students with double occupancy. This block also has three guest rooms and two suite rooms. Due to scarcity of drinking water at Pampady campus, IIMC had to make alternative arrangements for potable water supply.

Facilities

National Knowledge Network

IIMC joined the National Knowledge Network (NKN), a state-of-the-art, multi-gigabit, pan-India broadband network for providing a unified high speed network backbone for all knowledge-related institutions in the country in 2011-12. Being part of the National Knowledge Network, IIMC receives broadband internet seamlessly at speeds of 1Gbps or higher. The purpose of such a knowledge network goes to the very core of the country's quest for building quality institutions with requisite research facilities and creating a pool of highly trained professionals. The high speed NKN enables researchers, communicators and students from different backgrounds and diverse geographies to work closely on their common projects. The Institute also has a back-up 2Mbps broadband internet connection through the NIC, state-of-the-art computers with the latest configurations and software for imparting instruction to its students and trainees.

Video Studios and Editing Suites

With a view of developing a high impact and good knowledge base amongst its students and trainees in the field of electronic journalism, the Institute has a modern production studio, equipped with digital cameras with synch and special effects generators. The editing consoles comprise I-Mac, FCP Mac-Pro digital video editing suites and on-line digital video editing systems in its campuses. The studios are meant to provide

students with hands-on experience on digital cameras and non-linear editing that are universally employed in T.V. channels today. During the year 2018-19, IIMC acquired latest models of DSLR Cameras and 4K video cameras for Electronic News Gathering. Digital video and still cameras, teleprompter machines and iMacs for non-linear editing have also been procured for our Regional Centres at Aizwal, Amravati, Jammu and Kottayam.

Radio production

For radio transmission, the Institute has separate sound recording, FM and voice-over studios, which are used for imparting training in broadcast technology. The Institute is equipped with the requisite facilities for radio news-gathering: professional digital audio recorders, microphones and other accessories. The sound studio has comprehensive facilities:

YAMAHA 03D full track console recorder.

Sony 8 channel Audio Mixer MXP-290 for standby recording.

A six channel On-Air console with specialization facilities.

Portable Sony IC recorders that record directly into MP3 and WAV Sound formats.
Shure Microphones SM 58.

Adobe Audition Software units with Editing and Recording facilities for programme production.

Multitrack TASCAM containing a minidisk player, CD player, cassette player for transmission

Specialised Broadcast Equipment etc.

Hostels.

The IIMC campus in New Delhi hosts three hostels. The Rani Gaidenlieu Hostel for Girls, Bhimrao Ambedkar Hostel for Boys and the A P J Abdul Kalam Officers' Hostel for IIS Officer Trainees and International scholars. Hostel facilities have also been developed in Dhenkanal, Kottayam and Aizawl. Limited facilities are being provided in Amravati and Jammu.

Use of Official Language

In accordance with the Government policy, all efforts aimed at progressively increasing the use of Hindi in official work were made during the year. The employees of the Institute were extended requisite training and incentives for encouraging greater use of Hindi in their functioning. Hindi workshops were arranged for the officers/employees in order to remove hesitation to work in Hindi.

Hindi Pakhwara (Hindi Fortnight) was observed at the Institute from 1 -15 September 2018 during which different activities were organized, in which the faculty, staff and students of the Institute participated. The Dhenkanal Regional Campus celebrated Hindi Saptah (Hindi Week) from 10 to 14 September 2018. The Regional Campuses of IIMC at Aizawl, Amravati, Jammu and Kottayam also celebrated Hindi Diwas (Hindi Day) on 14 September, 2018.

Right to Information Act.

Central Public Information Officer under RTI Act, 2005

Ms. Anima Ekka

CPIO & Assistant Registrar, IIMC

Aruna Asaf Ali Marg, New Delhi – 110067

Ph. No. 011 – 2674 2505

First Appellate Authority

Shri. Manish Desai

Additional Director General, IIMC

Aruna Asaf Ali Marg, New Delhi – 110067

Ph. No. 011-2674 1450

E- mail: adgiimc1965@gmail.com

Grievance Redressal Mechanism

Shri. Manish Desai

Additional Director General, IIMC

Aruna Asaf Ali Marg, New Delhi – 110067

Ph. No. 011-2674 1450

E- mail: adgiimc1965@gmail.com

**UNDER THE "SEXUAL HARASSMENT OF WOMEN AT
WORKPLACE
(PREVENTION PROHIBITION AND REDRESSAL ACT, 2013)"
IIMC HAS CONSTITUTED AN
INTERNAL COMPLAINTS COMMITTEE (ICC)
FOR DELHI AND REGIONAL CENTERS
WITH THE FOLLOWING MEMBERS**

Prof. Gita Bamezai
Chairperson

Ms. Monika Arora
Advocate, Supreme Court of India &
Non-Official Representative of ICC

Dr. Rinku Pegu
Member

Ms. Pratibha Sharma
Member

Sh. Pawan Kaundal
Male Member

**If you face any encounter situation as a student or employee,
please send your complaint to Chairperson, Internal
Complaints Committee (ICC). Your complaint will be treated
in confidence. You may approach directly in person, in
writing or through e-mail.**


INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION
ARUNA ASAF ALI MARG, NEW JNU CAMPUS
NEW DELHI-110067

IIMC Management and Faculty
2018-19

Director General	Shri K G Suresh
Addl. Director General	Shri Manish Desai, IIS
Dean (Academics)	Shri Vijay Parmar (till 31.10.2018) Prof. Gita Bamezai (w.e.f 1.11.2019)

Course Director - IIS Training	Shri Ashish Goyal, IIS (till 13.09.2018) Ms. Mamta Varma , IIS (w.e.f. 14.09.2018)
---------------------------------------	---

Professors	Prof. Mrinal Chatterjee (Dhenkanal)
	Prof. Hemant Joshi
	Prof. Mukul Sharma

Associate Professors	Dr. Anand Pradhan
	Dr. Sunetra Sen Narayan
	Ms. Shashwati Goswami
	Dr. Anubhuti Yadav
	Dr. Surbhi Dahiya

Assistant Professor	Dr. Rinku Pegu
----------------------------	-----------------------

वार्षिक लेखा 2018-19
Annual Accounts
2018-19

एस के मिश्रा और गजराती सनदी लेखाकार

प्रबंध टिप्पणियों सहित स्वतंत्र लेखापरीक्षा रिपोर्ट

सेवा में,
सदस्य
भारतीय जन संचार संस्थान
जेएनयू, अरूणा आसफ अली रोड
नई दिल्ली - 110067

अभिमत

हमने **भारतीय जन संचार संस्थान (इसके पश्चात "संस्थान")** के रूप में लिया जाए) के सहवित्तीय विवरणों जिनमें, 31 मार्च, 2019 तक का तुलन-पत्र (बैलेंस शीट), उस दौरान समाप्त हुई अवधि के आय और व्यय खाते का विवरण और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों तथा अन्य विवरणात्मक जानकारी शामिल हैं, की लेखा-परीक्षा की है।

हमारे मत में और हमारी जानकारी में और हमें प्रदान किए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त उल्लिखित वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2019 को संस्था के मामलों की स्थिति और उस तिथि को समाप्त हुए वर्ष को उसके अधिशेष अथवा घाटे के साथ आयकर अधिनियम, 1961 (अधिनियम) द्वारा आवश्यक सूचना को यथाअपेक्षित रीति में और भारतीय चार्टर्ड अकाउंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखांकन मानकों और भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य अन्य लेखांकन सिद्धांतों की अनुरूपता में सही और उचित हैं।

परिमित अभिमत का आधार

हमने आईसीएआई (एसए) द्वारा निर्दिष्ट लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है। इन मानकों के अंतर्गत हमारे दायित्वों हमारी रिपोर्ट के भाग वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा हेतु लेखा परीक्षक के दायित्व में वर्णित किया गया है। हम इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंट ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी नीति संहिता के अनुसार स्वतंत्र आवश्यकताओं, जो कि अधिनियम और उसके तहत निर्मित नियमों के प्रावधानों के अंतर्गत वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के सुसंगत

हैं, संस्था की ओर से स्वतंत्र हैं और हम इन आवश्यकताओं और आईसीएआई की नीति संहिता के अनुरूप अन्य नैतिक दायित्वों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमें जो लेखा परीक्षा तथ्य प्राप्त हुए हैं वे वित्तीय विवरणों के संबंध में हमारे लेखापरीक्षा अभिमत को आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

लेखा परीक्षा टिप्पणी	प्रबंधन का उत्तर	प्रबंधन के उत्तर पर लेखा परीक्षक की टिप्पणी
1 आंतरिक समन्वय और संप्रेषण की कमी के कारण वर्तमान लेखापरीक्षा अवधि में भी पुस्तकालय सत्यापन रिपोर्ट पर प्रबंधन की टिप्पणियां उपलब्ध नहीं थी।	पुस्तकालय के वास्तविक सत्यापन पर की गई कार्रवाई रिपोर्ट अभी तक पुस्तक नहीं की गई है। हालांकि तत्काल कार्रवाई हेतु वास्तविक सत्यापन रिपोर्ट की एक नई प्रतिलिपि एलआईओ को उपलब्ध कराई गई है।	सत्यापन पद्धति की समीक्षा और रिपोर्टों में पुस्तकों के मूल्य शामिल करने का सुझाव दिया जाता है ताकि वित्तीय विवरणों में इनका भी सत्यापन किया जा सके।
2. वसूली योग्य टीडीएस एक काफी लम्बे समय से पुस्तकों में यथास्थिति है, जिस पर वसूली/मामले की सही और स्पष्ट स्थिति के लिए वसूली नहीं करने योग्य जो भी हो, उपयुक्त कार्रवाई की जानी चाहिए। पिछली लेखा परीक्षा में भी टिप्पणी की गई थी। अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।	समाधान विवरण इसके साथ संलग्न है और त्रुटियों को दूर कर लिया गया है।	कार्रवाई की गई है इसलिए पैरा बंद कर दिया गया।
3. 1 अक्टूबर 2018 से संस्थान पर जीएसटी और टीडीएस लागू है। यह पाया गया कि वर्तमान तिथि तक इसका अनुपालन नहीं किया गया है। प्रबंधन की तुरंत कार्रवाई अपेक्षित है।	संस्थान ने टीडीएस की कटौती हेतु जीएसटी के अंतर्गत पंजीकरण की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। कृपया पैरा बंद कर दिया जाए।	कार्रवाई की गई है इसलिए पैरा बंद कर दिया गया।

4.	2016 में निविदा प्रक्रियाओं अनुपालन किए बिना विधिक सेवाओं का अनुबंध केपीए लीगल सर्विस को दिया गया था। हालांकि प्रारंभ में जिस शुल्क पर नियुक्ति की गई वह पिछले वकील की फीस से कम थी।	पहले प्रसार भारती (समान मंत्रालय अर्थात सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का एक संगठन) द्वारा रखे गए मैसर्स राजीव शर्मा एंड एसोसिएट्स को आईआईएमसी द्वारा भी रखा गया था। बाद में, विधिक मामलों के परिणामों को ध्यान में रखते हुए, विधि परामर्शदाता को बदलकर मैसर्स केपीए लीगल सर्विस (जो प्रसार भारती के पैनल पर था, को रखा गया) किए जाने का निर्णय लिया गया। इस मामले पर सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा विचार किया गया और आईआईएमसी को मैसर्स केपीएस लीगल सर्विस की सेवाएं अगले तीन महीनों तक जारी रखने की अनुमति दी गई थी और इस दौरान आईआईएमसी को सरकारी पैनल के किसी विधिक परामर्शदाता पर विचार करने की सलाह दी गई थी।	सूचना प्राप्त हो गई है इसलिए पैरा बंद कर दिया गया।
5.	ढेंकनाल बिल्डिंग हेतु सीसीडब्ल्यू को दी गई 11.93 लाख रू. की शेष राशि कार्य पूरा होने के बाद भी काफी लम्बे समय से स्थिर बनी हुई है। यह पाया गया कि वसूली/समायोजन हेतु अभी तक प्रयास नहीं किए गए।	यह मामला संवीक्षाधीन है और शीघ्र ही सुलझा लिया जाएगा।	अगली लेखा परीक्षा अवधि तक इस मामले पर की जाने वाली कार्रवाई हेतु टिप्पणियों को खुला रखा जा सकता है।

6.	छात्र कल्याण निधि के नाम छात्रों से ली जाने वाली फीस संप्रतिदेय है जिसे तुलन पत्र में निधि के रूप में दिखाए जाने के स्थान पर आय और व्यय खाते में आय के रूप में लिया जाना चाहिए। पिछली लेखा परीक्षा से टिप्पणी खुली है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।	सांविधिक लेखा परीक्षा के परामर्श को स्वीकार किया जाता है और वर्ष की समाप्ति पर छात्र कल्याण कोष के अंतर्गत बकाया राशि को आय और व्यय खाते में रखा जाएगा।	अगली लेखा परीक्षा अवधि तक इस मामले पर की जाने वाली कार्रवाई हेतु टिप्पणियों को खुला रखा जा सकता है।
7.	पुस्तकालय अध्यक्ष, रोकड़िया और लेखाओं के द्वारा बनाए रजिस्ट्रों में पुस्तकालय सुरक्षा जमा से संबंधित अभिलेखों में विसंगति पाई गई। तत्काल समायोजन किए जाने की आवश्यकता है और इसकी सूचना आंतरिक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में दी जानी चाहिए। पिछली लेखा परीक्षा से टिप्पणी खुली है।	आईआईएमसी की नीति के अनुसार, तीन वर्ष से अधिक को पुस्तकालय सुरक्षा बकाया राशि को राजस्व को अंतर्गत किया जा रहा है और तीन वर्षों की बकाया राशि का समायोजन और मिलान कर लिया गया है।	कार्रवाई की गई है इसलिए पैरा बंद कर दिया गया
8.	ट्रयुशन फीस और लेखाओं के संबंध में विसंगति पाई गई। तत्काल समायोजन किए जाने की आवश्यकता है और इसकी सूचना आंतरिक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में दी जानी चाहिए। साथ ही सॉफ्टवेयर में अवधि आधार पर ट्रयुशन फीस की गणना किए जाने की सलाह दी जाती है।	समायोजन विवरण तैयार किया गया है और इसके साथ संलग्न है।	कार्रवाई की गई है इसलिए पैरा बंद कर दिया गया

वित्तीय विवरणों और लेखा परीक्षक की उसके संबंध में रिपोर्ट के अतिरिक्त जानकारी

अन्य जानकारी उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी निदेशक मंडल की है। अन्य जानकारी में प्रबंधन विचार-विमर्श और विश्लेषण, बोर्ड की रिपोर्ट के संलग्नकों सहित बोर्ड की रिपोर्ट शामिल हैं लेकिन इसमें वित्तीय विवरण और उसके संबंध में हमारी लेखापरीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

वित्तीय विवरणों से संबंधित हमारे अभिमत में अन्य जानकारीयों को कवर नहीं किया जाता और हम उस पर किसी भी प्रकार का आश्वासन और निष्कर्ष प्रकट नहीं करते।

वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संबंध में, हमारा दायित्व अन्य जानकारी का अध्ययन करना है, और ऐसा करते हुए, इस बात पर विचार करना है कि जानकारी वित्तीय विवरणों अथवा हमारी लेखा परीक्षा की अवधि के दौरान प्राप्त हमारी जानकारी से वस्तुतः भिन्न है अथवा अन्यथा गलत प्रकार से वर्णित किया गया है।

यदि हमारे किए गए कार्य के आधार पर, हमारा निष्कर्ष यह है कि इस अन्य जानकारी के साथ वस्तुतः गलत वर्णन है तो हमें तथ्य की रिपोर्ट देना अपेक्षित है। हम इस संबंध में रिपोर्ट नहीं देनी होती है।

वित्तीय विवरणों हेतु प्रबंधकीय दायित्व

आईआईएमसी का प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए उत्तरदायी है जो इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंट्स ऑफ इंडिया द्वारा समय-समय पर जारी लेखांकन मानकों और अन्य लेखांकन मतों के अनुरूप आईआईएमसी की वित्तीय स्थिति और वित्तीय प्रदर्शन की सही और स्पष्ट जानकारी प्रदान करता है।

इस उत्तरदायित्व में वित्तीय विवरण तैयार करने और उनकी प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रणों के कार्यान्वयन और अनुरक्षण का डिजाइन शामिल है जिससे सही और निष्पक्ष परिदृश्य प्राप्त होता है और वास्तविक असमानता से मुक्त हो चाहे वह धोखाधड़ी की वजह से हो अथवा त्रुटि की वजह से।

वित्तीय विवरण तैयार करने में प्रबंधन, संस्थान की निवर्तमान सरोकार, पर्यटन जैसा कि लागू हो के रूप में जारी रखने और निवर्तमान सरोकारों से संबंधित मामलों और लेखांकन के निवर्तमान सरोकार आधार का उपयोग करने की क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए उत्तरदाई है यदि प्रबंधन संगठन का परिसमापन करना चाहता है अथवा परिचालन बंद करना चाहता है अथवा उसका ऐसा करने के लिए कोई वास्तविक विकल्प नहीं है।

लेखा परीक्षक के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस संबंध में उपयुक्त आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या समग्र वित्तीय विवरण वास्तविक असमानता से मुक्त हैं चाहे वह धोखाधड़ी की वजह से हो अथवा त्रुटि की वजह से और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना जिसमें हमारा अभिमत शामिल होता है। उपयुक्त आश्वासन एक उच्चस्तरीय आश्वासन होता है किंतु यह गारंटी नहीं

होती कि ऐसे के अनुसार आयोजित की गई लेखा परीक्षा में हमेशा किसी वास्तविक असमानता, जब यह विद्यमान हो, का पता चलेगा। असमानता, धोखाधड़ी अथवा त्रुटि की वजह से उत्पन्न होती है और इन्हें वास्तविक माना जाता है यदि अलग-अलग अथवा कुल मिलाकर इनसे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर दिए गए उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय को प्रभावित करने की उपयुक्त अपेक्षा की जा सकती है।

पृथक लेखा परीक्षा के अनुसार लेखा परीक्षा के भाग के रूप में हम अपना पेशेवर निर्णय व्यक्त करते हैं और पूरी लेखा परीक्षा में व्यवसायिक संदेह को बरकरार रखते हैं।

- वित्तीय विवरणों की वास्तविक समानता के जोखिम की पहचान और उसका मूल्यांकन करना चाहे वह धोखाधड़ी की वजह से हो अथवा त्रुटि की वजह से, इन जोखिम के संबंध में प्रतिक्रियाशील लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं का डिजाइन बनाना और उनका निष्पादन करना और ऐसे लेखा परीक्षा प्रमाण प्राप्त करना जो हमारे अभिमत का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हो। धोखाधड़ी के परिणाम स्वरूप वास्तविक असमानता का पता ना लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणाम स्वरूप वास्तविक आसमान तक का पता ना लगाए जाने से अधिक होता है क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, इरादतन मिटाना, गलत तरीके से प्रस्तुत करना अथवा आंतरिक नियंत्रण का उल्लंघन करना शामिल हो सकता है।

- प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित प्रकटीकरण की संगतता का मूल्यांकन करना।
- लेखांकन और, प्राप्त लेखापरीक्षा तथ्यों पर आधारित वर्तमान सूनाम प्रतिष्ठान के प्रबंधन द्वारा उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष में, चाहे घटनाओं और परिस्थितियों से संबंध में वास्तविक अनिश्चितता मौजूद हो, वर्तमान सूनाम प्रतिष्ठान के रूप में कार्य करते रहने की संस्था की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह किया जा सकता हो। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि वास्तविक अनिश्चितता है, तो हमें वित्तीय विवरण में संबंधित प्रकटीकरण के संबंध में हमारी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में ध्यान आकर्षित करना अथवा यदि ऐसा प्रकटीकरण पर्याप्त नहीं है, तो हमारे मत को उपांतरित करना अपेक्षित है। हमारे निष्कर्ष हमारी लेखा परीक्षा की तिथि तक प्राप्त हुए लेखा परीक्षा तथ्यों पर आधारित हैं। तथापि, भविष्य की घटनाएं और परिस्थितियां संस्था को वर्तमान में कार्य करते रहने को प्रभावित कर सकती हैं।
- प्रकटीकरण सहित वित्तीय विवरणों की सामग्री, संरचना और प्रस्तुति का समग्र मूल्यांकन करना और चाहे वित्तीय विवरण किए गए संव्यवहारों और घटनाओं को ऐसी रीति जो एक स्पष्ट प्रस्तुति देती हो।

वास्तविक वित्तीय विवरणों में असमानता का परिमाण है जो कुल मिलाकर इस बात को संभव बना देते हैं कि वित्तीय विवरणों के एक उपयुक्त समझदार प्रयोग करता के आर्थिक निर्णय को प्रभावित किया जा सकता है। हम (i) हमारी लेखा परीक्षा कार्य के कार्य क्षेत्र के नियोजन और हमारे कार्य के परिणामों के मूल्यांकन में (ii) वित्तीय विवरणों में किसी पहचाने गए गलत विवरण के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए परिमाणात्मक मटेरियल एटीआर गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं।

हम उन लोगों के साथ आंतरिक नियंत्रण में किसी भी बड़ी कमी सहित, जो हमें हमारी लेखा परीक्षा के दौरान अभी ज्ञात हुए हैं, अन्य मामलों, योजनाबद्ध कार्यक्षेत्र और लेखा परीक्षा के समय एवं महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्षों के संबंध में प्रशासन के प्रभारी लोगों से पत्राचार करते हैं।

हम एक विवरण के साथ शासन प्रभारियों को भी यह बताना चाहते हैं कि हमने स्वतंत्रता से संबंधित प्रासंगिक नितिका परीक्षाओं का पालन किया है और उन्हें ऐसे सतीश संबंधों एवं अन्य मामलों की सूचना देते हैं जिन पर हमारी स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए विचार किया जा सकता है और जहां संबंधित सुरक्षात्मक उपाय लागू हों।

शासन के प्रभारी व्यक्तियों के साथ सूचित किए गए मामलों से हमने उन मामलों का समाधान किया है जो चालू अवधि के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण थे और इसी वजह से वह लेखा परीक्षा के मामलों में केंद्रीय हैं। हमने हमारे लेखा परीक्षा रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन किया है यदि विधि और विनियम मामले को सार्वजनिक करने में बाधक हो अथवा जब अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में मामलों में, हम निर्णय करते हैं कि किसी मामले को हमारी रिपोर्ट में शामिल नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल प्रभावों से ऐसे पत्राचार के जनहित के लाभ कम होने की उम्मीद की जा सकती है।

अन्य विधिक और विनियामक अपेक्षाएं

- क) हमने वे सभी सूचनाएं और स्पाष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे।
- ख) हमारे अभिमत में, आईआईएमसी द्वारा विधि द्वारा यथाअपेक्षित लेखा बहियों को भलि प्रकार से रखा गया है, जहां तक हमें उन लेखाओं की जांच के माध्यम से ज्ञात हुआ है।
- ग) इस रिपोर्ट में दिए अनुसार 31 मार्च, 2019 तक तुलन पत्र और आय और व्यय खाते लेखा बहियों के साथ अनुबंध में हैं।
- घ) हमारे मत में, अनुसार 31 मार्च, 2019 तक तुलन पत्र और आय और व्यय खाते इंस्टीट्यूट ऑफ चाटर्ड अकाउंट्स ऑफ इंडिया द्वारा समय-समय पर जारी लेखांकन मानकों और अन्य लेखांकन मानकों, जहां तक वे लागू होते हों, के अनुरूप हैं।

एसके मिश्रा एंड गुजराती
सनदी लेखाकार
पंजीकरण संख्या : 001978सी

श्रुति विज
(भागीदार)
एमा नं. : 528958

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 10.10.2019
यूडीआईएन : 19528958AAAABD6889

SK MISRA & GUJRATI

Chartered Accountants

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT ALONG WITH THE MANAGEMENT COMMENTS

TO
THE MEMBERS
INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION
JNU, ARUNA ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110067

Opinion

We have audited the accompanying Financial Statements of INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION (hereinafter referred as 'IIMC') which comprise the Balance Sheet as at March 31, 2019 and the Income and Expenditure Account for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and notes to accounts.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid financial statements give the information required by the Income Tax Act, 1961 ("The Act") in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the Accounting Standards issued by Institute of Chartered Accountants of India (ICAI), and other accounting principles generally accepted in India, of the State of Affairs of the Entity as at March 31, 2019 and its deficiency or surplus for the year ended on that date.

Basis for Qualified Opinion

We conducted our audit of the financial statements in accordance with the Standards on Auditing specified by ICAI (SAs). Our responsibilities under those Standards are further described in the *Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements* section of our report. We are independent from the Entity in accordance with the Code of Ethics issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) together with the independence requirements that are relevant to our audit of the financial statements under the provisions of the Act and the Rules made thereunder, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the ICAI's Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the financial statements.

Basis for Emphasis of Opinion

	Audit observation	<u>MANAGEMENT REPLY</u>	Auditors comment on management reply
1.	Comments of management on library verification report was not available in the current audit period also due to lack of internal coordination and communication.	Action taken report on the Physical Verification on the Library has not been submitted as yet. However a fresh copy of the physical verification Report has been made available to LIO for immediate action.	It is suggested to review the system of verification and bringing the value of books in reports so that same may be verified in financial statements also
2.	TDS recoverable lying in the books for a long time on which appropriate action should be taken either for recovery/write off if not recoverable in order to exhibit true and correct state of affairs. The observation is open from last audit. No action taken yet.	Reconciliation statement is annexed hereto and error have been rectified.	Action has been taken hence para closed
3.	GST TDS is applicable on the Institute from the 1st October 2018. It was observed that the same has not been complied with till date. The urgent action of the management required.	Institute has initiated the process of registration under GST for deduction of TDS Para may please drop.	Action has been taken hence para closed

4.	Legal service contract was given to KPA Legal services without complying to the Tender procedures in 2016. However, initially the fees at which appointment were made was lower than the earlier lawyers' fees.	Earlier M/s Rajeev Sharma and Associates engaged by Prasar Bharti (an organization of same Ministry i.e Min. of I&B) was also engaged by IIMC. Later on keeping in view the results of legal cases, it was decided to change the legal adviser M/s KPA legal services (who also happen to be on panel of Prasar bharti, was engaged) The matter was considered by Min of I & B and IIMC was allowed to retain the services of the legal firm M/s KPA legal service for another three month and meantime IIMC was advised to consider the legal adviser for the government panel.	Information has been received hence para closed
5.	Balance of Rs 11.93 lacs advanced to CCW for Dhenkanal building standing from long time in books even after the work is completed. It was observed that steps for the recovery/adjustments not yet taken.	The matter is under scrutiny and will be solved shortly.	The observation may be kept open for further clarification and action taken on this issue.

6.	Fees charged from students on account of students welfare fund is a non-refundable fee which should be taken as income in the income and expenditure account rather than showing the same in balance sheet as fund. The observation open from the last audit but no action taken yet.	Advice of the Statutory Audit is accepted and the balance under student welfare fund, at the end of the year will be taken in the income and Expenditure account.	The observation may be kept open for action taken on this issue till the next audit period.
7.	Mismatch observed in the records related to library security deposit in the registers maintained with Librarian, Cashier and Accounts. Reconciliation needs to be done urgently and should be reported in internal auditors report. Observation is open from last audit.	Library Security outstanding for more than three years is being transferred to revenue as per policy of IIMC and the balance for three years have been reconciled and matched.	Action has been taken hence para closed
8.	Mismatch observed in the records related to Tuition fees and Accounts. Reconciliation needs to be done urgently and should be reported in internal auditors' report. Also It is suggested to account Tuition Fees on course basis in the software.	Reconciliation Statement have been prepared and annexed hereto.	Action has been taken hence para closed.

Information Other than the Financial Statements and Auditor's Report Thereon

The Board of Directors is responsible for the preparation of the other information. The other information comprises the information included in the Management Discussion and Analysis, Board's Report including Annexures to Board's Report, but does not include the financial statements and our auditor's report thereon.

Our opinion on the financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance conclusion thereon.

In connection with our audit of the financial statements, our responsibility is to read the other information and, in doing so, consider whether the other information is materially inconsistent with the financial statements or our knowledge obtained during the course of our audit or otherwise appears to be materially misstated.

If based on the work we have performed, we conclude that there is a material misstatement of this other information, we are required to report that fact. We have nothing to report in this regard.

Management's Responsibility for the Financial Statements

Management of IIMC is responsible for the preparation of these financial statements that give a fair view of the financial position and financial performance of IIMC in accordance with Accounting Standards and other accounting pronouncements, to the extent applicable, issued by the Institute of Chartered Accountants of India from time to time. This responsibility includes the design implementation and maintenance of internal controls relevant to the preparation and presentations of the financial statements that gives a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the institute's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Entity or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.
- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Entity's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Entity to cease to continue as a going concern.
- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

Materiality is the magnitude of misstatements in the financial statements that, individually or in aggregate, makes it probable that the economic decisions of the reasonably knowledgeable user of the financial statements may be influenced. We consider quantitative materiality and qualitative factors in (i) planning the scope of our audit work and in evaluating the results of our work; and (ii) to evaluate the effect of any identified misstatements in the financial statements.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards. From the matters communicated with those charged with governance, we determine those matters that were of most significance in the audit of the financial statements of the current period and are therefore the key audit matters. We describe these matters in our auditor's report unless law or regulation precludes public disclosure about the matter or when, in extremely rare circumstances, we determine that a matter should not be communicated in our report because the adverse consequences of doing so would reasonably be expected to outweigh the public interest benefits of such communication.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

We report that:

- (a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit.
- (b) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the IIMC so far as it appears from our examination of those books
- (c) The Balance Sheet as at March 31, 2019 and the Income and Expenditure account dealt with by this report are in agreement with the books of account;
- (d) In our opinion, the Balance Sheet as at March 31, 2019 and the Income and Expenditure account comply with the Accounting Standards and other accounting pronouncements, to the extent applicable, issued by the Institute of Chartered Accountants of India from time to time.

Place: New Delhi
Date : 10-10-2019
UDIN: 19528958AAAAABD6889

For S.K MISRA & GUJRATI
Chartered Accountants
FRN:001978C

Shruti Vij
(Partner)
M. No.: 528958

भारतीय जन संचार संस्थान		Indian Institute of Mass Communication		
31.03.2019 का तुलनपत्र		BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019		
		(राशि रुपये) (Amount-Rs.)		
समग्र/पूँजीगत निधि एवं देयताएँ CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	
समग्र/पूँजीगत निधि				
CORPUS/CAPITAL FUND	1	87,86,45,996.00	83,37,94,691.00	
आरक्षित एवं अविशेष				
RESERVE AND SURPLUS	2	-	-	
उद्दिष्ट/अक्षय निधि				
EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	3	3,82,84,029.00	6,58,09,312.00	
सुरक्षित कर्ज एवं उधार				
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	-	-	
असुरक्षित कर्ज एवं उधार				
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	-	-	
आस्थगित जमा देयताएँ				
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	6	-	-	
चालू देयताएँ एवं प्रावधान				
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	3,35,47,082.00	2,83,50,477.00	
कुल				
TOTAL		95,04,77,107.00	92,79,54,479.00	
परिसम्पत्तियाँ ASSETS				
स्थायी परिसम्पत्तियाँ				
FIXED ASSETS	8	87,76,97,674.00	83,28,46,369.00	
निवेश-उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश				
INVESTMENT-FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	9	15,62,713.00	15,62,713.00	
(अग्रणीत) (Carried over)				

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 का तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

परिसम्पत्तियाँ ASSETS	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
निवेश-अन्य INVESTMENT-OTHERS			
चालू परिसम्पत्तियाँ, कर्ज, अग्रिम इत्यादि (अग्रणीत) (Brought forward)	10	48,92,629.00	46,12,154.00
CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC	11	6,63,24,091.00	8,89,33,242.00
विविध खर्च MISCELLANEOUS EXPENDITURE		-	-
(बढ़ते खाते में न डाली गई या समायोजित) (To the extent not written off or adjusted)			
कुल TOTAL		95,04,77,107.00	92,79,54,479.00
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	25	-	-
आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा टिप्पणियाँ CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	26		

कृते एस के मिश्रा और गुजराती

For S K MISRA & GUJRATI

सन्दी लेखाकार

Chartered Accountants

FRN-001978C

हस्ताक्षर/-

(श्रुति विज)

Sd/-

(Shruti Vij)

भगीदार

Partner

M. NO - 528958

स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi

तारीख : 07-10-2019/Date : 07.10.2019

हस्ताक्षर/-

कुलदीप सिंह धतवालिया

Sd/-

Kuldeep Singh Dhatwalia

महानिदेशक

Director General

हस्ताक्षर/-

मनीष देसाई

Sd/-

Manish Desai

अतिरिक्त महानिदेशक

Addl. Director General

हस्ताक्षर/-

अनीमा इक्का

Sd/-

Anima Ekka

उप कुलसचिव

Assistant Registrar

(DDO)

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 तक आय और व्यय लेखा (अन्य केन्द्रीय व्यय)		Indian Institute of Mass Communication INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2019 (Other Central Expenditure) (राशि रुपये) (Amount-Rs.)	
आय	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
INCOME			
विक्रय एवं सेवाओं से आय			
INCOME FROM SALES/SERVICES	12	1,53,24,426.00	1,67,06,314.00
अनुदान/आर्थिक सहायता			
GRANTS/SUBSIDIES	13	15,00,84,000.00	9,19,26,000.00
शुल्क/अभिदान			
COURSE FEES/SUBSCRIPTION	14	2,87,79,740.00	2,73,26,830.00
निवेशों से आय (उद्दिष्ट अ.भ.नि. को छोड़कर अक्षय निधि से निवेश पर आय)			
INCOME FROM INVESTMENTS (from earmarked/endowment funds)	15	-	-
रायल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय			
INCOME FROM SALE OF APPLICATION FORM & PUBLICATION ETC.	16	89,62,765.00	78,65,926.00
प्राप्त व्याज			
INTEREST EARNED	17	11,70,545.00	38,22,719.00
अन्य आय (शुद्ध अं.भ.नि. आय)			
OTHER INCOME	18	-	-
तैयार माल एवं डबल्यु आई पी में वृद्धि/(कमी)			
INCREASE/(DECREASE) IN FINISHED GOODS AND WIP	19	-	-
कुल (क)			
TOTAL (A)		20,43,21,476.00	14,76,47,788.00
व्यय			
EXPENDITURE			
स्थापना खर्च			
ESTABLISHMENT EXPENSES	20	14,44,68,348.00	12,07,54,296.00
अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि			
OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	21	7,50,16,492.00	6,45,12,615.00
अनुदान, आर्थिक सहायता इत्यादि पर खर्च			
EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES ETC	22	-	-
व्याज			
INTEREST	23	-	-

(अग्रणीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को आय और व्यय लेखा (अन्य केन्द्रीय व्यय)

Indian Institute of Mass Communication

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2019
(Other Central Expenditure)
(राशि रुपये) / (Amount-Rs.)

तोलिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	गत वर्ष Previous Year
मूल्यांकन (वर्ष के अंत में शुद्ध जोड़- तोलिका 8 के अनुसार) DEPRECIATION (Net total at the year end-corresponding to schedule 8)	-	-
कुल (ख) TOTAL (B)	21,94,84,840.00	18,52,66,911.00
शेष व्यय से आय की अधिकता होने पर (ग) EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE (C)	(1,51,63,364.00)	(3,76,19,123.00)
पूर्व अवधि वस्तु PRIOR PERIOD ITEMS	-	-
विशेष रिजर्व में स्थानांतरण (प्रत्येक स्पष्ट करें) TRANSFER TO SPECIAL RESERVE (specify each)	-	-
सामान्य रिजर्व से/को स्थानांतरण TRANSFER TO/FROM GENERAL RESERVE	-	-
समग्र/वृत्तीय निधि में लाया गया पूंजीगत खर्च CAPITAL EXPENDITURE CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND	68,08,094.00	27,18,088.00
अनुदान सहायता का अप्रयुक्त शेष (अन्य केन्द्रीय व्यय) UNSPENT BALANCE OF GRANT-IN-AID (Other Central Expenditure)	(2,19,71,458.00)	(4,03,37,211.00)
समग्र/वृत्तीय निधि में डाली गई अ.प्र.नि के तौर पर शेष BALANCE BEING CPF INCOME CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND		
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	25	
आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा दिष्टियाँ CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	26	

कृते एस के मिश्रा और गुजराती For S K MISRA & GUJRATI

समर्थ लेखाकार
Chartered Accountants

FRN-001978C

हस्ताक्षर/-
(श्रुति विज)
Sd/-

(Shruti Vij)

भागीदार
Partner

M. NO - 528958

स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi

तारीख : 07-10-2019/Date : 07.10.2019

हस्ताक्षर/-
कुलदीप सिंह धतवालिया
Sd/-

Kuldeep Singh Dhatwalia

महानिदेशक
Director General

हस्ताक्षर/-
मनीष देसाई
Sd/-

Manish Desai

अतिरिक्त महानिदेशक
Addl. Director General

हस्ताक्षर/-
अनीमा इक्का
Sd/-

Anima Ekka

उप कुलसचिव
Assistant Registrar

(DDO)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2019 को समाप्त अवधि का आय और व्यय लेखा (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम)

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2019
(Central Sector Scheme)

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

आय/INCOME	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
अनुदान/आर्थिक सहायता GRANTS/SUBSIDIES	13	4,90,96,000.00	10,94,50,000.00
निविदाओं की बिक्री से आय INCOME FROM SALE OF TENDERS		-	-
केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम के तहत कोई आय ANY OTHER INCOME UNDER CENTRAL SECTOR SCHEME	13	40,48,175.00	70,24,753.00
कुल (क) TOTAL (A)		5,31,44,175.00	11,64,74,753.00
व्यय/EXPENDITURE			
अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	21 A	1,56,07,639.00	1,68,95,597.00
समग्र/पूर्वगत निधि में लाया गया पूर्णगत खर्च CAPITAL EXPENDITURE CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND	21 A	4,06,79,800.00	8,97,93,533.00
कुल (ख) TOTAL (B)		5,62,87,439.00	10,66,89,130.00
अनुदान सहायता (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) का अप्रयुक्त शेष (क-ख) Unspent Balance of Grant-in-Aid (Central Sector Expenditure) (A-B)		(31,43,264.00)	97,85,623.00
कृते एस के मिश्रा और गुजराती For S K MISRA & GUJRATI सनदी लेखाकार Chartered Accountants FRN-001978C हस्ताक्षर/- (श्रुति विज) Sd/- (Shruti Vij) भागीदार Partner M.NO - 528958 स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi तारीख : 07-10-2019/Date : 07.10.2019			
हस्ताक्षर/- कुलदीप सिंह धतवालिया Sd/- Kuldeep Singh Dhatwalia महानिदेशक Director General			
हस्ताक्षर/- मनीष देसाई Sd/- Manish Desai अतिरिक्त महानिदेशक Addl. Director General			
हस्ताक्षर/- अनीमा इक्का Sd/- Anima Ekka उप कुलसचिव Assistant Registrar (DDO)			

भारतीय जन संचार संस्थान		Indian Institute of Mass Communication	
31.03.2019 को समाप्त अवधि का आय और व्यय लेखा (एनसीओई)		INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019 (NCOE)	
(राशि रुपये) (Amount-Rs.)			
आय/INCOME	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
अनुदान/अधिक सहायता GRANTS/SUBSIDIES		1,73,72,706.00	29,66,666.00
निविदाओं की बिक्री से आय INCOME FROM SALE OF TENDERS		-	-
केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम के तहत कोई आय ANY OTHER INCOME UNDER CENTRAL SECTOR SCHEME			88,983.00
कुल (क)/TOTAL (A)		1,73,72,706.00	30,55,649.00
व्यय/EXPENDITURE			
अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC			18,06,541.00
समग्र/पूँजीगत निधि में लाया गया पूँजीगत खर्च CAPITAL EXPENDITURE CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND			1,55,906.00
कुल (ख)/TOTAL (B)			19,62,447.00
अप्रयुक्त शेष (क-ख) Unspent Balance (A-B)		1,73,72,706.00	10,93,202.00
कृते एस के मिश्रा और गुजराती For S K MISRA & GUJRATI सनदी लेखाकार Chartered Accountants FRN-001978C हस्ताक्षर/- (कृति विज) Sd/- (Shrutvi Vij) भागीदार Partner M.NO - 528958 स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi तारीख : 07-10-2019/Date : 07.10.2019		हस्ताक्षर/- मनीष देसाई Sd/- Manish Desai अतिरिक्त महानिदेशक Addl. Director General	
		हस्ताक्षर/- अनीमा इक्का Sd/- Anima Ekka उप कुलसचिव Assistant Registrar (DDO)	

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 तक प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2019

प्राप्ति RECEIPTS YEAR	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS YEAR	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
1. प्रारम्भिक शेष					
I. OPENING BALANCES					
क) नकद					
a) Cash in Hand	49,158.00	65,447.00	क) स्थापना खर्च	14,44,68,348.00	2,96,34,115.00
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक खर्च		
b) Bank Balances			b) Administrative Expenses	7,50,16,492.00	3,03,02,673.00
1) चालू खाते में			ग) वेतन के अलावा स्त्रोत पर आयकर		
I) In Current Accounts	-	-	c) TDS other than salary	-	-
2) संविधि जमा खाते में			घ) विविध व्यय		
II) In Deposits Accounts	-	-	d) Sundry Payable	-	-
3) बचत खाते में			ड.) अन्य खर्चे		
III) Saving Accounts	8,36,48,916.00	5,59,38,791.00	e) Other Expense	-	42,27,547.00
ग) डाक टिकट					
c) Postage Stamps	-	-	2. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम के तहत व्यय		
2. प्राप्त अनुदान			II. EXPENDITURE UNDER CENTRAL SECTOR SCHEME		
II. GRANTS RECEIVED			क) केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम	1,56,07,639.00	67,54,971.00
क) भारत सरकार से (अन्य केन्द्रीय व्यय)			a) Central Sector Scheme GIA General		
a) From GOI (Other Central Expenditure)	15,00,84,000.00	9,19,26,000.00	ख) केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम द्वारा संपत्ति की निर्माण		
सरकार से (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम)			b) Central Sector Scheme Creation of Assets	4,06,79,800.00	8,94,19,652.00
From GOI (Central Sector Scheme)	6,64,68,706.00	10,94,50,000.00	ग) एनसीओई		
ख) राज्य सरकारों से			c) NCOE	-	19,62,446.00
b) From State Government	-	-	3. परियोजनाओं और लघु पाठ्यक्रम के लिए निधियों से किया गया खर्च		
ग) अन्य स्रोतों से			III. PAYMENTS MADE UNDER PROJECTS & SHORT COURSES		
c) From other Sources	-	-	क) परियोजना	36,45,225.00	14,39,449.00
3. निवेश से आय			a) Projects		
III. INCOME ON INVESTMENTS FROM			ख) लघु पाठ्यक्रम		
क) समग्र/पूँजीगत निधियों से			b) Short Courses	2,15,94,225.00	62,93,130.00
a) Earmarked/Endow Funds	1,27,448.00	1,06,176.00			
ख) निजी निधियों से					
b) Own Funds	-	-			

(अग्रणीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2019

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
4. प्राप्त व्यय		(अग्रानीति) (Brought forward)	4. निवेश और जमा		
IV. INTEREST RECEIVED			IV. INVESTMENTS AND DEPOSITS MADE		
क) बैंक जमा पर			क) उद्दिष्ट एवं अक्षय निधि से		49,068.00
a) On Bank Deposits	11,70,545.00	60,58,883.00	a) Out of Earmarked/Endowment Funds	-	
ख) कर्ज, अग्रिम पर			ख) निजी निधियों से (निवेश-अन्य)		
b) Loans, Advances	-	2,69,102.00	b) Out of Own Funds (INVESTMENTS-OTHERS)		
5. अन्य आय			5. स्थायी परिसम्पत्तियां पर व्यय		
V. OTHER INCOME			V. EXPENDITURE ON ASSETS		
क) शिक्षा शुल्क			क) गैर-योजना के तहत अवल सम्पत्तियाँ		21,01,631.00
a) Tuition Fee	2,87,70,580.00	2,79,98,238.00	a) Fixed Assets Under Other Central Expenditure	68,08,094.00	
ख) प्रकाशनों/अवेदन पत्रों की बिक्री			ख) अग्रिम, ऋण और जमा		
b) Sale of Application Form/Publications	89,62,765.00	80,09,925.00	b) Advance, Loan & Deposits	36,59,297.00	1,88,08,927.00
ग) छात्रवास/सभाघर शुल्क			6. अधिशेष राशि/कर्ज की वापसी		
c) Hostel/Auditorium Fee	69,30,997.00	47,68,946.00	VI. REFUND OF SURPLUS MONEY/LOANS		
घ) विविध प्राप्ति			क) भारत सरकार को		
d) Misc. Office Receipt	82,86,328.00	11,81,495.00	a) To the GOI	1,98,68,696.00	-
6. निधि और देनदारियों के तहत प्राप्ति			ख) राज्य सरकार को		
VI. RECEIPTS UNDER FUNDS & LIABILITIES			b) To the State Government	-	-
योजना के तहत विविध प्राप्ति			ग) अन्य निधि दाताओं को		
Miscellaneous Receipts under plan			C) To Other Providers of Funds	-	-
प्रतिभूतियों, जमा और अन्य वर्तमान देनदारियों की प्राप्ति			7. निवेश में वृद्धि		
Receipts of Securities, Deposits and			VII. INCREASE IN INVESTMENT		
Other Current Liabilities	34,01,000.00	64,13,821.00	जमा में गलत डाले गए निवेश		
पुरस्कार एवं छात्रवृत्ति के अंतर्गत प्राप्ति			INVESTMENT WRONGLY ACCOUNTED		
Receipts Under Awards & Scholarship	2,30,000.00	3,63,000.00	IN DEPOSITS		
छात्र कल्याण निधि/पूर्व छात्र निधि के अंतर्गत प्राप्ति			8. निधियों और देनदारियों के तहत भुगतान		
Receipts Under Students Welfare Fund/			VIII. PAYMENTS UNDER LIABILITIES & FUNDS		
Alumini Funds	13,71,500.00	10,98,000.00	जमा सहित मौजूदा देनदारियाँ		
7. परियोजनाओं और लघु पाठ्यक्रम के तहत प्राप्ति			Current Liabilities including Deposits	23,22,613.00	12,71,52,192.00
VII. RECEIPTS UNDER PROJECTS & SHORT COURSES			पुरस्कार और छात्रवृत्ति		
			(अग्रानीति) (Carried over)		

भारतीय जन संचार संस्थान		Indian Institute of Mass Communication			
31.03.2019 को प्राप्ति और भुगतान का लेखा		RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2019			
प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS (अग्रानीत) (Brought forward)	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
-योजनाओं के तहत प्राप्ति -Receipt under Projects	17,94,150.00	32,90,300.00	Awards & Scholarship छात्र कल्याण निधि	3,33,000.00	5,10,048.00
-लघु पाठ्यक्रमों के तहत प्राप्ति -Receipt under Short-Courses	2,51,28,053.00	2,58,25,748.00	Students Welfare Fund	7,73,693.00	1,49,253.00
8. संपत्ति की प्राप्ति			9. अंत शेष		
VIII. RECEIPTS OF ASSETS			IX. CLOSING BALANCES		
ऋण, अग्रिम एवं जमा की प्राप्ति			क) नकद		
-Receipts of Loan, Advances & Deposits	86,38,288.00	5,96,35,520.00	a) CASH IN HAND	23,076.00	49,158.00
-परिपक्व निवेश			ख) फ्रेकिंग मशीन के टिकट		
-Investment Matured	-	-	b) STAMP IN FRANKING MACHINE	-	-
9. अन्य प्राप्ति			ग) बैंक जमा		
IX. OTHER RECEIPTS			c) BANK BALANCES		
	1,07,101.00	1,03,784.00	1) चालू खाते में		
			D) IN CURRENT ACCOUNTS	-	-
			2) संचयि जमा खाते में		
			II) IN DEPOSITS ACCOUNTS	-	-
			3) बचत खाते में		
			III) SAVINGS ACCOUNTS	6,03,69,337.00	8,36,48,916.00
कुल TOTAL	39,51,69,535.00	40,25,03,176.00	कुल TOTAL	39,51,69,535.00	40,25,03,176.00
कृते एस के मिश्रा और गुजराती For S K MISRA & GUJRATI संनदी लेखाकार Chartered Accountants FRN-001978C हस्ताक्षर/- (श्रुति विज) Sd/- (Shruti Vij) भागीदार Partner M.NO - 528958 स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi तारीख : 07-10-2019/Date : 07.10.2019		हस्ताक्षर/- मनीष देसाई Sd/- Manish Desai अतिरिक्त महानिदेशक Addl. Director General			
		हस्ताक्षर/- अनीमा इक्का Sd/- Anima Ekka उप कुलसचिव Assistant Registrar (DDO)			

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019		(राशि-रुपये) (Amount- Rs.)
	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
3. विशेष रिजर्व:		
3. Special Reserve:		
पिछले लेखे के अनुसार		
As per last Account	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त		
Addition: during the year	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान कटौती		
Less: Deduction during the year	-	-
4. सामान्य रिजर्व:		
4. General Reserve:		
पिछले लेखे के अनुसार		
As per last Account	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त		
Addition: during the year	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान कटौती		
Less: Deduction during the year	-	-
कुल TOTAL	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान		Indian Institute of Mass Communication					
31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ		SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019					
		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)					
		अनुदान Grants		आवर्ती निधि Revolving Fund		पुरस्कार निधि Award Fund	
तालिका 3-उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क) निधियों की रोकड़ जमा (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) a) Opening balance of the funds (Central Sector Scheme)		2,30,52,885.00	1,32,67,262.00	-	-	-	-
अन्य केन्द्रीय व्यय (Other Central Expenditure)		3,55,85,285.00	7,59,22,496.00	52,04,564.00	51,74,628.00	19,66,578.00	18,34,146.00
1) दान/अनुदान प्राप्ति (अन्य केन्द्रीय व्यय) i. Donations/Grants Received (Other Central Expenditure)		15,00,84,000.00	9,19,26,000.00	-	-	-	-
2) दान/अनुदान (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) ii. Donations/Grants (Central Sector Scheme)		4,90,96,000.00	10,94,50,000.00	-	-	-	-
3) निधि लेख के निवेश से प्राप्त आय iii. Income from investments made on account of funds		-	-	28,161.00	29,936.00	99,287.00	2,39,166.00
4) अन्य परिवर्धन (स्पष्ट करें) iv. Other Additions (Specify)							
केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम के तहत आय Receipt under Central Sector Scheme		40,48,175.00	70,24,753.00				
कमी और अतिरिक्त Short & excess		-	-				
अं.प्र.निधि की आय से अतिरिक्त अन्य आय (अन्य केन्द्रीय व्यय) Other Income (Other Central Expenditure)		5,42,37,476.00	5,57,21,788.00	-	-	-	-
5) अं.प्र.निधि की आय में जमा v) Addition to CPF income		-	-	-	-	-	-
कुल TOTAL		31,61,03,821.00	35,33,12,299.00	52,32,725.00	52,04,564.00	20,65,865.00	20,73,312.00
		(अग्रणीत) (Carried over)					

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ		Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019 (राशि-रुपये) (Amount-Rs.)					
		अनुदान Grants		परिक्रमी निधि Revolving Fund		भविष्य निधि CPF	
		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 3-उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS							
ख) निधियों के उद्देश्य हेतु उपयोग/व्यय b) Utilisation/Expenditure towards objectives of funds		(अग्रणीत) (Brought forward)					
1) पूंजीगत व्यय i. Capital Expenditure							
-अग्रिम सहित अचल संपत्ति (अन्य केंद्रीय व्यय) -Fixed Assets including advances (Other Central Expenditure)		68,08,094.00	27,18,088.00	-	-	-	-
-अग्रिम सहित अचल संपत्ति (केंद्रीय क्षेत्रक स्कीम) -Fixed Assets including advances (Central Sector Scheme)		4,06,79,800.00	8,97,93,533.00				
2) राजस्व खर्च (अन्य केंद्रीय व्यय) ii. Revenue Expenditure (Other Central Expenditure)							
-वेतन, मजदूरी तथा भत्ते इत्यादि -Salaries, Wages and Allowances etc.		14,44,68,348.00	12,07,54,296.00	-	-	-	-
-किराया/पूर्व अवधि वस्तु -Rent/Prior Period item		-	-	-	-	-	-
-अन्य प्रशासनिक खर्च -Other Administrative Expenses		7,50,16,492.00	6,45,12,615.00	-	-	42,019.00	1,06,734.00
3. राजस्व खर्च (केंद्रीय क्षेत्रक स्कीम) iii. Revenue Expenditure (Central Sector Scheme)		1,56,07,639.00	1,68,95,597.00				
4. अनुदान वापसी (केंद्रीय क्षेत्रक स्कीम) iv. Grant refunded (Central Sector Scheme)		1,98,68,696.00	-				
(अन्य केंद्रीय व्यय) (Other Central Expenditure)		-	-				
कुल (ख) Total (b)		30,24,49,069.00	29,46,74,129.00				
वर्ष की समाप्ति पर शेष (क-ख) NET BALANCE AS AT THE YEAR END (a+b)		1,36,54,752.00	5,86,38,170.00	52,32,725.00	52,04,564.00	20,23,846.00	19,66,578.00
		(अग्रणीत) (Carried over)					

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 3-उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	अनुदान Grants		परिक्रमी निधि Revolving Fund		भविष्य निधि CPF	
	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
		(अग्रानीत) (Brought forward)				
अनुदान सहायता का अप्रयुक्त शेष (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) Unspent Balance of Grant-in-Aid (Central Sector Scheme)	40,925.00	2,30,52,885.00				
अनुदान सहायता का अप्रयुक्त शेष (अन्य केंद्रीय व्यय) Unspent Balance of Grant-in-Aid (Other Central Expenditure)	1,36,13,827.00	3,55,85,285.00				
उद्दिष्ट निधियाँ का समूहीकरण - तालिका 3 GROUPING FOR EARMARKED FUNDS...SCHEDULE 3						
उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ Earmarked/Endowment Funds						
1. आवर्ती निधि का अंत शेष 1. Closing Balance of Revolving Fund	52,32,725.00					
2. अनुदान का शुद्ध अप्रयुक्त शेष 2. Net Unspent Balance of Grants						
आईआईएमसी IIMC	1,36,54,752.00					
एनसीओई NCOE	1,73,72,706.00					
3. पुरस्कार निधि की जमा शेष 3. Closing Balance of Award Funds	20,23,846.00					
कुल/Total	3,82,84,029.00					

टिप्पणियाँ/Notes

- 1) प्रकटन अनुदान से जुड़ी शर्तों पर आधारित संगत शीर्षों के अंतर्गत किये जाएँ ।
1) Disclosure shall be made under relevant heads based on conditions attaching to the grants.
- 2) केन्द्र/राज्य सरकारों से प्राप्त केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम निधियों को पृथक् निधियों के रूप में दर्शाया जाए तथा किसी अन्य निधि के साथ न मिलाया जाए ।
2) Central Sector Scheme Funds received from the Central/State Governments are to be shown as separate Funds and not to be mixed up with any other Funds.
- 3) वर्ष 2018-19 के दौरान केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम और अन्य केंद्रीय व्यय के अनप्रयुक्त शेष की आंशिक राशि वापस कर दी गई है।
3) Opening Balance of Unspent Balances of Other Central Expenditure and Central Sector Scheme adjusted during the financial year 2018-19

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 4-सुरक्षित कर्ज एवं उधार: SCHEDULE 4-SECURED LOANS AND BORROWINGS:		
1. केन्द्र सरकार 1. Central Government	-	-
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें) 2. State Government (Specify)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएँ 3. Financial Institutions		
क) आवधिक कर्ज a) Term Loans		
ख) प्रोद्भूत एवं देय ब्याज b) Interest Accrued and Due	-	-
4. बैंक : 4. Banks:		
क) आवधिक कर्ज a) Term Loans		
-प्रोद्भूत एवं देय ब्याज -Interest Accrued and Due	-	-
ख) अन्य कर्ज (स्पष्ट करें) b) Other Loans (specify)		
-प्रोद्भूत एवं देय ब्याज -Interest Accrued and Due	-	-
5. डिबेंचर एवं बॉंड 5. Debentures and Bonds	-	-
6. अन्य (स्पष्ट करें) 6. Others (Specify)	-	-
कुल TOTAL	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 5- असुरक्षित कर्ज एवं उधार: SCHEDULE 5-UNSECURED LOANS AND BORROWINGS:		
1. केन्द्र सरकार 1. Central Government	-	-
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें) 2. राज्य सरकार (Specify)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएँ 3. Financial Institutions	-	-
4. बैंक : 4. Banks:		
क) सावधिक कर्ज a) Term Loans	-	-
ख) अन्य कर्ज (स्पष्ट करें) b) Other Loans (specify)	-	-
5. अन्य संगठन एवं एजेंसियाँ 5. Other Institutions and Agencies	-	-
6. अन्य (स्पष्ट करें) 6. Others (Specify)	-	-
कुल TOTAL	-	-
(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)		
	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 6-अस्थगित ऋण देयताएँ: SCHEDULE 6-DEFERRED CREDIT LIABILITIES:		
क) पूंजीगत उपकरणों तथा अन्य परिसम्पत्तियों के मालबंधन द्वारा प्राप्त स्वीकृतियाँ a) Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets	-	-
ख) अन्य b) Others	-	-
कुल TOTAL	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 7-चालू देयताएँ एवं प्रावधानः SCHEDULE 7-CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS:		
क. चालू देयताएँ		
A. CURRENT LIABILITIES		
1. स्वीकृतियाँ		
1. Acceptances	-	-
2. विविध लेनदार		
2. Sundry Creditors		
क) वस्तुओं के		
a) For Goods		
ख) अन्य (परियोजनाओं/पाठ्यक्रमों के अप्रयुक्त शेष)		
b) Others (Unspent balance of project/courses)	1,45,34,185.00	1,39,44,636.00
3. प्राप्त अग्रिम		
3. Advances Received	-	-
4. प्रोद्भूत ब्याज पर निम्नलिखित पर देय नहीं		
4. Interest accrued but not due on:		
क) सुरक्षित कर्ज/उधार		
a) Secured Loans/Borrowings	-	-
5. डेकनाल विप्रेषण खाता		
5. Dhenkanal Remittance A/c	-	-
6. कानूनी देयताएँ:		
6. Statutory Liabilities:		
क) अतिशेष (अं.भ.नि शेष)		
a) Overdue (CPF Balance)	-	-
ख) अन्य		
b) Others	-	-
7. अन्य चालू देयताएँ		
7. Other Current Liabilities	1,90,12,897.00	1,44,05,841.00
कुल (क)		
TOTAL (A)	3,35,47,082.00	2,83,50,477.00
	(अग्रणीत) (Carried over)	

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
प्रावधान		
PROVISIONS		
1. करधान हेतु		
1. For Taxation	-	-
2. उपदान		
2. Gratuity	-	-
3. अधिवर्षिता/नकद पाना		
3. Superannuation/Encashment	-	-
4. संचयी छुट्टी नकदीकरण		
4. Accumulated Leave Encashment	-	-
5. व्यापार आवश्यकता/दावे		
5. Trade Warranties/Claims	-	-
6. अन्य		
6. Others	-	-
कुल (ख)		
TOTAL (B)	-	-
कुल (क+ख)		
TOTAL (A+B)	3,35,47,082.00	2,83,50,477.00

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

अन्य चालू देयताओं का समुह (तालिका-7) GROUPING OF OTHER CURRENT LIABILITIES (SCHE-7)	(राशि-रुपये) (चालू वर्ष) (Amount-Rs.) Current Year
क) जमानती राशियों से प्राप्ति	
A) SECURITY DEPOSITS RECEIVED	
1. पुस्तकालय जमानती राशि (मुख्यालय)	28,72,700.00
1. LIBRARY SECURITY (HEAD OFFICE)	
2. पुस्तकालय जमानती राशि (डिंकानाल)	99,300.00
2. LIBRARY SECURITY (DHENKANAL)	
3. छात्रावास जमानती राशि (अइजोल)	5,000.00
3. LIBRARY SECURITY (AIZAWL)	
4. छात्रावास जमानती राशि (अमरावती)	45,000.00
4. LIBRARY SECURITY (AMRAVATI)	
5. छात्रावास जमानती राशि (कोट्टायम)	10,000.00
5. LIBRARY SECURITY (KOTTAYAM)	
6. छात्रावास जमानती राशि (मुख्यालय)	6,25,000.00
6. HOSTEL SECURITY (HEAD OFFICE)	
7. छात्रावास जमानती राशि (डिंकानाल) मुख्यालय में	1,52,000.00
7. HOSTEL SECURITY (DHENKANAL) AT H.O	
8. छात्रावास जमानती राशि डिंकानाल में	-
8. HOSTEL SECURITY AT DHENKANAL	
9. छात्रावास जमानती राशि जम्मू में	55,000.00
9. HOSTEL SECURITY AT JAMMU	
10. छात्रावास जमानती राशि अमरावती में	39,000.00
10. HOSTEL SECURITY AT AMRAVATI	
11. छात्रावास जमानती राशि कोट्टायम में	12,500.00
11. HOSTEL SECURITY AT KOTTAYAM	
12. जमानती राशि (डिंकानाल)	1,23,428.00
12. SECURITY DEPOSIT (DHENKANAL)	
13. प्रतिधारण राशि जमा	8,16,575.00
13. RETENTION MONEY DEPOSIT	
14. पेंसनी/व्यापन (मुख्यालय)	14,90,940.00
14. EARNST MONEY DEPOSIT (HEAD OFFICE)	
15. पुरस्कार (प्रयोजित)	5,000.00
15. AWARD (SPONSORED)	
16. छात्र कल्याण निधि	22,31,892.00
16. STUDENT WELFARE FUND	
ख) अन्य देयताएँ	
B. OTHER LIABILITIES	
छात्रवृत्ति	
SCHOLARSHIP	5,08,550.00
अनुदान पर अर्जित व्याज वापिस होगा	
INTEREST EARNED ON GRANT TO BE REFUNDED	27,56,740.00
वॉक्स पॉप 2014	
VOX POP 2014	-

(अंग्रेजी)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

अन्य चालू देयताओं का समुह (तालिका-7)

GROUPING OF OTHER CURRENT LIABILITIES (SCHE-7)

रोक लगाई रकम	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)	(चालू वर्ष) Current Year
WITHHELD AMOUNT	54,30,057.00	
टीडीएस देय		
TDS PAYABLE	2,41,717.00	
पुराने चेक	-	
STALE CHEQUE	-	
सुरेश अग्रिम भुगतान	-	
SURESH ADVANCE PAYABLE ACCOUNT		
आईआईएससी संघ देय खाता		
IIMC ASSOCIATION PAYABLE ACCOUNT	900.00	
केपीए कानूनी सेवा		
KPA LEGAL SERVICES	200.00	
छेदा सिंह देय खाता		
CHEDA SINGH PAYABLE ACCOUNT	36.00	
सीजीआईआईएस (आईआईएस उम्मेदवार)		
CGEGIS (IIS PROB)	26,400.00	
सीजीएचएस (आईआईएस उम्मेदवार)		
CGHS (IIS PROB)	1,49,500.00	
एनपीएस		
NPS	1,59,517.00	
एसआरएस का वकाया		
SRS PAYABLE ACCOUNT	1,62,657.00	
सीपीएफ को भुगतान		
PAYABLE TO CPF	9,93,288.00	
कुल TOTAL	1,90,12,897.00	

(अग्रणीत)
(Brought forward)

परियोजनाओं एवं अल्पावधि पाठ्यक्रमों का अनप्रयुक्त शेष
UNSPENT BALANCE OF PROJECTS & SHORT COURSES:

परियोजनाएँ (मुख्यालय)

PROJECTS (H.O)

एनसीओइ	-
NCOE	
पेयजल और स्वच्छता	
DRINKING WATER AND SANITATION	1,37,557.00
बंगलादेश प्रो कोर्स खाता	
BANGLADESH PRO COURSE ACCOUNT	52,731.00
स्त्री का आधारभूत अध्ययन	
BASELINE STUDY OF WOMEN	9,02,687.00
जगो ग्राहक जगो	
JAGO GRAHAK JAGO	-
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ		Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019
अन्य चालू देयताओं का समुह (तालिका-7)	GROUPING OF OTHER CURRENT LIABILITIES (SCHE-7)	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.) (चालू वर्ष) Current Year
MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE		96,013.00
सड़क सुरक्षा अभियान		-
ROAD SAFETY CAMPAIGN		
डीपीडी के जनरल के सर्वेक्षण एवं मॉकट मूल्यांकन		3,83,559.00
SURVEY & MKT ASS OF DPD JOURNALS		
यूनेस्को स्वान		99,990.00
UNESCO SWAN		
जलपूर्ति और स्वच्छता		1,31,408.00
WATER SUPPLY & SANITATION		
अल्पावधि पाठ्यक्रम		
SHORT COURSES		
राष्ट्रीय स्तर पर मीडिया कार्यशाला		2,50,199.00
NATIONAL LEVEL MEDIA WORKSHOP		
राष्ट्रीय मीडिया संकाय प्रतिनिधि		45,947.00
NATIONAL MEDIA FACULTY DEV CENTRE		
भारतीय भाषा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी		(3,07,333)
NATIONAL SEMINAR ON INDIAN LANGUAGE		
अपना रेडियो		38,900.00
APNA RADIO		
आंकड़े विश्लेषण पर कार्यशाला		20,810.00
WORKSHOP ON DATA ANALYSIS		
भारतीय सूचना सेवा आधार पाठ्यक्रम		(10,88,523)
IIS OFFICERS COURSES		
आइटेक		94,19,310.00
ITEC		
आर्मी के लिए मीडिया कम्युनिकेशन कोर्स		21,84,753.00
MEDIA COMM COURSE FOR ARMY		
मीडिया कम्युनिकेशन कोर्स		80,265.00
MEDIA COMM COURSE FOR NADP		
स्कैप		7,11,790.00
SCAAP		
एसएसबी कोर्स		8,01,883.00
SSB COURSE		
एफटीआईआई		2,23,474.00
FTII		
लघु पाठ्यक्रम (देंकानल)		12,780.00
SHORT COURSES (DHENKANNAL)		
मीडिया महकुंभ मेला		3,35,985.00
MEDIA MAHAKUMBH FEST		
कुल TOTAL		1,45,34,185.00

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

तालिका 8-स्थायी परिसम्पत्तियाँ
SCHEDULE 8-FIXED ASSETS

विवरण
Description

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि-रुपये)
Amount-Rs.

कुल खंड GROSS BLOCK			मूल्य ह्रास DEPRECIATION		शुद्ध खंड NET BLOCK		
लागत/मूल्यंकन वर्ष के प्रारम्भ में Cost/Valuation As at beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ Additions during the year	वर्ष के दौरान घटाव Deduction during the year	वर्ष के प्रारम्भ में As at the beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ On add during the year	वर्ष के दौरान वर्ष के दौरान घटाव On ded during the year	चालू वर्ष के अंत में As at the current year end	पिछले वर्ष के अंत में As at the previous year end

क. स्थाई परिसम्पत्तियाँ:

A. FIXED ASSETS:

1. भूमि:

1. Land:

क) पूर्ण स्वामित्व

a) Freehold

ख) पट्टे पर

b) Leasehold

2. भवन

2. Building

क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर

a) On Freehold Land

ख) पट्टे वाली भूमि पर

b) On Leasehold Land

ग) फ्लैट/परिसरों का स्वामित्व

c) Ownership Flats/Premises

घ) गैरसमलिकाना भूमि पर अधिरचना

d) Superstructures on land

not belonging to the entity

3. प्लांट, मशीनें एवं उपकरण

3. Plant, Machinery & Equipment

4. वाहन

4. Vehicles

5. फर्नीचर और फिक्सचर

5. Furniture & Fixtures

6. कम्प्यूटर संबंधी

6. Computer Peripherals

7. पुस्तकालय की पुस्तकें

7. Library Books

8. ट्यूबवेल एवं जल वितरण

8. Tubewells & W. Supply

(अग्रणीत)

(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

तालिका 8-स्थायी परिसम्पत्तियाँ
SCHEDULE 8-FIXED ASSETS

विवरण
Description

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(अग्रणीत)
(Brought forward)

(राशि-रुपये)
Amount-Rs.

विवरण Description	कुल खंड GROSS BLOCK			मूल्य ह्रास DEPRECIATION			शुद्ध खंड NET BLOCK	
	लागत/मूल्यांकन वर्ष के प्रारम्भ में Cost/Valuation As at beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ Additions during the year	वर्ष के दौरान घटाव Deduction during the year	वर्ष के प्रारम्भ में As at the beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ On add during the year	वर्ष के कुल योग Total up to the year	चालू वर्ष के अंत में As at the current year end	पिछले वर्ष के अंत में As at the previous year end

9. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ
9. Other Fixed Assets

चालू वर्ष का कुल योग (क)

TOTAL OF CURRENT YEAR(A) 46,10,52,950.00 1,19,19,428.00 26,36,589.00 47,03,35,789.00 - - - 47,03,35,789.00 46,10,52,950.00

ख. पूंजीगत कार्य में प्रगति
B. CAPITAL WORK IN PROGRESS

1. सी.सी.डब्ल्यू. (आकाशवाणी) एवं अन्य
को भवन परियोजना हेतु अग्रिम

1. Advance to CCW(AIR) &
others for Building Project

37,17,93,419.00 3,55,68,466.00 - 40,73,61,885.00 - - - 40,73,61,885.00 37,17,93,419.00

चालू वर्ष का कुल योग (ख)

TOTAL OF CURRENT YEAR(B) 37,17,93,419.00 3,55,68,466.00 - 40,73,61,885.00 - - - 40,73,61,885.00 37,17,93,419.00

कुल (क+ख) TOTAL (A+B)

83,28,46,369.00 4,74,87,894.00 26,36,589.00 87,76,97,674.00 - - - 87,76,97,674.00 83,28,46,369.00

टिप्पणियाँ/Notes :

1. प्लॉट एवं मशीनों में प्रिंटिंग प्रेस उपकरण, दृश्य-श्रव्य उपकरण एवं ऑफिस उपकरण शामिल हैं।
1. Plant & Machinery includes printing press equipments, audio visual equipments, office equipments.
2. "परिसम्पत्तियों को केंद्रीय क्षेत्र की योजना में डालना" का विभाजन भवन, कम्यूटर्स एवं सहायक उपकरण, फर्नीचर एवं फिक्स्चर, प्लॉट, मशीनें एवं उपकरण में किया गया है।
2. "CENTRAL SECTOR SCHEME CREATION OF CAPITAL ASSETS" has been bifurcated into building, computers & peripherals, furniture & fixtures, plant, machinery & equipment.

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

स्थायी परिसम्पत्तियाँ/अग्रिम

FIXED ASSETS/ADVANCES (ADDITIONS DURING THE YEAR)

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि-रुपये)
Amount-Rs.

विवरण Description	केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम (क) Central Sector Scheme (A) चालू वर्ष Current Year	अन्य केन्द्रीय व्यय Other Central Expenditure डेकानाल Dhenkanal	मुख्यालय At H.O.	अन्य केन्द्रीय व्यय Other Central Expenditure (B)	कुल Total (क+ख)	लौप Deletions	शुद्ध राशि Net Amount
1. भवन							
1. Building	3,21,571.00	-	-	-	3,21,571.00	-	3,21,571.00
2. फर्नीचर एवं फिक्स्चर							
2. Furniture & Fixtures	-	35,095.00	-	35,095.00	35,095.00	1,79,901.00	(1,44,806.00)
3. पुस्तकें							
3. Books	3,593.00	12,179.00	25,309.00	37,488.00	41,081.00	14,564.00	26,517.00
4. कम्प्यूटर							
4. Computers	47,79,470.00	-	46,25,387.00	46,25,387.00	94,04,857.00	8,95,853.00	85,09,004.00
5. वाहन							
5. Vehicles	-	-	-	-	-	-	-
6. प्लांट, मशीनरी एवं उपकरण							
6. Plant, Machinery & Equipment	6,700.00	28,568.00	20,81,556.00	21,10,124.00	21,16,824.00	15,46,271.00	5,70,553.00
7. सी सी डबल्यू (आकाशवाणी) और अन्य को भवन निर्माण हेतु अग्रिम							
7. Advance to CPWD for building Project	3,55,68,466.00	-	-	-	3,55,68,466.00	-	3,55,68,466.00
कुल TOTAL	4,06,79,800.00	75,842.00	67,32,252.00	68,08,094.00	4,74,87,894.00	26,36,589.00	4,48,51,305.00

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 9-उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश		
SCHEDULE 9- INVESTMENT FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS		
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
1. In Government Securities	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में	15,62,713.00	15,62,713.00
2. Other Approved Securities (fixed deposit of awards fund in scheduled banks)	15,62,713.00	15,62,713.00
3. शेयर	-	-
3. Shares	-	-
4. डिबेंचर एवं बांड	-	-
4. Debenturs and Bonds	-	-
5. गैंग एवं संयुक्त उद्यम	-	-
5. Subsidiaries and Joint Ventures	-	-
6. अन्य	-	-
6. Others	-	-
कुल TOTAL	15,62,713.00	15,62,713.00
तालिका 10-निवेश-अन्य		
SCHEDULE 10- INVESTMENT-OTHERS		
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
1. In Government Securities	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में (अनुसूचित बैंको में सावधि जमा)	-	-
2. Other Approved Securities (Fixed Deposit at Scheduled Banks)	-	-
3. शेयर	-	-
3. Shares	-	-
4. डिबेंचर एवं बांड	-	-
4. Debenturs and Bonds	-	-
5. गैंग एवं संयुक्त उद्यम	-	-
5. Subsidiaries and Joint Ventures	-	-
6. अन्य	48,92,629.00	46,12,154.00
6. Others	48,92,629.00	46,12,154.00
कुल TOTAL	48,92,629.00	46,12,154.00

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
समूहों में तालिका 9 निवेश GROUPING OF SCH-9 INVESTMENT FROM EARMARKED FUNDS 1. बैंकों में सावधिक जमा (पुरस्कार राशि) I. Fixed Deposit with Bank (Award Fund) क) मुख्यालय A) Head Office ख) धेकनाल B) Dhenkanal	- 12,12,713.00 3,50,000.00	- 12,12,713.00 3,50,000.00
कुल TOTAL	15,62,713 .00	15,62,713 .00
समूहों में तालिका 10 निवेश एवं अन्य GROUPING OF SCH-10 INVESTMENT OTHERS 1. पी.डब्ल्यू.डी में सावधिक जमा I. Fixed Deposit at PWD 2. अल्पवधि सावधिक जमा 2. Short Term Fixed Deposits	- - -	- - -
कुल TOTAL	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 11 चालू परिसम्पत्तियाँ, कर्ज और अग्रिम इत्यादि SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क. चालू परिसम्पत्तियाँ		
A. CURRENT ASSETS:		
1. वस्तु सूची		
I. Inventories		
क. भंडार एवं अतिरिक्त		
a) Stores and Spares	-	-
ख. माल व्यापार में		
b) Stock-in-Trade	-	-
- तैयार माल		
- Finished Goods		
- कार्य में प्रगति		
- Work-in-Progress		
- कच्चा माल		
- Raw Materials		
2. विविध देनदार		
2. Sundry Debtors:		
क. छ: महीने से अधिक अवधि का बकाया कर्ज		
a) Debts outstanding for a period exceeding six months	-	-
ख. अन्य (परियोजनाओं/पाठ्यक्रमों को वसूलने योग्य अनुदान/निधियों)		
b) Others (Grants/Funds for project/courses recoverable)	11,75,678.00	11,75,678.00
ग. नकद शेष (चेक/ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		
3. Cash balances in hand (including cheques/drafts and imprest)	9,773.00	35,482.00
4. बैंक शेष:		
4. Bank Balances:		
क. अनुसूचित बैंकों में:		
a) With Scheduled Banks:		
- चालू खाते में		
- On Current Accounts	-	-
- संचयि खाते में (मार्जिन राशि सहित)		
- On Deposit Accounts (includes margin money)	-	-
- बचत खाते में		
- On Saving Accounts		
- प्रधान कार्यालय (सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया)		
- Head Office (CBI)	5,79,64,745.00	8,09,93,669.00
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया - पुरस्कार निधि		
- Central Bank of India-Award Fund	-	-
- डेकनाल बैंक		
- Dhenkanal Bank		
- अं.म.नि बैंक	11,10,707.00	10,59,711.00
- CPF Bank Balance	-	-
(अग्रणीत) (Carried over)		

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
5. आईसीएसएसआर फेलोशिप पुरस्कार खाता (रिंकू पेगु)	(अग्रनीति) (Brought forward)	26,948.00	26,948.00
5. ICSSR Fellowship Award A/c (Rinku Pegu)			
6. अवकाश यात्रा भत्ता अग्रिम		-	-
6. LTC Advance			
7. सोत्र पर कर कटौती वापसी		28,16,347.00	21,34,662.00
7. TDS Refund			
8. अनुदान प्राप्त करने योग्य		-	-
8. Grant Receivable			
कुल (क)		6,31,04,198.00	8,54,26,150.00
TOTAL (A)			
ख. कर्ज, अग्रिम और अन्य परिसम्पत्तियाँ			
B. LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS			
1. कर्ज :			
1. Loans :			
क) कर्मचारी (आवर्ती निधि)			
क) Staff (Revolving Fund)		7,000.00	21,000.00
ख) गतिविधियों/उद्देश्यों में लगे हुए अन्य तत्व जो उन तत्वों के समान हों		-	-
ख) Other entities engaged in activities/objectives similar to that of the entity			
ग) अन्य		-	-
ग) Others			
2. नकद या माल के रूप में या प्राप्त मूल्य हेतु वसूलने योग्य अग्रिम या अन्य राशियाँ			
2. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received			
क) पूंजीगत लेखे रूप में			
क) On Capital Account		-	-
ख) पूर्व भुगतान	1,42,442.00		
ख) Prepayments		1,42,442.00	
ग) अन्य			
ग) Others	16,89,476.00	18,31,917.00	18,66,912.00
3. प्रोद्भूत आय			
3. Income Accrued:			
क) उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश पर (अं.भ.नि. के प्रोद्भूत ब्याज)			
क) On Investment from Earmarked/Endowment Funds (Accrued interest of award fund)	73,788.00	-	-
ख) निवेश/अन्य (संस्थान की पुरस्कार निधि एवं खजाना पर प्रोद्भूत ब्याज)			
ख) On Investments-Others	-	73,788.00	9,968.00
	(अग्रनीति) (Carried over)	-	

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	(अग्रणीत) (Brought forward)	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
ग) अन्य (अप्राप्य देय राशि शामिल है रु.) c) Others (includes income due unrealised-Rs.) ADVANCE TO BRANCHES		-	-
4. कोट्टायम विप्रेषण खाता			
4. Kottayam Remittance A/c Advance to Branches			
Cash	-	-	-
Bank	2,665.00	2,367.00	-
	3,97,335.00	5,75,033.00	-
5. अमरावती विप्रेषण खाता			
5. Amravati Remittance A/c			
Cash	-	-	-
Bank	2,424.00	905.00	-
	3,04,764.00	4,87,865.00	-
6. जम्मू विप्रेषण खाता			
6. Jammu Remittance A/c			
Cash	-	-	-
Bank	158.00	2,112.00	-
	2,99,842.00	3,57,402.00	-
7. आइजोल विप्रेषण खाता			
7. Aizwal Remittance A/c			
Cash	-	-	-
Bank	8,056.00	8,292.00	-
	2,91,944.00	1,75,236.00	16,09,212.00
8. विद्यार्थी कल्याण कोष खाता			
8. Student Welfare Fund A/c			
9. अंतरराष्ट्रीय मीडिया विश्वविद्यालय			
9. International Media University			
कुल (ख) TOTAL (B)		32,19,893.00	35,07,092.00
कुल (क+ख) TOTAL (A+B)		6,63,24,091.00	8,89,33,242.00

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year
वर्तमान परिसम्पत्तियों का समूह (तालिका 11) GROUPING OF CURRENT ASSETS (SCHEDULE 11)	
परियोजनाओं/अल्पकालिक पाठ्यक्रमों पर अधिखर्च शेष (31.03.2017) OVERSPENT BALANCE OF PROJECTS/ SHORT COURSES (31.3.2017)	
बीपीआरडी कार्यशाला खाता BPRD Workshop A/c	73,155.00
वॉटसन परियोजना Watson Project	8,34,688.00
पंचायती राज सशक्तीकरण Empowering Panchayati Raj	2,67,835.00
कुल TOTAL	11,75,678.00
नकद शेष CASH BALANCES	
मुख्यालय Head Office	97.00
ढेंकानाल Dhenkanal	9,676.00
प्रेक्किंग मशीन में टिकट Stamps in Franking Machine	-
कुल TOTAL	9,773.00
बैंक शेष BANK BALANCES	
1. मुख्यालय 1. Head Office	
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया Central Bank of India	4,05,49,673.00
2. एनसीओई 2. NCOE	1,74,15,072.00
3. ढेंकानाल 3. DHENKANAL	11,10,707.00
कुल TOTAL	5,90,75,452.00

(अग्रणीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

चालू वर्ष
Current Year

क) आवर्ती निधि		
A) REVOLVING FUND		
आवर्ती निधि से अग्रिम का इतिशेष Closing Balance of Revolving fund Advances		
ख) नकद या वस्तुओं के रूप में (अन्य) अग्रियों की वसूली		
B) ADVANCES RECOVERABLE IN CASH OR KIND (Others)		
मुख्यालय		
HEAD OFFICE		
भारत दर्शन अध्ययन दौरा Bharat Darshan Study Tour		7,21,339.00
खाते से अग्रिम (खरीद) On A/c Advance (Purchase)		2,03,490.00
खाते से अग्रिम (अन्य केन्द्रीय व्यय) On A/c Advance (Other Central Expenditure)		15,000.00
खाते से अग्रिम (प्रयोजक) On A/c Advance (Sponsor)		2,16,500.00
खाते से अग्रिम (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) On A/c Advance (Central Sector Scheme)		5,000.00
पूर्व अग्रिम Festival Advance		15,890.00
बामर लोरी को अग्रिम Advance to Balmer Lowrie		1,66,532.00
अल आर साईलो पर बकाया L R Sailo Receivable Account		500.00
एनसीओई प्राय खाता NCOE Receivable Account		-
एलटीसी अग्रिम LTC Advance		80,000.00
चिकित्सा व्यय के लिए अग्रिम Advance for Medical Expenses		1,00,000.00
कर्मचारी को अग्रिम Advance to Employees		1,60,000.00
कुल (क)		
TOTAL (A)		16,84,251.00
ढेंकनाल		
DHENKANAL		
ओ वाई टी जमा OYT Deposit		-
(अग्रणीत) (Carried over)		

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि-रुपये)

(Amount-Rs.)

चाबू वर्ष Current Year

कर्मचारियों को अग्रिम Advances to employees	(अग्रणीत) (Brought forward)	5,225.00
कुल (ख) TOTAL (B)		5,225.00
कुल (क+ख) TOTAL (A+B)		16,89,476.00
नकदी या वस्तु के रूप में मीडिया में अग्रिमों की वसूली ADVANCES RECOVERABLE IN CASH OR IN KIND		
1-पूर्व भुगतान, प्रतिभूतियों का भुगतान 1.Prepayments, Security Deposits Paid		
मुख्यालय Head Office		59,630.00
ढेंकानाल Dhenkanal		82,812.00
कुल TOTAL		1,42,442.00

(अग्रणीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को आय और व्यय तालिका

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019

(राशि-रुपये)

(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 12- विक्री/सेवाओं से आय SCHEDULE 12-INCOME FROM SALES/SERVICES		
1. विक्री से आय		
1. Income from Sales		
क) तैयार माल की विक्री से		
a) Sale of Finished Goods	-	-
ख) कच्चे माल की विक्री से		
b) Sale of Raw Material	-	-
ग) कबाड़ की विक्री से		
c) Sale of Scraps	1,07,101.00	78,805.00
2. सेवाओं से आय		
2. Income from Services		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
a) Labour and Processing Charges	-	-
ख) व्यावसायिक/परामर्श सेवाएँ		
b) Professional/Consultancy Services	-	-
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
c) Agency Commission and Brokerage	-	-
घ) रखरखाव सेवाएँ (उपकरण/संपत्ति)		
d) Maintenance Services (Equipment/Property)	-	-
ड.) अन्य (स्पष्ट करें)		
e) Others (Specify)		
-छात्रावास किराया	60,71,597.00	48,59,215.00
-Hostel Rent		
-विविध प्राप्ति	82,86,328.00	1,11,07,364.00
-Misc Receipt including Short Courses & Projects		
-सभाघर का किराया	8,59,400.00	6,60,930.00
-Rent of Auditorium		
-आईआईएमसी पुरस्कार पर प्राप्त ब्याज		
f) Interest received on award IIMC	-	-
कुल	1,53,24,426.00	1,67,06,314.00
TOTAL		

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को तुलनपत्र की तालिकाएँ		Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019	
समूहों में तालिका 12 GROUPING OF SCHEDULE 12		(राशि-रुपये)/(Amount-Rs.)	
आवर्ती निधि HOSTEL RENT		चालू वर्ष Current Year	
अधिकारियों के अतिथि गृह का किराया Officers Guest House Rent		18,81,225.00	
छात्र छात्रावास किराया Student Hostel Rent		33,09,637.00	
मकान किराया योगदान House Rent Contribution		60,035.00	
छात्रावास सीट का किराया (दैनिकाल) Hostel Seat Rent (Dhen.)		8,20,700.00	
छात्रावास सीट का किराया (अमरावती) Hostel Seat Rent (Amravati)		-	
कुल (क) TOTAL (A)		60,71,597.00	
सभागार/सम्मेलन कक्ष/लाउंज का किराया RENT OF AUDITORIUM/CONFERENCE ROOM/LOUNGE			
खाते से अग्रिम (खरीद) Booking of Auditorium		8,59,400.00	
खाते से अग्रिम (प्रायोजक) Booking of Lounge		-	
मिनी सभागार से पूर्व अग्रिम Booking of Mini Auditorium		-	
कुल (क) TOTAL (A)		8,59,400.00	
विविध प्राप्ति MISC. RECEIPT			
विविध कार्यालय प्राप्ति Misc. Office Receipt		82,85,208.00	
वेतन के विरुद्ध प्राप्ति Receipt against Salary		1,120.00	
विविध कार्यालय रसीद (दैनिकाल) Misc. Office receipt (Dhenkenal)		-	
ओआईएस अधिकारी का प्रशिक्षण (दैनिकाल) Training of OIS Officer (Dhenkenal)		-	
कुल (क) TOTAL (A)		82,86,328.00	

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को आय और व्यय तालिका		Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019	
तालिका 13-अनुदान/आर्थिक सहायता SCHEDULE 13- GRANTS/SUBSIDIES		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
(प्राप्त अटल अनुदान एवं आर्थिक सहायता) (Irrevocable Grants & Subsidies Received)			
1. केन्द्र सरकार (अन्य केंद्रीय व्यय)			
1. Central Government (Other Central Expenditure)		14,30,84,000.00	9,07,81,000.00
2. केन्द्र सरकार (मंजूर परिसंपत्तियों के लिए अन्य केंद्रीय व्यय)			
2. Central Government (Other Central Expenditure for capital assets)		70,00,000.00	11,45,000.00
कुल (1+2)		15,00,84,000.00	9,19,26,000.00
TOTAL (1+2)			
3. केन्द्र सरकार (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम)			
3. Central Government (Central Sector Scheme)		4,90,96,000.00	10,94,50,000.00
4. राज्य सरकार		-	-
4. State Governments		-	-
5. सरकारी एजेंसियाँ		-	-
5. Government Agencies		-	-
6. संस्थाएं/कल्याण निकाय		-	-
6. Institutions/Welfare Bodies		-	-
7. अंतरराष्ट्रीय संगठन		-	-
7. International Organisations		-	-
8. अन्य (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम के तहत विविध प्राप्ति)			
8. Others (Misc. receipt under Central Sector Scheme)		40,48,175.00	70,24,753.00
कुल		20,32,28,175.00	20,84,00,753.00
TOTAL			

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को आय और व्यय तालिका

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019

(राशि-रुपये) (Amount-Rs)		
तालिका 14- शुल्क/चंदा SCHEDULE 14-FEE/SUBSCRIPTION	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. प्रवेश शुल्क 1. Entrance Fee	-	-
2. वार्षिक शुल्क/चंदा 2. Annual Fees/Subscriptions	2,87,79,740.00	2,73,26,830.00
3. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क 3. Seminar/Program fees	-	-
4. परामर्श शुल्क 4. Consultancy Fees	-	-
5. अन्य (स्पष्ट करें) 5. Others (specify)	-	-
कुल TOTAL	2,87,79,740.00	2,73,26,830.00
तालिका 14 समूहों का GROUPING OF SCHEDULE 14	(राशि-रुपये)(Amount-Rs.) चालू वर्ष Current Year	
वार्षिक शुल्क/चंदा ANNUAL FEES/SUBSCRIPTIONS		
शिक्षा शुल्क (मुख्यालय) TUTION FEES (HEAD OFFICE)	2,80,74,080.00	
शिक्षा शुल्क (हेडकनाल) मुख्यालय में TUTION FEES (DHEN) AT HEAD OFFICE	-	
शिक्षा शुल्क (हेडकनाल) TUTION FEE (DHENKANAL)	6,96,500.00	
प्रकाशन शुल्क PUBLICATION FEES	2,900.00	
विलंब शुल्क LATE FEES	6,260.00	
कुल Total	2,87,79,740.00	

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को आय और व्यय की तालिका		Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019 (राशि-रुपये) (Amount-Rs.)			
तालिका 15-निवेशों से आय SCHEDULE 15- INCOME FROM INVESTMENTS		उद्दिष्ट निधि से निवेश Investment from Earmarked Fund		अन्य निवेश Investment-Others	
(उद्दिष्ट/अक्षय से स्थानांतरित निधि से निवेश पर आय) (Income on Invest. from Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. ब्याज					
1. Interest					
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर					
a) On Govt. Securities		-	-	-	-
ख) अन्य बॉण्ड एवं डिबेंचर					
b) Other Bonds/Debentures		-	-	-	-
2. लाभांश					
2. Dividends:					
क) शेयरों पर					
a) On Shares		-	-	-	-
ख) पारस्परिक निधि प्रतिभूतियों पर					
b) On Mutual Fund Securities		-	-	-	-
3. किराया					
3. Rents					
4. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में निवेश पर ब्याज					
4. Interest on Investment with CBI		-	-	-	-
5. अन्य (अल्पवधि जमा ब्याज) (मुख्यालय)					
5. Others (Interest on Short Term Deposit) (Head Office)		-	-	-	-
6. अल्पवधि जमा ब्याज (हैंकनाल)					
6. Interest on Short Term Deposit (Dhenkanal)		-	-	-	-
कुल					
TOTAL		-	-	-	-
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों में स्थानांतरित					
Transferred to Earmarked/Endowment Funds		-	-	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को आय और व्यय तालिका Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय SCHEDULE 16- INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. रॉयल्टी से आय 1. Income from Royalty 2. प्रकाशन से आय 2. Income from sale of application & publication 3. अन्य (स्पष्ट करें) 3. Others (Specify)	- 89,62,765.00 -	- 78,65,926.00 -
कुल TOTAL	89,62,765.00	78,65,926.00
तालिका 16 के समूह GROUPING OF SCHEDULE 16 प्रकाशनों से हुई आय INCOME FROM PUBLICATION अविदन पत्रों की बिक्री SALE OF APPLICATION FORM प्रकाशनों की बिक्री SALE OF PUBLICATION		89,39,488.00 23,277.00
कुल TOTAL		89,62,765.00

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को आय और व्यय तालिका

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)		
तालिका 17-अर्जित व्याज SCHEDULE 17- INTEREST EARNED	वर्तमान वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. संचयि जमा: 1. On Term Deposits: क) अनुसूचित बैंकों में a) With Scheduled Banks मुख्यालय Head Office दुकानाल Dhenkanal ख) गैर अनुसूचित बैंकों में b) With Non-Scheduled Banks ग) संस्थाओं में c) With Institutions घ) अन्य d) Others	11,06,086.00 - - - -	32,74,114.00 - - - -
2. बचत खातों में: 2. On Saving Accounts: क) अनुसूचित बैंकों में a) With Scheduled Banks मुख्यालय Head Office दुकानाल Dhenkanal ख) गैर अनुसूचित बैंकों में b) With Non-Scheduled Banks ग) डकखाने में बचत खाते c) Post Office Savings Accounts घ) अन्य d) Others	64,459.00 - - - -	4,83,664.00 64,941.00 - - -
3. कर्ज पर: 3. On Loans: क) कर्मचारी/स्टाफ a) Employees/Staff ख) अन्य b) Others 4. पुरस्कार खाते पर व्याज 4. Interest on Award A/c	- - -	- - -
कुल Total	11,70,545.00	38,22,719.00

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2019 को आय और व्यय की तालिका

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 18-अन्य आय SCHEDULE 18-OTHER INCOME	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. विक्री पर लाभ/परिसम्पत्तियों का निपटान: 1. Profit on Sale/Disposal of Assets: क) निजी परिसम्पत्तियाँ a) Owned Assets	-	-
ख) निधियों से अर्जित या मुफ्त प्राप्त परिसम्पत्तियाँ b) Assets acquired out of grants or received free of cost	-	-
2. निर्यात प्रोत्साहन वसुली 2. Export Incentives Realized	-	-
3. विविध सेवाओं के लिए शुल्क 3. Fees for Miscellaneous Services	-	-
4. विविध आय (अं.प्र. निधि से आय) 4. Miscellaneous Income	-	-
कुल TOTAL	-	-
तालिका 19-स्टॉक तैयार माल एवं डबल्यु आई पी में वृद्धि/कमी SCHEDULE 19-INCREASE/(DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS & WIP	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क) अन्तिम स्टॉक a) Closing Stock		
-तैयार माल -Finished Goods	-	-
-चल रहे कार्य -Work-in-Progress	-	-
ख) घटाए : प्रारंभिक स्टॉक b) Less: Opening Stock		
-तैयार माल -Finished Goods	-	-
-कार्य में प्रगति -Work-in-Progress	-	-
शुद्ध वृद्धि/(कमी) (क-ख) NET INCREASE/(DECREASE) [a-b]	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को आय और व्यय की तालिका Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
तालिका 20-स्थापना खर्चे SCHEDULE 20-ESTABLISHMENT EXPENSES	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क) वेतन एवं मजदूरी a) Salaries and Wages	8,11,16,746.00	4,99,65,117.00
ख) भत्ते एवं बोनस b) Allowances and Bonus	3,12,09,238.00	4,00,60,828.00
ग) भविष्य निधि/एनपीएस में अंशदान c) Contribution to Provident Fund/NPS	89,21,807.00	83,38,882.00
घ) अन्य निधियों में अंशदान d) Contribution to Other Fund	-	-
ड.) कर्मचारी कल्याण खर्चे e) Staff Welfare Expenses	-	-
च) कर्मचारी सेवानिवृत्ति तथा सेवांत लाभों पर खर्च f) Expenses on Employees' Retirement and Terminal Benefits	1,71,01,563.00	1,72,22,198.00
छ) अन्य g) Others	61,18,994.00	51,67,271.00
कुल TOTAL	14,44,68,348.00	12,07,54,296.00
तालिका 20 के समूह GROUPING OF SCHEDULE 20	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)	चालू वर्ष Current Year
तनखाह एवं मजदूरी SALARIES & WAGES मुख्यालय एवं डेक्कानाल के खाते BOOKS OF HEAD OFFICE & DHENKANAL अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन Pay to Officers/Staff संकाय का वेतन Pay to Faculty आईआईएस को भुगतान Pay to IIS कर्मचारियों को मानदेय Hon. to Staff		3,87,34,632.00 3,04,24,880.00 1,18,79,734.00 77,500.00
कुल Total		8,11,16,746.00
(अग्रणीत) (Carried over)		

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को आय और व्यय तालिका Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019	
तालिका 20 के समूह GROUPING OF SCHEDULE 20	(अग्रणीत) (Brought forward)
भत्ते एवं बोनस ALLOWANCE & BONUS	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
महंगाई भत्ता DA	चालू वर्ष Current Year
मकान दर भत्ता HRA	80,80,599.00
अन्य भत्ते Overtime Allowances	1,60,94,529.00
परिवहन भत्ते Transport Allowances	71,731.00
धुलाई भत्ते Washing Allowances	62,99,539.00
बोनस Bonus	1,45,000.00
कुल Total	5,17,840.00
अ.भ.नि और नई पेंशन योजना के लिए अंशदान CONTRIBUTION TO PROVIDENT FUND AND NEW PENSION SCHEME	3,12,09,238.00
मुख्यालय Head Office	41,39,158.00
ढेंकनाल Dhenkanal	-
नई पेंशन योजना New Pension Scheme	47,82,649.00
कुल Total	89,21,807.00
(अग्रणीत) (Carried over)	

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को आय और व्यय तालिका Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019		(राशि-रुपये)/(Amount-Rs.)
	चालू वर्ष Current Year	
कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवा समाप्ति लाभ EXPENSES ON EMPLOYEES RETIREMENT & TERMINAL BENEFITS		(अग्रनीति) (Brought forward)
ग्रेच्युटि Gratuity अवकाश वेतन एवं सेवा निवृत्ति अंशदान Leave Salary & Pension Contribution अवकाश भुगतान Leave Encashment जमा से संबद्ध बीमा योजना Deposit Linked Insurance Scheme	1,05,91,179.00 - 65,10,384.00 -	
कुल Total	1,71,01,563.00	
अन्य OTHERS विक्रित्ता खर्च Medical Expenses यात्रा खर्च (एलटीसी) Travelling Expenses (LTC) शिक्षा शुल्क वापसी Tuition Fee Reimbursement अवकाश भुगतान Leave Encashment	39,58,574.00 8,28,005.00 6,13,360.00 7,19,055.00	
कुल Total	61,18,994.00	

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2019 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019

(राशि-रुपये)

(Amount-Rs.)

तालिका 21-अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि SCHEDULE 21- OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क) खरीद (फोटोग्राफी सामग्री) a) Purchases (Photographic material)	-	-
ख) श्रम एवं प्रोसेसिंग खर्चे b) Labour and Processing Expenses	-	-
ग) हुलाई एवं अवक गाड़ी c) Cartage and Carriage Inwards	-	-
घ) पावर एवं बिजली एवं पानी के खर्चे d) Electricity and Power & Water charges	1,03,89,941.00	95,63,802.00
ड.) जल प्रभार e) Water Charges	-	-
च) बीमा f) Insurance	-	-
छ) मरम्मत एवं रखरखाव g) Repair and Maintenance	98,66,171.00	67,42,627.00
ज) उत्पाद शुल्क h) Excise Duty	-	-
झ) किराया, दरें एवं कर I) Rent, Rates and Taxes	36,153.00	36,162.00
ञ) वाहन संचालन एवं रखरखाव j) Vehicles Running and Maintenance	9,34,756.00	12,23,177.00
ट) डाक टिकटें, टेलीफोन एवं संचार प्रभार k) Postage, Telephone and Communication Charges	7,44,697.00	10,15,111.00
ठ) छपाई और लेखन सामग्री l) Printing and Stationery	17,54,840.00	13,77,806.00
ड) यात्रा और वाहन पर खर्च m) Travelling and Conveyance Expenses	20,34,679.00	14,46,838.00
ण) संगोष्ठियों/कार्यशालाओं पर खर्च n) Expenses on Seminar/Workshop	1,99,298.00	1,46,185.00
त) समाचार पत्र और आवाधिक पर अभिदान खर्च o) Subscription Expenses of News Papers & Periodical	14,27,918.00	7,21,175.00
थ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक सहित कानूनी और पेशेवर शुल्क पर व्यय p) Expenses on Legal and Professional Fee including auditor remuneration	20,43,639.00	16,44,180.00
द) आतिथ्य सत्कार खर्च q) Hospitality Expenses	5,63,639.00	12,19,075.00

(अग्रणीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2019 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 21-अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि SCHEDULE 21- OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
न) व्यावसायिक शुल्क (संकाय दौरा) r) Professional (Visiting Faculty) Fee	27,11,427.00	25,69,648.00
प) अशोध एवं संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों हेतु प्रावधान s) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances	-	-
फ) अवसूलीय शेष बढ़ते खाते में डाला गया t) Irrecoverable Balances Written off	-	-
ब) पैकिंग खर्च u) Packing Expenses	-	-
म) वितरण खर्च v) Distribution Expenses	-	-
म) विज्ञापन एवं प्रचार w) Advertisement and Publicity	35,566.00	12,29,273.00
य) विविध x) Miscellaneous	35,14,931.00	22,55,221.00
र) कैजुअल कर्मचारियों की मजदूरी y) Wages to Casual Staff	3,70,04,890.00	3,19,32,953.00
ल) अन्य - संपत्तिकर z) Property Tax	10,62,951.00	10,41,397.00
व) कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर इत्यादि पर खर्च za) Expenses on computer software, etc.	6,90,997.00	1,29,841.00
श) अंतर्राष्ट्रीय मीडिया संचार विश्वविद्यालय zb) International Media Communication University	-	-
ष) अन्य zc) Others	-	2,18,144.00
कुल TOTAL	7,50,16,492.00	6,45,12,615.00

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
समूहों में तालिका-21 GROUPING OF SCH-21	चालू वर्ष Current Year	
बिजली और पानी ELECTRICITY & WATER		
मुख्यालय Headoffice	96,97,092.00	
ढेंकनाल Dhenkanal	6,92,849.00	
कुल TOTAL	1,03,89,941.00	
मरम्मत और रखरखाव REPAIR AND MAINTENANCE		
क. अन्य केन्द्रीय व्यय A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE		
भवन BUILDING		
मुख्यालय HO	86,59,831.00	
ढेंकनाल Dhenkanal	6,26,220.00	
	(A) 92,86,051.00	
उपकरण EQUIPMENT		
मुख्यालय HO	3,37,221.00	
ढेंकनाल Dhenkanal	2,12,712.00	
	(B) 5,49,933.00	
फर्नीचर मुख्यालय FURNITURE H.O	30,187.00	
कुल TOTAL	98,66,171.00	
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम पर व्यय B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE		
उपकरणों की मरम्मत और पट्टा लाइनों का किराया Service Repair of Equipment and Lease Line Rent	-	
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम+अन्य केन्द्रीय व्यय) TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME+OTHER CENTRAL EXPENDITURE)	98,66,171.00	

भारतीय जन संचार संस्थान Indian Institute of Mass Communication		31.03.2019 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019	
समूहों में तालिका-21 GROUPING OF SCH-21		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.) चालू वर्ष Current Year	
वाहन परिचालन एवं रखरखाव VEHICLE RUNNING & MAINTENANCE		(अग्रणीत) (Brought forward)	
ईंधन की लागत Cost of fuel		7,09,349.00	
मरम्मत एवं रखरखाव Repair and Maintenance			
मुख्यालय HO		1,57,312.00	
डेक्कनाल Dhenkenal		68,095.00	
कुल TOTAL		9,34,756.00	
डाक टिकट, टेलीफोन और टेलीप्रिंटर के खर्च POSTAGE, TELEPHONE AND TELEPRINTER CHGS			
क. अन्य केंद्रीय व्यय A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE			
डाक टिकट एवं तार खर्च POSTAGE & TELEGRAPHIC CHARGES			
मुख्यालय HO		32,408.00	
डेक्कनाल Dhenkenal		9,446.00	
		(A) 41,854.00	
दूरभाष खर्च TELEPHONE EXPS			
मुख्यालय HO		4,81,969.00	
डेक्कनाल Dhenkenal		2,20,874.00	
		(B) 7,02,843.00	
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम B. CENTRAL/SECTOR SCHEME		-	
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम+अन्य केंद्रीय व्यय) TOTAL (CENTRAL/SECTOR SCHEME+OTHER CENTRAL EXPENDITURE)		7,44,697.00	
		(अग्रणीत) (Carried over)	

भारतीय जन संचार संस्थान Indian Institute of Mass Communication		SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019 (राशि-रुपये) (Amount-Rs.)	
समूहों में तालिका-21 GROUPING OF SCH-21	चातू वर्ष Current Year		
मुद्रण एवं लेखन सामग्री PRINTING & STATIONERY		(अग्रानीत) (Brought forward)	
क. अन्य केंद्रीय व्यय A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE			
मुख्यालय Head Office	16,37,272.00		
हैकनाल Dhenkenal	1,17,568.00		
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम पर व्यय B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE	-		
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम पर व्यय+अन्य केंद्रीय व्यय) TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE + OTHER CENTRAL EXPENDITURE)	17,54,840.00		
यात्रा एवं परिवहन TRAVELLING & CONVEYANCE			
क. अन्य केंद्रीय व्यय A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE			
मुख्यालय HEAD OFFICE			
स्थानीय यात्रा Local Travel	1,74,185.00		
बाहरी यात्राएँ Outstation Travels	14,15,133.00		
विदेश यात्राएँ Foreign Travel	-		
हैकनाल Dhenkenal	-		
स्थानीय यात्रा Local Travel	2,372.00		
बाहरी यात्राएँ Outstation Travels	4,42,989.00		
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम पर व्यय B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE	Total 20,34,679.00		
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम व्यय+अन्य केंद्रीय व्यय) TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE+OTHER CENTRAL EXPENDITURE)	20,34,679.00		
		(अग्रानीत) (Carried over)	

भारतीय जन संचार संस्थान Indian Institute of Mass Communication 31.03.2019 को आय और व्यय तालिका SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
समूहों में तालिका-21 GROUPING OF SCH-21	चालू वर्ष Current Year	
शैक्षिक भ्रमण एवं यात्राएँ STUDY TOUR & TRAVELS मुख्यालय Head Office ढेंकनाल Dhenkanal ढेंकनाल पर सेमिनार का खर्च Seminar Expense at Dhenkanal	(अग्रणीत) (Brought forward)	1,11,825.00 87,473.00 -
कुल TOTAL		1,99,298.00
चंदे के खर्चे SUBSCRIPTION EXPENSES		
अखबार एवं सार्वधिक प्रकाशन NEWSPAPER & PERIODICALS		
क. अन्य केंद्रीय व्यय A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE		
मुख्यालय Head Office यू.एन.आई टेलिप्रिटर का किराया Rent of Umi Teleprinter ढेंकनाल Dhenkanal		13,49,078.00 - 78,840.00 Total 14,27,918.00
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम व्यय B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE		-
कुल (केंद्रीय क्षेत्रक स्कीम व्यय+अन्य केंद्रीय व्यय) TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE+ OTHER CENTRAL EXPENDITURE)		14,27,918.00
मनोरंजन/ आतिथ्य ENTERTAINMENT/HOSPITALITY		
मुख्यालय Head Office ढेंकनाल Dhenkanal		4,92,877.00 70,762.00
कुल TOTAL		5,63,639.00
	(अग्रणीत) (Carried over)	

भारतीय जन संचार संस्थान Indian Institute of Mass Communication 31.03.2019 को आय और व्यय तालिका SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019	
समूहों में तालिका-21 GROUPING OF SCH-21	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.) चाबू वर्ष Current Year
पेशेवर शुल्क PROFESSIONAL FEE क. अन्य केंद्रीय व्यय A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE बाहरी/अतिथि वक्ताओं (मुख्यालय) का मानदेय/शुल्क Hon/Fee to Guest Speakers/Outside (H.O) बाहरी/अतिथि वक्ताओं (डेक्कनाल) का मानदेय/शुल्क Hon/Fee to Guest Speakers/Outside (Dhenkenal)	3,23,692.00 1,74,015.00 Total 4,97,707.00
मुख्यालय H.O विज्ञापन जन संपर्क ADPR विकास पत्रकारिता DJ हिंदी पत्रकारिता HJ रेडियो टीवी पत्रकारिता RTV अंग्रेजी पत्रकारिता EJ उर्दू URDU प्रकाशन PUBLICATION	5,51,000.00 1,71,000.00 3,64,000.00 3,26,000.00 4,55,000.00 2,27,000.00 1,19,720.00 Total 22,13,720.00
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम व्यय B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE अतिथि संकाय को मानदेय (डेक्कनाल) Fee to Guest Faculty मानदेय/मनुदूरी Hon/Wages	- - -
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम व्यय+अन्य केंद्रीय व्यय) TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE + OTHER CENTRAL EXPENDITURE)	27,11,427.00
(अग्रणीत) (Carried over)	

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को आय और व्यय तालिका Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019		(राशि-रुपये)/(Amount-Rs.)
GROUPING OF SCH-21/समूहों में तालिका-21		Current Year/वातु वर्ष
विविध खर्च MISCELLANEOUS EXPENSES क. अन्य केंद्रीय व्यय A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE बैंक प्रभार Bank Charges मुख्यालय HO डेंकनाल Dhenkenal 12,021.00 1,882.00 Total 13,903.00 विविध खर्च Misc Exps मुख्यालय HO डेंकनाल Dhenkenal 33,16,147.00 1,84,881.00 Total 35,01,028.00 वर्दी Liveries पुरस्कार खर्च Award Expense सदस्यों और सदस्यता खर्च Members & Subs. Expenses छात्र कल्याण खर्च (डेंकनाल) Student Welfare Expense (Dhenkenal) फोटोग्राफी सामग्री Photography Material कम और अतिरिक्त Short & Excess - - - - - - Total 35,14,931.00 ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम व्यय B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE		
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम+अन्य केंद्रीय व्यय) TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE+OTHER CENTRAL EXPENDITURE) आकस्मिक कर्मचारियों की मजदूरी WAGES TO CASUAL STAFF मुख्यालय HO डेंकनाल Dhenkenal आकस्मिक कर्मचारियों के लिए बोनस Bonus to Casual Staff 3,30,65,150.00 38,87,644.00 52,096.00 कुल TOTAL 3,70,04,890.00		

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को आय और व्यय की तालिका Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019		(राशि- रुपये)(Amount-Rs.)	
तालिका 21 क केंद्रीय क्षेत्र योजना खर्च SCHEDULE 21 A-CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	
1 संपत्ति की निर्माण केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम			
1 Central Sector Scheme Creation of Assets	4,06,79,800.00	8,97,93,533.00	
2 सामान्य केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम			
2 Central Sector Scheme General	1,56,07,639.00	1,68,95,597.00	
कुल TOTAL	5,62,87,439.00	10,66,89,130.00	
तालिका 22-अनुदान एवं इमदाद इत्यादि पर खर्च SCHEDULE 22- EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	
क) संस्थाओं/संगठनों को दिया गया अनुदान			
a) Grants given to Institutions/Organisations	-	-	
ख) संस्थाओं/संगठनों को दी गई इमदाद			
b) Subsidies given to Institutions/Organisations	-	-	
कुल TOTAL	-	-	
टिप्पणी: संस्थाओं के नाम, उनकी गतिविधियाँ तथा अनुदान/इमदाद की राशि बताई जाएं Note: Name of the Entities, their Activities along with the amount of Grants/Subsidies are to be disclosed			

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को आय और व्यय की तालिका Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019		(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)
	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 23-व्याज SCHEDULE 23- INTEREST क) स्थायी परिसम्पत्तियों पर a) On Fixed Assets ख) अन्य कर्जों पर (बैंक प्रभार सहित) b) On Other Loans (Including Bank Charges) ग) अन्य c) Others	- - -	- - -
कुल	-	-
TOTAL		
(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)		
	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 24- पूर्व अवधि वस्तुओं का विवरण SCHEDULE 24- DETAILS OF PRIOR PERIOD ITEMS क) अंशदायी भविष्य निधि का व्याज अंतर a) Interest Difference of CP Fund ख) परियोजना खाता स्वस्थ भारत एवं भारत निर्माण के तीव्र सहायक b) Swasth Bharat Project Account & Rapid Ass. of Bharat Nirman ग) डेनकनाल प्रेषण c) Dhenkanal Remittance	- - -	- - -
कुल	-	-
TOTAL		

तालिका-25

SCHEDULE-25

क. 31.3.2018 को समाप्त वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

A: SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES (Y.E. 31.3.2019):

1. लेखे मंत्रालय के वित्तिक 31.8.2005 के पत्र सं. 10(1) मितलेनियस/2005 (टीए/606) द्वारा प्रेषित नए प्रारूप के अनुसार तैयार किये गए हैं ।
1. Accounts has been provided as per new format provided by Ministry vide letter Dated 10(1) MISC/2005 (TA/606) dated 31.08.2005.
2. ऑकड़ों को, आवश्यकतानुसार पुनःसमूहबद्ध/पुनःव्यवस्थित किया गया है ।
2. Figures have been regrouped/rearranged wherever considered necessary.
3. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त अनुदान, तुलनपत्र में एकीकृत ऑकड़ों में दर्शाए गए हैं हालांकि उनके पृथक विवरण मंडों में विस्तार से दिए गए हैं।
3. Grants-in-Aid from the Ministry of I & B as shown at one consolidated figure in the balance sheet though separate details are given in detailed accounts under various heads.
4. सभी अंशदायी भविष्य निधि लेखे सोसाईटी की लेखा वही से अलग कर दिये गए हैं।
4. Contributory Provident Fund account has been separated from books of account of society.
5. कर्मचारियों को दिया जाने वाला उपदान और छुट्टी के बदले नकद भुगतान नकद आधार पर दर्ज किया गया है ।
5. Gratuity and Leave encashment is booked on cash basis.
6. केवल पुरस्कार निधि एवं खजाना जमा पर प्राप्त ब्याज को छोड़कर, जिन्हें प्रोद्भूत आधार पर दर्शाया गया है। आय और व्यय लेखे की सभी मदें नकद आधार पर हैं ।
6. All item of income and expenditure are accounted for on cash basis except the interest on Fixed Deposits of Award fund and Khajana deposit which is accounted for on accrual basis.
7. स्थायी परिसम्पत्तियाँ लागत मूल्य पर हैं और उनमें नकद आधार पर मूल्य ह्रास प्रभार नहीं लगाया गया है ।
7. Fixed Assets are stated at cost and no depreciation is accounted for on cash basis.
8. खर्च को अन्य केंद्रीय व्यय, केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम या अन्य प्रोजेक्टों में डालना गतिविधियों की प्रकृति/अनुदान की शर्तों के आधार पर है ।
8. The charging of expenses to Other Central Expenditure, Central Sector Scheme and other projects are on the basis of nature of activities/terms of grant.
9. वर्ष के दौरान व्यय और पूंजीगत खर्च के मुकाबले आय की अधिकता को भारत सरकार से प्राप्त अनुदान राशि से पूरा किया गया । उसे न तो आय और व्यय लेखे में ले जाया गया है तथा न ही मंत्रालय के प्रारूप के अनुसार आरक्षित लेखे में अंतर्गत किया गया है ।
9. Excess of Income over expenditure and capital expenditure during the year is met out of the Grant-in-Aid received from the Government of India. The same is not routed through Income and Expenditure account and not been transferred to Reserves account as per format provided by ministry.
10. अनुदान के अप्रयुक्त शेषों को या तो सरकार को वापस कर दिया गया या सरकार द्वारा आने वाले वर्ष की अंतिम किश्त से घटा दिया
10. Any Unutilised balances of Grants are either refunded to the government or deducted by the government from the last installment during the subsequent year.
11. परियोजनाओं/पाठ्यक्रमों के लिए अनुदान का अधिक प्रयुक्त/अप्रयुक्त शेष अंतिम समायोजन के आधार पर होगा ।
11. The Overspent/Unspent balance of Grants received for projects/Courses are subject to final settlement.

SCHEDULE-26-CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS

1. आकस्मिक देयताएँ

1. CONTINGENT LIABILITIES

1.1	एंडोटी के दवे जिन्हें ऋण के रूप में अस्वीकृत किया गया रु. शून्य	
1.1	Claims against the Entity not acknowledged as debts-Rs.NIL....	
	वर्ष के दौरान क्योंकि सभी बकाया मामलों संस्थान के पक्ष में रहे थे, अतः कथित राशि शून्य रु. दर्शाई गई है।	
	During the year as all pending cases have been in favour of the Institute, hence the said amount is shown as Rs. NIL	
1.2	निम्नलिखित के संबंध में विवादित माँग	
1.2	Disputed demand in respect of:	
	आय कर शून्य रुपये	पिछले वर्ष शून्य रुपये
	विक्री कर शून्य रुपये	पिछले वर्ष शून्य रुपये
	नगरपालिका कर शून्य रुपये	पिछले वर्ष शून्य रुपये
	Income tax Rs NIL Previous year Rs NIL	
	Sales tax Rs NIL Previous year Rs NIL	
	Municipal Taxes.....NIL.....Previous year Rs.....NIL.....	
1.3	विभिन्न पक्षों द्वारा निष्पादित न किए गए दवों को संस्थान ने खारिज किया	
13	शून्य रुपये	पिछले वर्ष शून्य रुपये
	In respect of claims from parties for non-execution of orders, but contested by the entity	
	Rs NIL	Previous year Rs. NIL

2. पूंजीगत वचनबद्धता

2. CAPITAL COMMITMENTS

पूँजीगत लेखों में निष्पादन हेतु अवशिष्ट ठेकों का अनुमानित मूल्य जिन्हें अग्रिमों की श्रेणी में नहीं रखा गया
शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये
Estimated value of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for net of advances
Rs NIL Previous year Rs. NIL

3. पट्टेदारी की बाध्यता

3. LEASE OBLIGATIONS

प्लॉट और मशीनरी हेतु वित्त लीज व्यवस्था के तहत भविष्य में किराये की बाध्यता शून्य रु. पिछले वर्ष शून्य रु.
Future obligations for rentals under finance lease arrangements for plant and machinery amount to Rs.NIL Previous year Rs.NIL

4. चालू परिसम्पत्तियाँ, कर्जें एवं अग्रिम

4. CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES

प्रबंधन के मत में चालू परिसम्पत्तियाँ, कर्जें, अग्रिमों का मूल्य सामान्यतः वसूला जाएगा जो कम से कम तुलनपत्र में दिखायी गई कुल राशि के बराबर होगा ।
In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realisation in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को आय और व्यय की तालिका

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2019

5. करधान

5. TAXATION

आयकर अधिनियम 1961, के अनुसार कर योग्य कोई आय न होने पर आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं होगा
In view of there being no taxable income under Income tax Act 1961, No provision for income tax has been considered necessary.

6. विदेशी मुद्रा लेन देन

6. FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS

6.1 आयात का परिकलित मूल्य सी. आई. एफ. आधार पर

6.1 Value of Imports calculated on C.I.F basis:

तैयार माल की खरीद Purchase of Finished Goods	शून्य NIL
पारगमन सहित कच्चा माल एवं उपकरण Raw Material & Components including in transit	शून्य NIL
पूँजीगत माल Capital Goods	शून्य NIL
भंडार, अतिरिक्त एवं उपयोग्य वस्तु Stores, Spares and Consumables	शून्य NIL

6.2

विदेशी मुद्रा में खर्च

6.2 Expenditure in Foreign Currency

यात्रा Travel	शून्य NIL
------------------	--------------

वित्तीय संस्थाओं/बैंकों को विदेशी मुद्रा में प्रेषण एवं ब्याज भुगतान

Remittances and interest payment to Financial Institutions/Banks in Foreign currency

अन्य खर्चे

Other expenditure:

बिक्री पर कमीशन Commission on Sales	शून्य NIL
कानूनी एवं व्यावसायिक खर्चे Legal and Professional Expenses	शून्य NIL
विविध खर्चे Miscellaneous Expenses	शून्य NIL

6.3 आय:

6.3 Earnings:

एफ ओ बी आधार पर निर्यात मूल्य
Value of Exports on FOB basis

फार्म से संलग्न 1 से 26 तक की संलग्न तालिकाएं 31.03.2019 के तुलनात्र के तथा आय और व्यय लेखे के अभिन्न अंग है।
Schedules 1 to 26 are annexed to and form an integral part of the Balance sheet as at 31.03.2019 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date.

एस के मिश्रा और गजराती सनदी लेखाकार

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,

सदस्य

भारतीय जन संचार संस्थान सोसाइटी

जेएनयू, अरूणा आसफ अली रोड

नई दिल्ली - 110067

अभिमत

हमने भारतीय जन संचार संस्थान (इसके पश्चात “संस्थान” के रूप में लिया जाए) के सहवित्तीय विवरणों जिनमें, 31 मार्च, 2019 तक का तुलन-पत्र (बैलेंस शीट), उस दौरान समाप्त हुई अवधि के आय और व्यय खाते का विवरण और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों तथा अन्य विवरणात्मक जानकारी शामिल हैं, की लेखा-परीक्षा की है।

हमारे मत में और हमारी जानकारी में और हमें प्रदान किए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त उल्लिखित वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2019 को संस्था के मामलों की स्थिति और उस तिथि को समाप्त हुए वर्ष को उसके अधिशेष अथवा घाटे के साथ आयकर अधिनियम, 1961 (अधिनियम) द्वारा आवश्यक सूचना को यथाअपेक्षित रीति में और भारतीय चार्टर्ड अकाउंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखांकन मानकों और भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य अन्य लेखांकन सिद्धांतों की अनुरूपता में सही और उचित हैं।

अभिमत का आधार

हमने आईसीएआई (एसए) द्वारा निर्दिष्ट लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है। इन मानकों के अंतर्गत हमारे दायित्वों हमारी रिपोर्ट के भाग वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा हेतु लेखा परीक्षक के दायित्व में वर्णित किया गया है। हम इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंट ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी नीति संहिता के अनुसार स्वतंत्र आवश्यकताओं, जो कि अधिनियम और उसके तहत निर्मित नियमों के प्रावधानों के अंतर्गत वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के सुसंगत

हैं, संस्था की ओर से स्वतंत्र हैं और हम इन आवश्यकताओं और आईसीएआई की नीति संहिता के अनुरूप अन्य नैतिक दायित्वों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमें जो लेखा परीक्षा तथ्य प्राप्त हुए हैं वे वित्तीय विवरणों के संबंध में हमारे लेखापरीक्षा अभिमत को आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

वित्तीय विवरणों और लेखा परीक्षक की उसके संबंध में रिपोर्ट के अतिरिक्त जानकारी

अन्य जानकारी उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी निदेशक मंडल की है। अन्य जानकारी में प्रबंधन विचार-विमर्श और विश्लेषण, बोर्ड की रिपोर्ट के संलग्नकों सहित बोर्ड की रिपोर्ट शामिल हैं लेकिन इसमें वित्तीय विवरण और उसके संबंध में हमारी लेखापरीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

वित्तीय विवरणों से संबंधित हमारे अभिमत में अन्य जानकारीयों को कवर नहीं किया जाता और हम उस पर किसी भी प्रकार का आश्वासन और निष्कर्ष प्रकट नहीं करते।

वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संबंध में, हमारा दायित्व अन्य जानकारी का अध्ययन करना है, और ऐसा करते हुए, इस बात पर विचार करना है कि जानकारी वित्तीय विवरणों अथवा हमारी लेखा परीक्षा की अवधि के दौरान प्राप्त हमारी जानकारी से वस्तुतः भिन्न है अथवा अन्यथा गलत प्रकार से वर्णित किया गया है।

यदि हमारे किए गए कार्य के आधार पर, हमारा निष्कर्ष यह है कि इस अन्य जानकारी के साथ वस्तुतः गलत वर्णन है तो हमें तथ्य की रिपोर्ट देना अपेक्षित है। हम इस संबंध में रिपोर्ट नहीं देनी होती है।

वित्तीय विवरणों हेतु प्रबंधकीय दायित्व

आईआईएमसी का प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए उत्तरदायी है जो इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंट्स ऑफ इंडिया द्वारा समय-समय पर जारी लेखांकन मानकों और अन्य लेखांकन मतों के अनुरूप आईआईएमसी की वित्तीय स्थिति और वित्तीय प्रदर्शन की सही और स्पष्ट जानकारी प्रदान करता है।

इस उत्तरदायित्व में वित्तीय विवरण तैयार करने और उनकी प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रणों के कार्यान्वयन और अनुरक्षण का डिजाइन शामिल है जिससे सही और निष्पक्ष परिदृश्य प्राप्त होता है और वास्तविक असमानता से मुक्त हो चाहे वह धोखाधड़ी की वजह से हो अथवा त्रुटि की वजह से।

वित्तीय विवरण तैयार करने में प्रबंधन, संस्थान की निर्वर्तमान सरोकार, पर्यटन जैसा कि लागू हो के रूप में जारी रखने और निर्वर्तमान सरोकारों से संबंधित मामलों और

लेखांकन के निर्वर्तमान स्रोकार आधार का उपयोग करने की क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए उत्तरदाई है यदि प्रबंधन संगठन का परिसमापन करना चाहता है अथवा परिचालन बंद करना चाहता है अथवा उसका ऐसा करने के लिए कोई वास्तविक विकल्प नहीं है।

लेखा परीक्षक के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस संबंध में उपयुक्त आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या समग्र वित्तीय विवरण वास्तविक असमानता से मुक्त हैं चाहे वह धोखाधड़ी की वजह से हो अथवा त्रुटि की वजह से और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना जिसमें हमारा अभिमत शामिल होता है। उपयुक्त आश्वासन एक उच्चस्तरीय आश्वासन होता है किंतु यह गारंटी नहीं होती कि ऐसे के अनुसार आयोजित की गई लेखा परीक्षा में हमेशा किसी वास्तविक असमानता, जब यह विद्यमान हो, का पता चलेगा। असमानता, धोखाधड़ी अथवा त्रुटि की वजह से उत्पन्न होती है और इन्हें वास्तविक माना जाता है यदि अलग-अलग अथवा कुल मिलाकर इनसे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर दिए गए उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय को प्रभावित करने की उपयुक्त अपेक्षा की जा सकती है।

पृथक लेखा परीक्षा के अनुसार लेखा परीक्षा के भाग के रूप में हम अपना पेशेवर निर्णय व्यक्त करते हैं और पूरी लेखा परीक्षा में व्यवसायिक संदेह को बरकरार रखते हैं।

- वित्तीय विवरणों की वास्तविक समानता के जोखिम की पहचान और उसका मूल्यांकन करना चाहे वह धोखाधड़ी की वजह से हो अथवा त्रुटि की वजह से, इन जोखिम के संबंध में प्रतिक्रियाशील लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं का डिजाइन बनाना और उनका निष्पादन करना और ऐसे लेखा परीक्षा प्रमाण प्राप्त करना जो हमारे अभिमत का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हो। धोखाधड़ी के परिणाम स्वरूप वास्तविक असमानता का पता ना लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणाम स्वरूप वास्तविक आसमान तक का पता ना लगाए जाने से अधिक होता है क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, इरादतन मिटाना, गलत तरीके से प्रस्तुत करना अथवा आंतरिक नियंत्रण का उल्लंघन करना शामिल हो सकता है।

- प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित प्रकटीकरण की संगतता का मूल्यांकन करना।

- लेखांकन और, प्राप्त लेखापरीक्षा तथ्यों पर आधारित वर्तमान सूनाम प्रतिष्ठान के प्रबंधन द्वारा उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष में, चाहे घटनाओं और परिस्थितियों से संबंध में वास्तविक अनिश्चितता मौजूद हो, वर्तमान सूनाम प्रतिष्ठान के रूप में कार्य करते रहने की संस्था की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह किया जा सकता हो। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि वास्तविक अनिश्चितता है, तो हमें वित्तीय विवरण में संबंधित प्रकटीकरण के संबंध में हमारी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में ध्यान आकर्षित करना अथवा यदि ऐसा प्रकटीकरण पर्याप्त नहीं है, तो हमारे

मत को उपांतरित करना अपेक्षित है। हमारे निष्कर्ष हमारी लेखा परीक्षा की तिथि तक प्राप्त हुए लेखा परीक्षा तथ्यों पर आधारित हैं। तथापि, भविष्य की घटनाएं और परिस्थितियां संस्था को वर्तमान में कार्य करते रहने को प्रभावित कर सकती हैं।

- प्रकटीकरण सहित वित्तीय विवरणों की सामग्री, संरचना और प्रस्तुति का समग्र मूल्यांकन करना और चाहे वित्तीय विवरण किए गए संव्यवहारों और घटनाओं को ऐसी रीति जो एक स्पष्ट प्रस्तुति देती हो।

वास्तविक वित्तीय विवरणों में असमानता का परिमाण है जो कुल मिलाकर इस बात को संभव बना देते हैं कि वित्तीय विवरणों के एक उपयुक्त समझदार प्रयोग करता के आर्थिक निर्णय को प्रभावित किया जा सकता है। हम (i) हमारी लेखा परीक्षा कार्य के कार्य क्षेत्र के नियोजन और हमारे कार्य के परिणामों के मूल्यांकन में (ii) वित्तीय विवरणों में किसी पहचाने गए गलत विवरण के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए परिमाणात्मक मटेरियल एटीआर गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं।

हम उन लोगों के साथ आंतरिक नियंत्रण में किसी भी बड़ी कमी सहित, जो हमें हमारी लेखा परीक्षा के दौरान अभी ज्ञात हुए हैं, अन्य मामलों, योजनाबद्ध कार्यक्षेत्र और लेखा परीक्षा के समय एवं महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्षों के संबंध में प्रशासन के प्रभारी लोगों से पत्राचार करते हैं।

हम एक विवरण के साथ शासन प्रभारियों को भी यह बताना चाहते हैं कि हमने स्वतंत्रता से संबंधित प्रासंगिक नितिका परीक्षाओं का पालन किया है और उन्हें ऐसे सटीश संबंधों एवं अन्य मामलों की सूचना देते हैं जिन पर हमारी स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए विचार किया जा सकता है और जहां संबंधित सुरक्षात्मक उपाय लागू हों।

शासन के प्रभारी व्यक्तियों के साथ सूचित किए गए मामलों से हमने उन मामलों का समाधान किया है जो चालू अवधि के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण थे और इसी वजह से वह लेखा परीक्षा के मामलों में केंद्रीय हैं। हमने हमारे लेखा परीक्षा रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन किया है यदि विधि और विनियम मामले को सार्वजनिक करने में बाधक हो अथवा जब अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में मामलों में, हम निर्णय करते हैं कि किसी मामले को हमारी रिपोर्ट में शामिल नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल प्रभावों से ऐसे पत्राचार के जनहित के लाभ कम होने की उम्मीद की जा सकती है।

अन्य विधिक और विनियामक अपेक्षाएं

- क) हमने वे सभी सूचनाएं और स्पाष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे।
- ख) हमारे अभिमत में, आईआईएमसी द्वारा विधि द्वारा यथाअपेक्षित लेखा बहियों को भलि प्रकार से रखा गया है, जहां तक हमें उन लेखाओं

की जांच के माध्यम से ज्ञात हुआ है।

- ग) इस रिपोर्ट में दिए अनुसार 31 मार्च, 2019 तक तुलन पत्र और आय और व्यय खाते लेखा बहियों के साथ अनुबंध में है।
घ) हमारे मत में, अनुसार 31 मार्च, 2019 तक तुलन पत्र और आय और व्यय खाते इंस्टीट्यूट ऑफ चाटर्ड अकाउंट्स ऑफ इंडिया द्वारा समय-समय पर जारी लेखांकन मानकों और अन्य लेखांकन मानकों, जहां तक वे लागू होते हों, के अनुरूप हैं।

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 10.10.2019

यूडीआईएन : 19528958AAAAABE9144

एसके मिश्रा एंड गुजराती
सनदी लेखाकार
पंजीकरण संख्या : 001978सी

श्रुति विज

(भागीदार)

एमा नं. : 528958

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

TO

**THE MEMBERS
INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION SOCIETY
JNU, ARUNA ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110067**

Opinion

We have audited the accompanying Financial Statements of INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION (hereinafter referred as 'IIMC') which comprise the Balance Sheet as at March 31, 2019 and the Income and Expenditure Account for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and notes to accounts.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid financial statements give the information required by the Income Tax Act, 1961 ("The Act") in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the Accounting Standards issued by Institute of Chartered Accountants of India (ICAI), and other accounting principles generally accepted in India, of the State of Affairs of the Entity as at March 31, 2019 and its deficiency or surplus for the year ended on that date.

Basis for Opinion

We conducted our audit of the financial statements in accordance with the Standards on Auditing specified by ICAI (SAs). Our responsibilities under those Standards are further described in the *Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements* section of our report. We are independent from the Entity in accordance with the Code of Ethics issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) together with the independence requirements that are relevant to our audit of the financial statements under the provisions of the Act and the Rules made thereunder, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the ICAI's Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the financial statements.

Information Other than the Financial Statements and Auditor's Report Thereon

The Board of Directors is responsible for the preparation of the other information. The other information comprises the information included in the Management Discussion and Analysis, Board's Report including Annexures to Board's Report, but does not include the financial statements and our auditor's report thereon. Our opinion on the financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance conclusion thereon.

In connection with our audit of the financial statements, our responsibility is to read the other information and, in doing so, consider whether the other information is materially inconsistent with the financial statements or our knowledge obtained during the course of our audit or otherwise appears to be materially misstated.

If based on the work we have performed, we conclude that there is a material misstatement of this other information, we are required to report that fact. We have nothing to report in this regard.

Management's Responsibility for the Financial Statements

Management of IIMC is responsible for the preparation of these financial statements that give a fair view of the financial position and financial performance of IIMC in accordance with Accounting Standards and other accounting pronouncements, to the extent applicable, issued by the Institute of Chartered Accountants of India from time to time. This responsibility includes the design implementation and maintenance of internal controls relevant to the preparation and presentations of the financial statements that gives a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the institute's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Entity or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could

reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.
- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Entity's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Entity to cease to continue as a going concern.
- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

Materiality is the magnitude of misstatements in the financial statements that, individually or in aggregate, makes it probable that the economic decisions of the reasonably knowledgeable user of the financial statements may be influenced. We consider quantitative materiality and qualitative factors in (i) planning the scope of our audit work and in evaluating the results of our work; and (ii) to evaluate the effect of any identified misstatements in the financial statements.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our

independence, and where applicable, related safeguards. From the matters communicated with those charged with governance, we determine those matters that were of most significance in the audit of the financial statements of the current period and are therefore the key audit matters. We describe these matters in our auditor's report unless law or regulation precludes public disclosure about the matter or when, in extremely rare circumstances, we determine that a matter should not be communicated in our report because the adverse consequences of doing so would reasonably be expected to outweigh the public interest benefits of such communication.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

We report that:

- (a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit.
- (b) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the IIMC so far as it appears from our examination of those books
- (c) The Balance Sheet as at March 31, 2019 and the Income and Expenditure account a dealt with by this report are in agreement with the books of account;
- (d) In our opinion, the Balance Sheet as at March 31, 2019 and the Income and Expenditure account comply with the Accounting Standards and other accounting pronouncements, to the extent applicable, issued by the Institute of Chartered Accountants of India from time to time.

For S.K MISRA & GUJRATI
Chartered Accountants
FRN:001978C

Place: New Delhi
Date : 10-10-2019
UDIN: 19528958AAAAABE9144

Shruti Vij
(Partner)
M. No.: 528958

भारतीय जन संचार संस्थान

कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2019 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication

EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि रुपये) (Amount-Rs.)		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
LIABILITIES			
कर्मचारी अभिदान शेष (तालिका 'ख' के अनुसार)			
EMPLOYEES SUBSCRIPTION BALANCE (as Per Schedule "B")		4,28,47,611.00	5,63,23,066.00
नियोक्ता अभिदान शेष (तालिका 'ख' के अनुसार)			
EMPLOYERS CONTRIBUTION BALANCE (as Per Schedule "A")		3,65,45,551.00	3,91,86,129.00
भुगतान योग्य अं.भ.नि.			
CPF PAYABLE		-	-
अदावी अं.भ.नि.			
UNCLAIMED CPF		-	-
संस्थान को देय (अतिरिक्त जमा नियोक्ता अंशदान)			
CURRENT LIABILITIES		-	-
1.4.2018 को लाभ/हानि		-	-
PROFIT/LOSS AS ON 1.4.2018		73,383	-
जोड़ें : आय की अपेक्षा खर्चों की अधिकता			
ADD: EXCESS OF EXPENDITURE OVER INCOME		(2,93,211)	73,383.00
कुल		7,90,99,951.00	9,55,82,578.00
TOTAL			
कृते एस के मिश्रा और गुजराती For S K MISRA & GUJRATI सन्दी लेखाकार Chartered Accountants FRN-001978C हस्ताक्षर/- (श्रुति विज) Sd/- (Shruti Vij) भगीदार Partner M. NO - 528958 स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi तारीख : 07-10-2019/Date : 07.10.2019 हस्ताक्षर/- मनीष देसाई Sd/- Manish Desai अतिरिक्त महानिदेशक Addl. Director General हस्ताक्षर/- अनीमा इक्का Sd/- Anima Ekka उप कुलसचिव Assistant Registrar (DDO)			

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2019 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

(राशि रुपये) (Amount-Rs.)		
परिसम्पत्तियां ASSETS	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
निवेश (लागत पर)		
INVESTMENTS (AT COST)		
प्रथम श्रेणी		
FIRST CATEGORY		
6.05% सरकारी 2019 बॉण्ड	15,48,412.00	15,48,412.00
6.05% GOI 12.06.2019		
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास कॉर्पोरेशन		
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP		
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 28.06.2018	15,00,000.00	15,00,000.00
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 28.06.2018 QTRLY INTT. (171207)		
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 24.01.2019	-	80,00,000.00
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 24.01.2019 QTRLY INTT. (171207)		
8.25% केटीडीएफसी (24एम) 12.07.2020	80,00,000.00	80,00,000.00
8.25% KTDFC (24M) EXPIRES ON 12.07.2020 QTRLY INTT.		
7.5% हुडको 13.04.2019		-
7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE	85,00,000.00	85,00,000.00
द्वितीय श्रेणी		
SECOND CATEGORY		
9.35% सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में संचयि जमा 28.03.2019		
9.35% FD CBI 28.03.2019	25,00,000.00	25,00,000.00
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा		
SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA		
8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 28.06.2019	1,88,55,970.00	1,88,55,970.00
8% PNB HOUSING FINANCE LTD 28-06-2019		
7.5% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 24.01.2018	72,00,000.00	72,00,000.00
7.5% PNB HOUSING FINANCE LTD 24-01-2018		
7.55% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 11.07.2020	-	8,00,000.00
7.55% PNB HOUSING FINANCE LTD 11-07-2020		
7.40% एलआईसी एक्स्प्रेस गैर संचयी 12.07.2020	72,00,000.00	-
7.40% LIC HFL 12-07-2020 NON-CUMULATIVE	8,00,000.00	-

(अग्रणीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2019 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019
(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

परिसम्पत्तियां ASSETS	(अग्रणीत) (Brought forward)	चालू वर्ष Current Year	पछले वर्ष Previous Year
9.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 14.03.2016		-	15,00,000.00
9.25% LIC HOUSING FINANCE 14-03-2016			
कुल (क)/TOTAL (A)		5,61,04,382.00	5,84,04,382.00
प्रोद्भूत व्यय पर देय नहीं			
INTEREST ACCRUED BUT NOT DUE			
6.05% सरकारी 12.06.2019		22,142.00	22,142.00
6.05% GOI 12-06-2019			
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास कारपोरेशन		-	-
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP			
7.5% हुडको 13.04.2019		18,18,553.90	11,66,092.00
7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE			
8.35% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 05.04.2018		-	2,59,471.00
8.35% LIC HOUSING FINANCE MATURE ON 05-04-2018 CUMULATIVE			
9.65% सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में संचयि जमा 28.03.2019		23,67,218.00	19,80,997.00
9.65% FD CBI 28.03.2019			
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा		-	1,04,520.00
SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA			
8.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 29.06.2017		-	-
8.25% LIC HOUSING FINANCE MATURE ON 29-06-2017 CUMULATIVE			
कुल (क)/TOTAL (A)		42,07,914.00	35,33,222.00

(अग्रणीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि 31.03.2019 को तुलनपत्र		Indian Institute of Mass Communication EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019 (राशि रुपये) (Amount-Rs.)	
परिसम्पत्तियाँ ASSETS	(अग्रणीत) (Brought forward)	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
प्रोद्भूत व्यय पर देय नहीं INTEREST DUE BUT NOT RECEIVED			
7.8% पंजाब राज्य विकास कॉर्पोरेशन 2016		3,79,849.00	3,79,849.00
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP 2016			
8.8% स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा		14,52,065.00	14,84,765.00
8.8% SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA			
8.5% कैटीडीएफसी (24एम) 28.06.2018		-	1,71,207.00
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 28.06.2018 QTRLY INTT. (171207)			
7.2% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 24.03.2018		-	3,630.00
7.2% PNB HOUSING FINANCE LTD 24-01-2018			
9.4% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 15.03.2017		9,065.00	9,065.00
9.4% PNB HOUSING FINANCE LTD 15-03-2017			
कुल(ख)/TOTAL (B)		18,40,979.00	20,48,516.00
		(अग्रणीत) (Carried over)	

भारतीय जन संचार संस्थान कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि 31.03.2019 को तुलनपत्र Indian Institute of Mass Communication EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
परिसम्पत्तियाँ ASSETS			
चालू संपत्तियाँ CURRENT ASSETS	(अग्रणीत) (Brought forward)		
भौत पर कर कटौती की वापसी TDS REFUND		8,51,404.00	5,77,722.00
भारतीय जन संचार संस्थान से देय DUES FROM IIMC		10,05,488.00	9,91,650.00
कुल TOTAL		18,56,892.00	15,69,372.00
बैंक शेष BANK BALANCES			
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया STATE BANK OF INDIA		1,63,287.33	1,65,060.00
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया CENTRAL BANK OF INDIA		1,44,59,082.28	2,94,61,250.00
एचडीएफसी बैंक HDFC BANK		4,67,414.60	4,00,777.00
कुल (घ)/TOTAL (D)		1,50,89,784.00	3,00,27,087.00
कुल (क+ख+ग+घ)/TOTAL (A+B+C+D)		7,90,99,951.00	9,55,82,579.00
कृते एस के मिश्रा और गुजराती For S K MISRA & GUJRATI सन्दी लेखाकार Chartered Accountants FRN-001978C हस्ताक्षर/- (श्रुति विज) Sd/- (Shruti Vij) भारगोदार Partner M. NO - 528958 स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi तारीख : 07-10-2019/Date : 07.10.2019 हस्ताक्षर/- मनीष देसाई Sd/- Manish Desai अतिरिक्त महानिदेशक Addl. Director General हस्ताक्षर/- कुलदीप सिंह धतवालिया Sd/- Kuldeep Singh Dhatwalia महानिदेशक Director General हस्ताक्षर/- अनीमा इक्का Sd/- Anima Ekka उप कुलसचिव Assistant Registrar (DDO)			

भारतीय जन संचार संस्थान

कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2019 को आय और व्यय लेखा

Indian Institute of Mass Communication

EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2019

विवरण PARTICULARS	(राशि रुपये) (Amount-Rs.)	
आय	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
INCOME		
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि एवं देयताएँ		
INTEREST ON INVESTMENTS		
प्रथम श्रेणी		
FIRST CATEGORY		
6.05% सरकारी 2019 बांड	1,02,850.00	1,02,850.00
6.05% GOI 2019 BOND		
8.9% हडको 26.04.2017	-	31,375.00
8.9% HUDCO 26.04.2017		
10.5% केटीडीएफसी 23.04.2017		
10.5% KTDFC BOND 23/04/2017		
7.5% हडको 13.04.2019 संचयी		37,973.00
7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE	7,24,957.00	6,79,117.00
8.5% केटीडीएफसी बांड 28.06.2018		
8.5% KTDFC(24M) EXPIRES ON 28.06.18 QTRLY INTT (171207)	1,64,751.00	6,89,846.00
8.5% केटीडीएफसी बांड 24.01.2019		
8.5% KTDFC(24M) EXPIRES ON 24.01.19 QTRLY INTT (171207)	5,56,470.00	6,84,828.00
8.25% केटीडीएफसी बांड 24.01.2019		
8.25% KTDFC(24M) EXPIRES ON 24.01.19 QTRLY INTT (171207)	3,13,178.00	-
द्वितीय श्रेणी		
SECOND CATEGORY		
8.8% स्पेक्ट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा		
8.8% SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA	13,47,545.00	13,99,268.00
9.65% सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28-03-2019		
9.65% CBI TERM DEPOSIT 28-03-2019	4,29,135.00	3,98,516.00
8.35% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 05.04.2018		
8.35% LIC HOUSING FINANCE 05-04-2018 CUMULATIVE	1,487.00	1,35,594.00
8% आईसीआईसीआई असुरक्षित बांड 24.02.2018		
8% ICICI UNSECURED BONDS 24.02.2018	-	1,45,350.00

(अग्रणीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि 31.03.2019 को आय और व्यय लेखा		Indian Institute of Mass Communication EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2019	
(अग्रणीत) (Brought forward)		(राशि रुपये) (Amount-Rs.)	
चालू वर्ष/Current Year	पिछले वर्ष/Previous Year		
8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 28.06.2019			
8% PNB HOUSING FINANCE LTD 28.06.2019 QTERLY INTT.	5,75,996.00	5,76,000.00	
7.2% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 24.01.2018	-	47,027.00	
7.2% PNB HOUSING FINANCE LTD 24.01.2018 QTERLY INTT.			
7.55% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 11.07.2020	3,93,179.00	-	
7.55% PNB HOUSING FINANCE LTD 11.07.2020 QTERLY INTT.			
7.40% एलआईसी एक्स्पेंज गैर संचयी ब्याज 12.07.2020	42,656.00	-	
7.40% LIC HFL 12-07-2020 NON-CUMULATIVE INTEREST			
8.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 29.06.2017	-	16,093.00	
8.25% LIC HOUSING FINANCE 29-06-2017 CUMULATIVE			
7.85% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 24.01.2018	-	4,61,451.00	
7.85% LIC HOUSING FINANCE 24-01-2018 NON-CUMULATIVE			
बचत खातों और अन्य			
SAVING BANK & OTHERS			
बचत बैंक खातों पर प्राप्त ब्याज (सै.बै.ऑफ इंडिया)	(1,773)	5,979.00	
INTEREST RECEIVED ON SAVING BANK (SBI)			
बचत बैंक खातों पर प्राप्त ब्याज (सै.बै.ऑफ इंडिया)	45,524.00	12,59,023.00	
INTEREST RECEIVED ON SAVING BANK ACCOUNTS (CBI)			
स्विप पर प्राप्त ब्याज (सै.बै.ऑफ इंडिया)	10,72,690.00	-	
INTEREST ON SWEEP FD (CBI)			
एचडीएफसी बचत बैंक खातों पर प्राप्त ब्याज	15,213.00	12,727.00	
INTEREST RECEIVED ON HDFC BANK ACCOUNTS			
विविध प्राप्तियाँ/कम और अतिरिक्त			
MISCELLANEOUS RECEIPTS/SHORT & EXCESS	4.00	19,800.00	
TOTAL	57,83,862.00	67,02,816.00	
(अग्रणीत) (Carried over)			

भारतीय जन संचार संस्थान

कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2019 को आय और व्यय लेखा

Indian Institute of Mass Communication

EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2019

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष/Current Year	पिछले वर्ष/Previous Year
व्यय/ EXPENDITURE		
बैंक प्रभार BANK CHARGES	59.00	8,094.00
सदस्यों को व्याज INTEREST CREDITED TO MEMBERS	61,50,398.00	67,70,716.00
व्यय से आय की अधिकता EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE	(3,66,595.00)	(75,994.00)
कुल TOTAL	57,83,862.00	67,02,816.00

कृते एस के मिश्रा और गुजराती
For S K MISRA & GUJRATI

सनदी लेखाकार

Chartered Accountants

FRN-001978C

हस्ताक्षर/-

(श्रुति विज)

Sd/-

(Shrutvi Vij)

भागीदार

Partner

M. NO - 528958

स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi

तारीख : 07-10-2019/Date : 07.10.2019

हस्ताक्षर/-
कुलदीप सिंह धतवालिया

Sd/-

Kuldeep Singh Dhatwalia

महानिदेशक

Director General

हस्ताक्षर/-
मनीष देसाई

Sd/-

Manish Desai

अतिरिक्त महानिदेशक

Addl. Director General

हस्ताक्षर/-
अनीमा इक्का

Sd/-

Anima Ekka

उप कुलसचिव

Assistant Registrar

(DDO)

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2019

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 तक प्राप्ति और भुगतान का लेखा

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
1. प्रारम्भिक शेष					
I. OPENING BALANCE :					
क) नकद			1. कर्मचारी अंशदान निधि भुगतान		
a) Cash in Hand	-	-	I. Payment made from Employees subscription Fund	1,66,47,624.00	1,49,61,898.00
ख) बैंक शेष			2.) नियोजता योगदान फंड से भुगतान		
b) Bank Balances			II) Payment made from Employer Contribution Fund	1,51,25,059.00	73,72,320.00
1) सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया			3.) किया गया निवेश		
i) Central Bank of India	2,94,61,250.00	1,82,09,533.00	III) Investment made	1,60,00,000.00	-
2) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया			4.) अ.भ.नि. अग्रिम/आंशिक		
ii) State Bank of India	1,65,060.00	1,67,175.00	IV) CPF Advance/part Withdraw	1,15,89,146.00	43,33,842.00
3) एचडीएफसी बैंक			5.) आईआईएमसी को भुगतान		
iii) HDFC Bank	4,00,777.00	2,85,200.00	V) Payable to IIMC	-	-
कर्मचारियों से प्राप्त अंशदान			6.) बैंक प्रकार	59.00	8,094.00
V) Interest received			VI) Bank Charges		
A) On Bank Deposits	58,964.00	41,650.00	6.) टीडीएस वापस		
कर्ज अग्रिम पर	10,72,338.00	12,36,135.00	VII) TDS REFUND	59,365.00	2,06,422.00
B) On Loan & Advances			1. जमा शेष		
परिवर्तन निवेश			I. CLOSING BALANCE :		
VI) Investment Matured	1,83,00,000.00	1,80,00,000.00	क) नकद		
कर्मचारियों द्वारा सीपीएफ अग्रिम भुगतान			a) Cash In Hand		
VII) Repayment of CPF Adv. by employees	-	-	ख) बैंक शेष		
विविध प्राप्ति			b) Bank Balance		
VIII) Miscellaneous Receipts	4.00	19,800.00	1) सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया		
आईआईएमसी से प्राप्त			i) Central Bank of India	1,03,19,924.00	2,94,61,250.00
IX) Receivable from IIMC	-	-	2) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया		
			ii) State Bank of India	1,63,287.00	1,65,060.00
			3) एचडीएफसी बैंक		
			iii) HDFC Bank	4,67,415.00	4,00,777.00
कुल/Total	7,03,71,879.00	5,69,09,663.00	कुल/Total	7,03,71,879.00	5,69,09,663.00

भारतीय जन संचार संस्थान		Indian Institute of Mass Communication			
31.03.2019 तक प्राप्ति और भुगतान का लेखा		RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2019			
प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
कृते एस के मिश्रा और गुजराती For S K MISRA & GUJRATI समनदी लेखाकार Chartered Accountants FRN-001978C हस्ताक्षर/- (श्रुति विज) Sd/- (Shruti Vij) भागीदार Partner M. NO - 528958 स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi तारीख : 07-10-2019/Date : 07.10.2019	हस्ताक्षर/- कुलदीप सिंह धतवालिया Sd/- Kuldeep Singh Dhatwalia महानिदेशक Director General	हस्ताक्षर/- मनीष देसाई Sd/- Manish Desai अतिरिक्त महानिदेशक Addl. Director General	हस्ताक्षर/- अनीमा इक्का Sd/- Anima Ekka उप कुलसचिव Assistant Registrar (DDO)		

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को अंशदायी भविष्य निधि निवेश Indian Institute of Mass Communication POSITION OF CPF INVESTMENTS FOR THE YEAR ENDED 31.03.2019	
NAME OF INVESTMENT	AMOUNT (RS)
CATEGORY-I	
6.05% सरकारी बॉण्ड 12.06.2019	15,48,412.00
6.05% GOI BONDS 12-06-2019	
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास निगम	15,00,000.00
7.8% PUNJAB STATE IND DEVELOPMENT CORP	
7.5% हुडको 13.04.2019	85,00,000.00
7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE	
8.25% केटीडीएफसी (24मं) 12.07.2020	80,00,000.00
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 12-07-2020, QTRLY INTT.	
TOTAL	1,95,48,412.00
CATEGORY-II	
9.35% सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28.03.2019	25,00,000.00
9.35% CBI TERM DEPOSITS 28-03-2019	
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा	1,88,55,970.00
SPECIAL DEPOSIT WITH SBI	
7.55% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 11.07.2020	72,00,000.00
7.55% PNB HOUSING FINANCE LTD 11-07-2020 QTRLY INTT.	
8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 28.06.2019	72,00,000.00
8% PNB HOUSING FINANCE LTD 28-06-2019 QTRLY INTT.	
7.40% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 12.07.2020	8,00,000.00
7.40% LIC HOUSING FINANCE ON 12-07-2020 NON-CUMULATIVE INTEREST	
TOTAL	3,65,55,970.00
GRAND TOTAL	5,61,04,382.00

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को अंशदायी भविष्य निधि निवेश

Indian Institute of Mass Communication

INTEREST ON C.P. FUND INVESTMENT STATEMENT AS ON 31.03.2019

NAME OF SECURITY	Amount Invest	Due But Not Recd. B/f	Accrued Intt. B/f	Int. due	Total Int	TDS	Due & recd. in 18-19	Due but Not Recd.	Accrued Int. C/f
CATEGORY-I									
6.05% सरकारी बॉन्ड 12.06.2019	15,48,412		22,142	1,02,850	1,24,992		1,02,850		22,142
6.05% GOI BONDS 12-06-2019									
7.8% पीएसआईडीसी 2014, 2015-2016	15,00,000	3,79,849			3,79,849			3,79,849	
7.8% PSIDC 2014, 2015-2016									
7.5% हुडको 13.04.2019	85,00,000		11,66,092	7,24,957	18,91,049	72,495			18,18,554
7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE									
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 28.06.2018	80,00,000	1,71,207		1,64,751	3,35,958		3,35,958		
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 28-06-2018, QTRLY INTT.									
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 24.01.2019	80,00,000			5,56,470	5,56,470		5,56,470		
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 24-01-2019, QTRLY INTT.									
8.25% केटीडीएफसी (24एम) 12.07.2020	80,00,000			3,13,178	3,13,178		3,13,178		
8.25% KTDFC (24M) EXPIRES ON 12-07-2020, QTRLY INTT.									
CATEGORY-II									
9.65% सैटल बैंक ऑफ इंडिया में संचायि जमा 28.03.2019	25,00,000		19,80,997	4,29,135	24,10,132	42,914			23,67,218
9.65% CBI TERM DEPOSITS 28-03-2019									
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा SPECIAL DEPOSIT WITH SBI	1,88,55,970	14,84,765	1,04,520	13,47,545	29,36,830		14,84,765	14,52,065	
9.4% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 15.03.2017		9,065						9,065	
9.4% PNB HOUSING FINANCE LTD 15-03-2017-22 LACS									
8.35% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 29.06.2017	15,00,000		2,59,471	1,487	2,60,958		2,60,958		
8.35% LIC HOUSING FINANCE MATURE ON 05-04-2018 CUMULATIVE									

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2019 को अंशदायी भविष्य निधि निवेश

Indian Institute of Mass Communication

INTEREST ON C.P. FUND INVESTMENT STATEMENT AS ON 31.03.2019

8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 28.06. 2019	72,00,000			5,75,996	5,75,996	57,600	5,18,396		
8% PNB HOUSING FINANCE LTD 28-06-2019 QTRLY INTT.									
7.2% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 24.01. 2018	8,00,000	3,630		3,630	3,630		3,630		
7.2% PNB HOUSING FINANCE LTD 24-01-2018 QTRLY INTT.									
7.55% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 11. 07.2020	72,00,000			3,93,179	3,93,179	39,318	3,53,861		
7.55% PNB HOUSING FINANCE LTD 11-07-2020 QTRLY INTT.									
7.40% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 12.07.2020	8,00,000			42,656	42,656		42,656		
7.40% LIC HOUSING FINANCE 12-07-2020 NON CUMULATIVE									
Total	7,44,04,382	20,48,516	35,33,222	46,52,204	1,02,24,878		39,72,723	18,40,979	42,07,914

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को अंशदायी भविष्य निधि Indian Institute of Mass Communication CPF FUND AS AT 31.03.2019		(अग्रणीति) (Brought forward)	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
क कर्मचारियों का योगदान A. EMPLOYERS CONTRIBUTION			
1.4.2018 को प्रारंभिक शेष Opening Balance as on 1.4.2018			
जोड़े : 1. वर्ष के दौरान प्राप्त अभिदान Add: 1. Contribution For the Year			
2. आईआईएमसी से प्राप्ति			3,91,86,129.00
2. Receivable from IIMC			41,39,158.00
2. व्याज			15,476.00
2. Interest			26,87,295.00
कुल Total			4,60,28,058.00
ख कर्मचारियों का अभिदान B. EMPLOYEES SUBSCRIPTION			
1.4.2018 को प्रारंभिक शेष Opening Balance as on 1.4.2018			
जोड़े : 1. वर्ष के दौरान प्राप्त अभिदान Add: 1. Subscription Received during the year			
2. अग्रिम की वापसी			94,82,507.00
2. Refund of Advance			5,63,23,066.00
3. व्याज			1,12,98,212.00
3. Interest			-
कुल Total			3,65,45,551.00
कुल Total			7,10,84,381.00

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2019 को अंशदायी भविष्य निधि Indian Institute of Mass Communication CPF FUND AS AT 31.03.2019		(अग्रानीत) (Brought forward)	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
धटाएं :			
Less :			
1. अं.भ.नि. अग्रिम/व्यवस्थापन (अंशिक/अंतिम)			
1. CPF Advance/ Settlement (Part/Final)	2,82,36,770.00		
2. नई पेंशन योजना को स्थानांतरित राशि			
2. Amount transfer to new pension scheme	-	2,82,36,770.00	
कुल (ख)			4,28,47,611.00
TOTAL (B)			
कुल अं.भ. निधि शेष (क+ख)			7,93,93,162.00
TOTAL CPF Balance (A+B)			



IIMC Centres



भारतीय जन संचार संस्थान
Indian Institute of Mass Communication